RNI : JHAHIN/2014/54374

हिन्दी दैनिक

राष्ट्रीय मुख्यधारा

Rashtria Mukhyadhara

राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक

बोकारो, रविवार

22.3.2026

पृष्ठ : 12, मूल्य : 2/

वर्ष : 12, अंक : 150

https://rashtriyamukhyadhara.com/

mukhyadhara.daily@gmail.com

+91 8873 319 159

राष्ट्र, राष्ट्रहित और राष्ट्रवाद को सदैव समर्पित: देश से बढ़ कर कुछ भी नहीं !

परंपरा, संस्कृति एवं विरासत के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध : हेमन्त

राष्ट्रीय मुख्यधारा

रांचीः मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन एवं उनकी धर्मपत्नी विधायक कल्पना सोरेन सिरम टोली रांची स्थित सरना स्थल पहुंचे। मुख्यमंत्री ने यहां प्रकृति पर्व सरहुल के अवसर पर हर्षोल्लास एवं श्रद्धा के साथ पारंपरिक विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। सरहुल की पारम्परिक रीति-रिवाज के तहत पूजन कार्य पाहन ने संपन्न कराया तथा मुख्यमंत्री के कान में सरई (साल) का फूल खोंसकर उन्हें आशीर्वाद दिया। यह परंपरा प्रकृति एवं मानव के गहरे संबंध का प्रतीक मानी जाती है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने राज्य वासियों को प्रकृति, संस्कृति एवं समरसता के प्रतीक पावन पर्व सरहुल की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि सिरमटोली के इस ऐतिहासिक स्थल पर आप सभी का हार्दिक स्वागत और अभिनंदन करते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रकृति पर्व सरहुल महोत्सव से जुड़े सभी लोगों का मैं दिल से शुक्रिया अदा करता हूं तथा धन्यवाद देता हूं कि आज के शुभ अवसर पर आप लोगों ने इस समृद्ध परंपरा एवं रीति-रिवाज की डोर को आगे ले जाने का काम कर रहे हैं। सरहुल एक ऐसा पर्व है जो प्रकृति से जुड़ाव का संदेश देता है। प्रकृति से ही मनुष्य की यात्रा शुरू होती और उसी में समाहित होती है। आज प्रकृति के उपासक के रूप में इसे सजाना-संवारना और इसको अपने साथ जोड़े रखने के लिए संकल्प लेने का दिन है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रकृति से ज्यादा ताकतवर व्यवस्था कुछ नहीं है। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने कहा कि सरहुल महोत्सव हमारी समृद्ध आदिवासी संस्कृति, प्रकृति के प्रति सम्मान और सामुदायिक एकता का जीवंत प्रतीक है। यह पर्व हमें पर्यावरण संरक्षण और आपसी सौहार्द का संदेश देता है। राज्य सरकार आदिवासी परंपराओं, संस्कृति और विरासत के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए निरंतर प्रतिबद्ध है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने प्रकृति, संस्कृति और सामाजिक समरसता के प्रतीक इस पावन पर्व पर प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

प्रकृति से ही सभी चीजों का सृजन और प्रकृति में ही विलय

मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन एवं उनकी धर्मपत्नी विधायक कल्पना सोरेन आज आदिवासी कॉलेज छात्रावास परिसर, करमटोली, रांची पहुंचे। पारंपरिक विधि-विधान के साथ पूजा-अर्चना की तथा समस्त झारखंड वासियों के कल्याण की प्रार्थना की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि आज आदिवासी समुदाय के लिए आज एक बहुत बड़ा क्षण है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जिस प्रकार हमारे पूर्वजों ने हमें सरहुल महोत्सव जैसी समृद्ध परंपराओं के निर्वाह की जिम्मेदारी हमारे कंधों पर दिया है, हम आने वाले समय में अपनी पीढ़ी के कंधों पर इन परंपराओं के निर्वहन का जिम्मा सौंपेंगे। कहा कि प्रकृति से बड़ी पूजा और कुछ नहीं है। प्रकृति में ही सभी चीजों का सृजन और विलय होता है।

प्रकृति है तो मानव मानव जीवन है : मुख्यमंत्री ने कहा कि अगर प्रकृति नही होता तो मानव जीवन की कल्पना भी नहीं की जा सकती थी। अगर प्रकृति ना होती तो संसार में कोई जीव-जंतु भी नहीं होती। मुख्यमंत्री ने कहा कि ये सभी प्रकृति के द्वारा रचाई और बसाई गई व्यवस्था है और इस व्यवस्था के प्रति आदिवासी समूह की अटूट आस्था है। मौके पर मुख्यमंत्री श्री हेमन्त सोरेन ने मांदर बजाकर आदिवासी कॉलेज छात्रावास परिसर में आयोजित सरहुल महोत्सव-2026 की खुशियों को दोगुनी कर दी।

समृद्ध परंपराओं को आगे बढ़ाना हम सभी की जिम्मेदारी: मुख्यमंत्री श्री हेमन्त सोरेन ने कहा कि प्रकृति से हम सभी को जुड़ने की जरूरत है। प्रकृति जब सुरक्षित रहेगी तब हमारा अस्तित्व भी रहेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज के भौतिकवादी युग में आपा-धापी के बीच जीवनयापन हो रहा है। हमारे पूर्वजों ने हमें बड़े ही योजनाबद्ध तरीके से दीर्घकालीन सोच के साथ कुछ ऐसी व्यवस्थाएं बनाई हैं जिसके तहत हम लोग एक साथ एक मंडप में एक छत के नीचे, एक पेड़ के नीचे एकत्रित होते हैं। इन सभी व्यवस्थाओं को हमें प्रतिबद्धता के साथ आगे बढ़ाने की जरूरत है। हम सभी लोग प्रकृति की रक्षा करें और अपने जीवन को सुरक्षित करें।

आरआरयू और एसएसबी अकादमी के बीच समझौता राष्ट्रीय सुरक्षा प्रशिक्षण को मिलेगा नया आयाम

एजेंसी। नई दिल्ली

देश के आंतरिक सुरक्षा ढांचे को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय (आरआरयू) और सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) अकादमी के बीच शुक्रवार को एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। यह समझौता राष्ट्रीय सुरक्षा प्रशिक्षण को अकादमिक मान्यता प्रदान करने और पेशेवर उत्कृष्टता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से किया गया है। दिल्ली स्थित एसएसबी मुख्यालय में आयोजित समारोह में आरआरयू के प्रो-वाइस चांसलर प्रो. कल्पेश एच. वांड्रा, संबद्धता एवं प्रत्यायन के डीन अविनाश खरेल तथा एसएसबी के महानिदेशक संजय सिंघल सहित कई वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। गृह मंत्रालय ने शनिवार को एक बयान में कहा कि इस कार्यनीतिक साझेदारी के तहत आरआरयू, एसएसबी अकादमी में संचालित विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों को शैक्षणिक मान्यता प्रदान करेगा। दोनों संस्थान संकाय विशेषज्ञता, शैक्षणिक संसाधनों और विशेष प्रशिक्षण सुविधाओं का आदान-प्रदान करेंगे, जिससे अकादमिक अनुसंधान और जमीनी सुरक्षा आवश्यकताओं के बीच की खाई को पाटा जा सके।

इस अवसर पर प्रो. वांड्रा ने बताया कि सहयोग के तहत "स्मार्ट सीमा प्रबंधन" जैसे विशेष पाठ्यक्रम पहले ही शुरू किए जा चुके हैं। आरआरयू अपनी अत्याधुनिक प्रयोगशालाओं और क्षेत्र-आधारित कार्यशालाओं के माध्यम से एसएसबी कर्मियों को व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान करेगा, जिससे प्रशिक्षण पाठ्यक्रम आधुनिक और तकनीक-आधारित बन सकें। एसएसबी महानिदेशक संजय सिंघल ने इस पहल का स्वागत करते हुए कहा कि यह साझेदारी बल के अधिकारियों और कर्मियों के कौशल विकास तथा पुनः कौशल पर विशेष ध्यान केंद्रित करेगी, जिससे वे बदलती आंतरिक सुरक्षा चुनौतियों के अनुरूप खुद को तैयार कर सकें। इस समझौते के तहत आरआरयू एसएसबी के मौजूदा और भावी पाठ्यक्रमों का मूल्यांकन कर उन्हें प्रमाणपत्र, डिप्लोमा, स्नातक और स्नातकोत्तर स्तर की मान्यता प्रदान करेगा। इसके लिए मानकीकृत मूल्यांकन प्रणाली और नियमित पाठ्यक्रम समीक्षा की व्यवस्था भी लागू की जाएगी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व और गृहमंत्री अमित शाह के मार्गदर्शन में स्थापित आरआरयू का उद्देश्य राष्ट्रीय सुरक्षा और पुलिसिंग के क्षेत्र में एक अग्रणी शैक्षणिक एवं अनुसंधान संस्थान के रूप में कार्य करना है। यह पहल गृह मंत्रालय के "एकीकृत प्रशिक्षण" दृष्टिकोण को आगे बढ़ाते हुए सैद्धांतिक ज्ञान और व्यावहारिक सीमा प्रबंधन के बीच बेहतर तालमेल स्थापित करेगी। साथ ही एसएसबी कर्मियों को शैक्षणिक मान्यता और करियर उन्नति के नए अवसर भी प्रदान करेगी। विशेषज्ञों के अनुसार यह साझेदारी भारत की सुरक्षा प्रणाली को और अधिक पेशेवर और तकनीक-सक्षम बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित होगी।

संक्षिप्त समाचार

खड़गे के घर रातभर हाई-वोल्टेज ड्रामा! कांग्रेस की कैंडिडेट लिस्ट पर राहुल गांधी ने लगाई रोक

नई दिल्ली। केरल विधानसभा चुनाव के लिए बिगुल फूँकने के साथ ही कांग्रेस के भीतर उम्मीदवारी को लेकर जबरदस्त खींचतान शुरू हो गई है। 9 अप्रैल को होने वाले मतदान से पहले दिल्ली में कांग्रेस नेतृत्व के बीच भारी हलचल देखी गई। मल्लिकार्जुन खड़गे के आवास पर रात 10:30 बजे शुरू हुई केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक तड़के 2:30 बजे तक चली। इस हाई-वोल्टेज ड्रामे की मुख्य वजह राहुल गांधी की नाराजगी थी, जिन्होंने केरल के उम्मीदवारों की शुरुआती सूची पर रोक लगाते हुए पूरी प्रक्रिया पर फिर से मंथन करने का निर्देश दिया। राहुल गांधी ने स्पष्ट कर दिया है कि अब टिकटों का बंटवारा महज सिफारिशों के आधार पर नहीं, बल्कि डेटा ड्रिवन पॉलिटिक्स के तहत होगा। उन्होंने मांग की कि हर सीट पर जातीय समीकरण, सर्वे रिपोर्ट और जमीनी फीडबैक को आधार बनाया जाए। इस कड़े रुख के कारण कई दिग्गजों के चुनावी अरमानों पर पानी फिर गया है। राहुल गांधी ने साफ निर्देश दिया है कि कोई भी मौजूदा लोकसभा सांसद विधानसभा चुनाव नहीं लड़ेगा। इस फैसले से के. सुधाकरन और शफी परम्बिल जैसे कद्दावर नेताओं को बड़ा झटका लगा है। नेतृत्व का तर्क है कि सांसदों के चुनाव लड़ने से अनावश्यक उपचुनाव का बोझ बढ़ता है और मुख्यमंत्री पद के चेहरे को लेकर भ्रम पैदा होता है। टिकट वितरण की इस खींचतान में गुटबाजी भी हावी नजर आई।

देश के 17 राज्यों का मौसमः 80 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से आंधी और झमाझम होगी बारिश

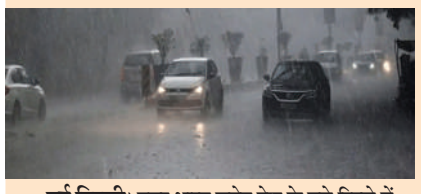

नई दिल्ली। उत्तर भारत समेत देश के बड़े हिस्से में मौसम ने खतरनाक करवट ली है। गर्मी की आहट के बीच अचानक आए इस बदलाव ने जनजीवन को अस्त-व्यस्त कर दिया है। देश की राजधानी दिल्ली से लेकर पटना, कोलकाता और मध्य प्रदेश तक बादलों के डेरे और बारिश ने तापमान में भारी गिरावट दर्ज की है। मौसम विभाग ने अब देश के 17 राज्यों के लिए गंभीर चेतावनी जारी की है, जिसमें अगले 48 से 72 घंटों के दौरान 70 से 80 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चलने वाली हवाओं, गरज-चमक और ओलावृष्टि का अलर्ट शामिल है। मौसम विशेषज्ञों के अनुसार, इस अचानक आए बदलाव की मुख्य वजह एक शक्तिशाली पश्चिमी विक्षोभ और अरब सागर व बंगाल की खाड़ी से आने वाली नमी का मिलन है। इस संयुक्त प्रभाव के कारण उत्तर भारत के साथ-साथ पश्चिमी और मध्य भारत में भी मौसम असामान्य बना हुआ है। दिल्ली-एनसीआर में दोपहर होते ही तेज धूप घने बादलों में छिप रही है, जिससे सड़क यातायात और विमान सेवाओं पर असर पड़ने की आशंका है। सबसे गंभीर स्थिति उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड और बिहार में देखी जा रही है। यूपी के कई जिलों में भारी बारिश के साथ बिजली गिरने की चेतावनी दी गई है, जबकि उत्तराखंड के पहाड़ी इलाकों में 80 किमी प्रति घंटे की रफ्तार वाले झोंकों से भूस्खलन और बिजली आपूर्ति बाधित होने का खतरा है।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने गिरिराज जी के किए दर्शन नंगे पांव चलकर शुरू की सप्तकोसी परिक्रमा

एजेंसी। मथुरा

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु मथुरा दौरे के तीसरे दिन शनिवार की सुबह ब्रजभूमि की आध्यात्मिक ऊर्जा में पूरी तरह सराबोर नजर आईं। गोवर्धन पहुंचकर उन्होंने गिरिराज महाराज की सात कोसीय परिक्रमा का शुभारंभ नंगे पांव किया और श्रद्धा, आस्था व सादगी का अनूठा संदेश दिया। राष्ट्रपति के साथ उनके परिजन भी मौजूद रहे। परिक्रमा प्रारंभ करने से पहले राष्ट्रपति मुर्मु ने दानघाटी मंदिर पहुंचकर गिरिराज जी की विधि-विधान से पूजा-अर्चना की और दूध अर्पित किया। इस दौरान पूरा वातावरण "गिरिराज महाराज की जय" के जयघोष से गूंज उठा। श्रद्धा का चरम उस समय देखने को मिला, जब राष्ट्रपति ने नंगे पांव परिक्रमा मार्ग पर कदम रखे। कुछ दूरी पैदल चलकर उन्होंने आस्था और सादगी का संदेश दिया। इसके बाद वे गोल्फ कार्ट में सवार हुईं और परिक्रमा मार्ग पर आगे बढ़ीं। उनके साथ आगरा मंडल के कमिश्नर नगेंद्र प्रताप भी थे। वहीं दूसरी गोल्फ कार्ट में राज्यपाल आनंदीबेन पटेल, कैबिनेट मंत्री लक्ष्मी नारायण चौधरी, जनपद के प्रभारी मंत्री संदीप सिंह और गोवर्धन विधायक मेघश्याम सिंह सवार रहे। राष्ट्रपति के आगमन को लेकर गोवर्धन और राधाकुंड नगरी को दुल्हन की तरह सजाया गया था।

पश्चिम एशिया संकट केवल भारत ही नहीं, बल्कि पूरे विश्व के लिए चिंता का विषयः राजनाथ सिंह

एजेंसी। नई दिल्ली

केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने पश्चिमी एशिया में चल रहे संघर्ष पर चिंता जाहिर की। उन्होंने कहा कि आज पूरी दुनिया एक संकट के दौर से गुजर रही है। पश्चिम एशिया में लगातार हमले हो रहे हैं और यह केवल भारत के लिए ही नहीं, बल्कि बल्कि पूरे विश्व के लिए चिंता का विषय है। उन्होंने कहा कि इस पर भारत का पक्ष साफ है कि मामला बातचीत व कूटनीति से हल किया जाना चाहिए। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह शनिवार को उत्तराखंड की पुष्कर सिंह धामी सरकार के चार वर्ष पूर्ण होने पर हल्द्वानी स्थित एमबी इंटर कॉलेज में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने संभावित ऊर्जा या खाद संकट से निपटने में प्रधानमत्री नरेन्द्र मोदी के प्रयासों की सराहना की। सिंह ने कहा कि अब तक प्रधानमंत्री मोदी ने अपनी सूझबूझ के आधार पर वैश्विक संकट से भारत को दूर रखा है लेकिन भविष्य में इसका क्या प्रभाव पड़ेगा, अभी कुछ नहीं कहा जा सकता। उन्होंने कहा कि वैश्विक स्तर पर पैदा हुए संकट को दूर करने के लिए जो भी कोशिश की जा रही है, उसका उत्तराखंड वासियों के द्वारा भी उसका समर्थन किया जाना चाहिए। राजनाथ ने कांग्रेस पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस हर चुनाव में हार के बाद ईवीएम पर सवाल उठाने के साथ संवैधानिक व्यवस्थाओं पर प्रश्न चिन्ह लगाती है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस जब-जब चुनाव हारती है, तब ये लोग ईवीएम को दोष देते हैं। कभी चुनाव आयोग को दोष देते हैं। ईसी से लेकर ईडी (प्रवर्तन निदेशालय) तक लगभग हर संस्था तब कठघरे में खड़ी कर दी गई जब उसके फैसले कांग्रेस के अनुमानों के विपरीत निकलते हैं। कार्यक्रम में केंद्रीय रक्षा मंत्री ने प्रदेश के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड में पुष्कर सिंह धामी की सरकार ने विकास को सर्वोच्च शिखर पर पहुंचाया है। तेजी से विकास कार्य किए हैं। धामी सरकार ने चार वर्षों में जो कार्य किए हैं, उसके आधार पर अब धामी को धाकड़ धामी नहीं बल्कि धुंरधर धामी कहना चाहिए। उन्होंने कहा कि जिस तरह से राज्य में विकास हुए हैं उसे वे उत्तराखंड के राजनीतिक इतिहास का साधारण अध्याय नहीं मानते, बल्कि उत्तराखंड के राजनीतिक इतिहास का एक महत्वपूर्ण अध्याय मानते हैं। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि उत्तराखंड को सुरक्षित रखने के साथ इसकी पवित्रता महत्वपूर्ण हैं और धामी सरकार इस दिशा में भी तेजी से कार्य कर रही है।

मां चंद्रघंटा की महिमा पर पीएम का संस्कृत संदेश, देशवासियों के लिए की मंगलकामना

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को देवी मां चंद्रघंटा की आराधना करते हुए एक संस्कृत सुभाषित साझा किया और देशवासियों के सुख, समृद्धि और सौभाग्य की कामना की। प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपने संदेश में मां चंद्रघंटा को नमन करते हुए लिखा कि माता सभी को शक्ति, समृद्धि और सौभाग्यपूर्ण जीवन का आशीर्वाद दें। उन्होंने देवी के दिव्य स्वरूप का वर्णन करते हुए संस्कृत श्लोक भी साझा किया

"पिण्डजप्रवरारूढा चण्डकोपास्त्रकैर्युता।
प्रसादं तनुते मह्यं चन्द्रघण्टेति विश्रुता॥"

प्रधानमंत्री ने अपने संदेश में कहा कि सिंह पर आरूढ़ और विभिन्न शस्त्रों से सुसज्जित मां चंद्रघंटा अपने भक्तों के कष्टों का नाश करती हैं और उन्हें साहस व शक्ति प्रदान करती हैं। उन्होंने प्रार्थना की कि माता की कृपा से हर व्यक्ति का जीवन सुख-समृद्धि से परिपूर्ण हो।

सड़क हादसे में फरसा वाले बाबा की मौत पर भीड़ ने किया पथराव, सेना ने संभाला मोर्चा

मथुरा। उत्तर प्रदेश में मथुरा जिले की कोसीकलां थाना क्षेत्र में फरसा वाले बाबा से मशहूर गौ सेवक चंद्र शेखर की एक सड़क हादसे में मौत हो गई। उनके मौत के बाद बिगड़े तनावपूर्ण माहौल को शांत कराने के लिए सेना को बुलाना पड़ा। सेना के सूझबूझ से फिलहाल शहर के हालात काबू में है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने घटना का संज्ञान लिया है। इसी बीच वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्लोक कुमार ने शनिवार को अपना बयान जारी कर बताया कि गौरक्षक की सड़क हादसे में मौत हुई है। एसएसपी ने बताया कि कोसीकलां थाना क्षेत्र में शुक्रवार की देर रात करीब तीन से चार बजे के बीच में चंद्रशेखर उर्फ

फरसा बाबा ने एक वाहन को संदिग्ध मानकर रोका। घना कोहरा होने के कारण पीछे से आए तेज रफ्तार ट्रक ने उन्हें टक्कर मार दिया। हादसे में उनकी मौत हो गई। बाबा ने जिस वाहन को रोका था, उसमें किराने का सामान पाया गया। वहीं, जिस ट्रक से हादसा हुआ है वो राजस्थान का नंबर है उसमें तार लदा हुआ था। हादसे में ट्रक के चालक और परिचालक अलवर के रहने वाले हैं।

भारत की जमीन से ईरान पर हमले की अनुमति का दावा फर्जी : विदेश मंत्रालय

एजेंसी। नई दिल्ली

भारत ने शनिवार को सोशल मीडिया पर वायरल उस दावे को पूरी तरह खारिज किया है जिसमें कहा गया था कि अमेरिका को भारत की जमीन से ईरान पर हमले के लिए अनुमति दी गई है। मंत्रालय ने इसे भ्रामक और निराधार बताते हुए नागरिकों से सतर्क रहने की अपील की है। विदेश मंत्रालय की आधिकारिक फैक्ट-चेक इकाई ने स्पष्ट किया कि भारत ने किसी भी देश को अपनी धरती का उपयोग किसी तीसरे देश पर सैन्य कार्रवाई के लिए करने की अनुमति नहीं दी है। इस तरह की खबरें पूरी तरह फर्जी हैं और इनका वास्तविकता से कोई संबंध नहीं है।

विदेश मंत्रालय ने लोगों से अपील की है कि वे सोशल मीडिया पर प्रसारित हो रही अपुष्ट खबरों पर विश्वास न करें और केवल आधिकारिक स्रोतों से ही जानकारी प्राप्त करें। यह भ्रामक दावा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट के जरिए सामने आया, जिसमें कहा गया था कि अमेरिका ने पश्चिमी भारत से ईरान पर बमबारी के लिए सैन्य संसाधनों के इस्तेमाल की अनुमति मांगी है। इस दावे को भारत-अमेरिका के बीच हुए एलईएमओए (लॉजिस्टिक्स एक्सचेंज मेमोरेंडम ऑफ़ एग्रीमेंट) से जोड़कर प्रस्तुत किया गया। विशेषज्ञों के अनुसार, एलईएमओए एक लॉजिस्टिक सहयोग समझौता है, जिस पर भारत और अमेरिका ने 2016 में हस्ताक्षर किए थे। इसका उद्देश्य दोनों देशों की सेनाओं के बीच आपसी सहयोग को बढ़ाना है। इस समझौते के तहत दोनों पक्ष एक-दूसरे के सैन्य ठिकानों का उपयोग ईंधन भरने, मरम्मत, रसद आपूर्ति, संयुक्त अभ्यास और मानवीय सहायता जैसे कार्यों के लिए कर सकते हैं। एलईएमओए किसी भी प्रकार की सैन्य कार्रवाई या तीसरे देश पर हमले की अनुमति नहीं देता है। यह केवल एक सहायक व्यवस्था है और इसका उपयोग पूरी तरह सहमति और जरूरत के आधार पर होता है।

ग्लोबल टेररिज्म इंडेक्स 2026: पाकिस्तान बना दुनिया का सबसे बड़ा आतंकी केंद्र

एजेंसी। नई दिल्ली

वैश्विक स्तर पर आतंकवाद के बदलते स्वरूप और इसके प्रभाव को लेकर जारी की गई ग्लोबल टेररिज्म इंडेक्स (जीटीआई) 2026 की रिपोर्ट ने चौंकाने वाले खुलासे किए हैं। ताजा आंकड़ों के मुताबिक, पाकिस्तान अब दुनिया का सबसे अधिक आतंकवाद प्रभावित देश बन गया है। इस सूची में पाकिस्तान ने बुर्किना फासो को पीछे छोड़ते हुए शीर्ष स्थान हासिल किया है। रिपोर्ट के अनुसार, साल 2025 पाकिस्तान के लिए पिछले एक दशक का सबसे खराब साल रहा, जहां 1,045 आतंकी घटनाओं में 1,139 लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ी। विशेषज्ञों का मानना है कि आतंकवाद को अपनी सरकारी नीति (स्टेट पॉलिसी) का

हिस्सा बनाने वाले पाकिस्तान को अब अपने ही बोए हुए कांटों का दंश झेलना पड़ रहा है। रिपोर्ट में इस गिरावट का मुख्य कारण 2021 में अफगानिस्तान में तालिबान की वापसी को बताया गया है, जिसके बाद से सीमा पार आतंकी गतिविधियों को नई ऊर्जा मिली है। विशेष रूप से तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) ने अफगान धरती का इस्तेमाल लॉन्चपैड के रूप में करते हुए पाकिस्तान में हमलों की झड़ी लगा दी है। साल 2025 में टीटीपी के हमलों में 24 प्रतिशत की भारी वृद्धि देखी गई। इसके अलावा, बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी (बीएलए) की सक्रियता और जाफर एक्सप्रेस ट्रेन के अपहरण जैसी घटनाओं ने स्थिति को और भयावह बना दिया है। रिपोर्ट बताती है कि दक्षिण एशिया अभी भी दुनिया का सबसे संवेदनशील क्षेत्र बना हुआ है, लेकिन यहां कुछ देशों ने मिसाल भी पेश की है। जहां फरवरी 2026 में पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच युद्ध जैसे हालात बन गए हैं, वहीं नेपाल ने लगातार तीसरे साल शून्य आतंकी घटना के साथ अपनी शांति बरकरार रखी है। बांग्लादेश ने भी 2025 में आतंकी हमलों में 100 प्रतिशत की गिरावट दर्ज कर दुनिया को हैरान किया है।

एनबीए ने 'आक्रामक विदेशी प्रजातियों' पर विशेषज्ञ समिति का किया गठन

नई दिल्ली। भारत की पारिस्थितिकी और कृषि के लिए गंभीर खतरा बन चुकी 'आक्रामक विदेशी प्रजातियों' से निपटने के लिए राष्ट्रीय जैव विविधता प्राधिकरण (एनबीए) ने एक उच्चस्तरीय विशेषज्ञ समिति का गठन किया है। यह कदम राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) के सख्त निर्देशों और पर्यावरण मंत्रालय की सलाह के बाद उठाया गया है। पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के अनुसार यह निर्णय एनजीटी की ओर से (मूल आवेदन संख्या 162/2023) पर लिए गए स्वतः संज्ञान के बाद आया है। अधिकरण ने चिंता जताई थी कि विदेशी प्रजातियां न केवल हमारी देशी जैव विविधता को नष्ट कर रही हैं बल्कि खाद्य सुरक्षा, कृषि और मानव स्वास्थ्य के लिए भी बड़ा जोखिम पैदा कर रही हैं। इसी के मद्देनजर एनबीए को व्यापक अध्ययन और रणनीतिक योजना बनाने का निर्देश दिया गया था। इस समिति की अध्यक्षता आईएफएस (सेवानिवृत्त), पूर्व पीसीसीएफ और उत्तराखंड के वन बल प्रमुख धनंजय मोहन कर रहे हैं जबकि केरल मत्स्य एवं महासागर अध्ययन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर ए. बीजू कुमार सह-अध्यक्ष के रूप में कार्य करेंगे।

ईद की नमाज में शामिल हुई ममता, सुवेंदु अधिकारी ने मंदिर पहुंच पूजा अर्चना की

कोलकत्ता। ईद का त्यौहार पूरे देश में हर्षोल्लास के साथ मनाया जा रहा है। चुनावी राज्य पश्चिम बंगाल में ईद का अलग ही असर दिख रहा है। शनिवार को मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ईद की नमाज में शामिल हुईं। वहीं, भाजपा नेता और भवानीपुर सीट से सीएम ममता को चुनावी टक्कर दे रहे सुवेंदु अधिकारी ने कालीघाट मंदिर पहुंचकर पूजा अर्चना की है। चुनाव आयोग (ईसीआई) ने चुनाव को शांतिपूर्ण और निष्पक्ष ढंग से कराने के लिए केंद्रीय अर्धसैनिक बलों की रिकॉर्ड तैनाती का फैसला किया है। आयोग के मुताबिक, दो चरणों में होने वाले मतदान के दौरान कुल 2,400 कंपनियां सेंट्रल आर्म्ड पुलिस फोर्सेज (सीएपीएफ), इंडिया रिजर्व बटालियन (आईआरबी) और विभिन्न राज्यों की सशस्त्र पुलिस की तैनात होगी। आयोग द्वारा घोषित कार्यक्रम के अनुसार, राज्य में पहले चरण का मतदान 23 को और दूसरे चरण का मतदान 29 अप्रैल को होगा। इसके पहले ही 480 कंपनियां सीएपीएफ की अग्रिम तैनाती के तौर पर बंगाल पहुंच चुकी है। चुनाव आयोग ने यह भी स्पष्ट किया है कि दूसरे चरण के मतदान के बाद भी सुरक्षा व्यवस्था को बनाए रखा जाएगा, ताकि किसी प्रकार की हिंसा या अव्यवस्था की स्थिति पैदा होने पर संभाला जा सके।

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159

संक्षिप्त समाचार

पाकुड़ से हिरणपुर तक अवैध लॉटरी का 'डेथ नेटवर्क'; घर-घर पहुँच रही बर्बादी की पर्ची, प्रशासन मौन

पाकुड़/हिरणपुर। पाकुड़ जिला और इसके आसपास के इलाके इन दिनों एक ऐसे 'ATM' के केंद्र बन गए हैं जहाँ से पैसा निकलता नहीं, बल्कि गरीबों का पैसा हमेशा के लिए 'निकल' जाता है। झारखंड में प्रतिबंधित लॉटरी का कारोबार अब एक संगठित अपराध का रूप ले चुका है। पाकुड़ प्रखंड के गांवों से लेकर हिरणपुर तक, यह धंधा अब 'होम डिलीवरी' मॉडल पर चल रहा है, जहाँ सुबह की चाय से पहले एजेंट गरीबों के दरवाजे पर 'बर्बादी का टिकट' लेकर पहुँच जाते हैं। ताजा जानकारी के अनुसार, पाकुड़ प्रखंड के साथ-साथ हिरणपुर भी अब इस अवैध कारोबार से अछूता नहीं रहा है। हिरणपुर के विभिन्न इलाकों में बड़े पैमाने पर थोक विक्रेता सक्रिय हैं, जो ग्रामीण युवाओं को कमीशन का लालच देकर उन्हें इस दलदल में धकेल रहे हैं। सूत्रों की मानें तो हिरणपुर के कई संवेदनशील इलाकों में पुलिस की गश्त के बावजूद लॉटरी की बिक्री बेधड़क जारी है। पाकुड़ प्रखंड के ग्रामीण इलाकों में स्थिति भयावह हो चुकी है। एजेंटों का नेटवर्क इतना मजबूत है कि वे पुलिस के खौफ से पूरी तरह मुक्त नजर आते हैं। मुख्य रूप से इन क्षेत्रों में धंधा चरम पर है: कोलाजोड़ा, तोड़ाई और आजाद चौक

फुटानी मोड़, रानीपुर और डांगापाड़ा मोहनपुर मोड़, मणिपुर और बाबुपुर इन इलाकों में सुबह होते ही मोटरसाइकिल सवार दलाल घर-घर जाकर महिलाओं और दिहाड़ी मजदूरों को रातों-रात लखपति बनने का सपना दिखाते हैं। दिन भर की मजदूरी (300-400 रुपये) करने वाला मजदूर शाम को अपनी पूरी कमाई इन एजेंटों के हाथ में सौंप देता है, जिससे उसका परिवार दाने-दाने को मोहताज हो रहा है। पुलिस रिकॉर्ड के आंकड़े गवाह हैं कि गिरफ्तारियां तो होती हैं, लेकिन वे केवल 'मोहरों' तक सीमित रहती हैं: 2021-22: स्वराज घोष, ओम प्रकाश भगत, राहुल और विकास स्वर्णकार पकड़े गए। 2023-24: मिट्ठू शेख और राहुल मंडल जैसे नाम सामने आए।

बरहेट के मदरसा टोला में ईद मिलन समारोह: सांसद विजय हांसदा ने दी मुबारकबाद, आपसी भाईचारे का दिया संदेश

साहिबगंज/बरहेट। खुशियों और आपसी सौहार्द के महापर्व 'ईद-उल-फितर' के उपलक्ष्य में शनिवार को बरहेट प्रखंड के मदरसा टोला में एक भव्य ईद मिलन समारोह का आयोजन किया गया। इस गरिमामय कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में राजमहल लोकसभा क्षेत्र के सांसद विजय हांसदा शामिल हुए, जिन्होंने स्थानीय लोगों के साथ मिलकर खुशियाँ बांटीं। मदरसा टोला में आयोजित इस समारोह का मुख्य उद्देश्य समाज में आपसी प्रेम और सद्भाव को मजबूती प्रदान करना था। कार्यक्रम के दौरान सांसद विजय हांसदा ने उपस्थित जनसमूह को ईद की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि ईद का त्योहार हमें त्याग, पवित्रता और एकजुटता का संदेश देता है। ऐसे आयोजनों से सामाजिक ताने-बाने को मजबूती मिलती है और गंगा-जमुनी तहजीब की झलक देखने को मिलती है। कार्यक्रम में पहुँचने पर स्थानीय ग्रामीणों और कार्यकर्ताओं द्वारा सांसद विजय हांसदा का गर्मजोशी से स्वागत किया गया। उन्हें माला पहनाकर और सम्मानित कर क्षेत्र के प्रति उनके समर्पण के लिए आभार प्रकट किया गया। सांसद ने भी लोगों के बीच बैठकर सेवइयां खाईं और क्षेत्र की समस्याओं व विकास कार्यों पर चर्चा की।

खिदमत का नायाब सिला: बाबू टोला के युवाओं ने इमाम साहब को बाइक तोहफे में देकर पेश की मोहब्बत की अनूठी मिसाल

साहिबगंज/राजमहल। जिले के राजमहल प्रखंड अंतर्गत बाबू टोला गाँव से सामाजिक समरसता और उलेमाओं के प्रति अगाध सम्मान की एक बेहद खूबसूरत तस्वीर सामने आई है। रमजान के मुकद्दस महीने में, जहाँ लोग इबादत और खैरात में जुटे हैं, वहीं बाबू टोला के युवाओं ने आपसी सहयोग से अपने मस्जिद के इमाम साहब को एक नई मोटरसाइकिल 'हदिया' (तोहफे) में देकर पूरे क्षेत्र में चर्चा का विषय बना दिया है। जानकारी के अनुसार, संबंधित मस्जिद के इमाम साहब पिछले काफी समय से गाँव में 'तरावीह' की नमाज और दीनी रहनुमाई (धार्मिक मार्गदर्शन) के जरिए समाज की निस्वार्थ सेवा कर रहे हैं। उनकी इसी मेहनत, सादगी और कौम के प्रति समर्पण को देखते हुए गाँव की 'बाबू टोला यूथ टीम' ने एक अनूठी पहल करने का निर्णय लिया। युवाओं ने तय किया था कि इमाम साहब को आवाजाही में होने वाली असुविधा को दूर करने के लिए उन्हें एक सवारी भेंट की जाए। इसके लिए गाँव के नौजवानों और बुजुर्गों ने स्वेच्छा से बढ़-चढ़कर आर्थिक सहयोग किया। रमजान की 27वीं शब (जिसे आध्यात्मिक रूप से अत्यंत महत्वपूर्ण माना जाता है) के मुबारक मौके पर, युवाओं ने सामूहिक रूप से इमाम साहब को नई बाइक की चाबी सौंपी। यह तोहफा ग्रामीणों की ओर से उनकी सेवाओं के प्रति कृतज्ञता और मोहब्बत का एक 'नजराना' था। अचानक मिले इस सम्मान और तोहफे से इमाम साहब भावुक नजर आए। उन्होंने युवाओं की इस सकारात्मक सोच और उलेमाओं के प्रति उनके आदर की भूरि-भूरि प्रशंसा की। इस मौके पर उन्होंने विशेष रूप से पूरे गाँव की तरक्की, अमन-चैन और आपसी भाईचारे को बनाए रखने के लिए खुदा की बारगाह में दुआएं मांगी।बाबू टोला यूथ टीम के सदस्यों और ग्रामीणों का कहना है

कोर्ट के आदेश के बावजूद निजी भूमि पर सरहुल आयोजन, प्रशासनिक भूमिका पर भी उठे सवाल

राष्ट्रीय मुख्यधारा

चांडिल: चांडिल अनुमंडल अंतर्गत ग्राम शहरबेड़ा (पोस्ट–चैनपुर, थाना–चांडिल) से जुड़ा एक मामला इन दिनों चर्चा में है। प्राप्त जानकारी के अनुसार झारखंड उच्च न्यायालय के आदेश के बावजूद संबंधित निजी भूमि पर सरहुल पर्व का आयोजन किया गया, जिससे प्रशासनिक भूमिका और न्यायालय के आदेश के पालन को लेकर सवाल उठने लगे हैं।

जानकारी के अनुसार ग्राम शहरबेड़ा के निवासी सूर्य पद महतो, जय महतो, मैदानव महतो, बिजय महतो, अशोक कुमार महतो, शिबराम महतो, खगेन्द्र नाथ महतो, जगदीश चंद्र महतो, झंगरू महतो, पवन कुमार महतो तथा प्रवीर कुमार महतो ने अपनी निजी भूमि की सुरक्षा को लेकर झारखंड उच्च न्यायालय, रांची में रिट याचिका (सिविल) संख्या 1868/2026 दायर की थी।

बताया गया है कि विवादित भूमि खाता संख्या–52 के खेसरा संख्या 395, 397 एवं 403 तथा खाता संख्या–13 के खेसरा संख्या 404 से संबंधित है, जिसे याचिकाकर्ताओं ने अपनी खतियानी निजी भूमि बताया है।

माननीय उच्च न्यायालय ने 20 मार्च 2026 को पारित आदेश में निर्देश दिया था कि याचिकाकर्ता अपने भूमि स्वामित्व से संबंधित सभी दस्तावेज अनुमंडल पदाधिकारी, चांडिल के समक्ष प्रस्तुत करें। साथ ही यह भी कहा गया कि यदि दस्तावेजों से प्रथम दृष्टया भूमि पर उनका अधिकार सिद्ध होता है, तो प्रशासन का कर्तव्य होगा कि वह उक्त भूमि की सुरक्षा सुनिश्चित करे।

इसी बीच प्राप्त जानकारी के अनुसार उक्त भूमि पर सरहुल पर्व का आयोजन किया गया, जिसमें झारखंड सरकार के विधायक सोमेश सोरेन घातशीला, श्रीमती सबिता महतो विधायक ईचागड़ भी उपस्थित हुए। इस घटना के बाद यह मामला क्षेत्र में चर्चा का विषय बन गया है।

याचिकाकर्ताओं का आरोप है कि पूर्व में दिए गए आवेदनों तथा न्यायालय के निर्देशों के बावजूद झारखंड दिशोम बाहा (सरहुल) कमिटी द्वारा उक्त भूमि पर जबरन सरहुल पर्व का आयोजन किया गया। इस संबंध में उन्होंने संबंधित लोगों पर कार्रवाई की मांग को लेकर 21 मार्च 2026 को थाना प्रभारी, चांडिल के नाम आवेदन देकर एफआईआर दर्ज करने की मांग की है।

आवेदन में जिन लोगों के नाम बताए गए हैं, उनमें दिलीप किस्कू (अध्यक्ष), ताराचंद टुडू (मांझी बाबा), गुरुचरण किस्कू (संयोजक), चारू चाँद किस्कू (सह संयोजक), गुरुपदो हांसदा (उपाध्यक्ष), सुंगी हांसदा (सचिव), मोतीलाल सोरेन (सह सचिव), वैधनाथ टुडू (कोषाध्यक्ष) तथा सुदामा हेम्ब्रम (प्रेस प्रवक्ता) शामिल हैं।

याचिकाकर्ताओं का कहना है कि खतियानी जमीन और वैध दस्तावेज होने के बावजूद उनकी शिकायतों को गंभीरता से नहीं लिया गया, जिससे वे स्वयं को असहाय और निराश महसूस कर रहे हैं।

स्थानीय स्तर पर लोगों का कहना है कि सरहुल झारखंड की आदिवासी संस्कृति और परंपरा का महत्वपूर्ण एवं सम्मानित पर्व है, और इसके आयोजन पर किसी को आपत्ति नहीं है। हालांकि यदि किसी निजी भूमि पर बिना सहमति के आयोजन किया जाता है, तो इससे विवाद की स्थिति उत्पन्न हो सकती है।

पूरे घटनाक्रम के बाद प्रशासनिक भूमिका पर भी सवाल उठने लगे हैं। लोगों का कहना है कि जब न्यायालय द्वारा स्पष्ट निर्देश जारी किए गए हैं, तब ऐसे संवेदनशील मामले में प्रशासन को निष्पक्षता और सतर्कता के साथ कदम उठाना चाहिए था। साथ ही थाना में दिए गए आवेदन के बाद भी अब तक कोई स्पष्ट कार्रवाई सामने नहीं आने से थाना प्रभारी की भूमिका को लेकर भी सवाल खड़े हो रहे हैं।

फिलहाल पूरे मामले को लेकर क्षेत्र में चर्चा का माहौल है और लोगों की नजर प्रशासन की आगे की कार्रवाई पर टिकी हुई है।

पाकुड़: अमड़ापाड़ा में रात के अंधेरे में 'पीला सोना' लूट रहे बालू माफिया; बाँसलोई नदी का अस्तित्व खतरे में, मौन है प्रशासन

राष्ट्रीय मुख्यधारा

पाकुड़/अमड़ापाड़ा। झारखंड के पाकुड़ जिले के अमड़ापाड़ा थाना क्षेत्र में इन दिनों बालू माफियाओं का बोलबाला है। सरकारी आदेशों और नियमों को ताक पर रखकर रात के अंधेरे में 'पीले सोने' (बालू) की बेतहाशा लूट मची है। माफियाओं का दुस्साहस इस कदर बढ़ गया है कि वे बाँसलोई नदी का सीना चीरकर हर रात दर्जनों ट्रकों से बालू की तस्करी कर रहे हैं, लेकिन स्थानीय प्रशासन और खनन विभाग की चुप्पी कई बड़े सवाल खड़े कर रही है। स्थानीय सूत्रों के अनुसार, अमड़ापाड़ा के आमझारी, दलानधुटू, दुधाजोर और खंडोंकांटा जैसे इलाके अवैध बालू उत्खनन के मुख्य केंद्र बन चुके हैं। दिन के उजाले में यहाँ शांति रहती है, लेकिन सूरज ढलते ही माफियाओं का 'नेटवर्क' सक्रिय हो जाता है। दर्जनों ट्रक और ट्रैक्टर इन क्षेत्रों में जमा किए गए (स्टॉक) बालू को लोड कर रात भर सड़कों पर फर्राटा भरते हैं। बालू का यह अवैध काला कारोबार केवल पाकुड़ तक सीमित नहीं है। यहाँ से लूटा गया बालू ऊँचे दामों पर पड़ोसी जिलों और सीमावर्ती राज्यों में भेजा जा रहा है। माफियाओं का तंत्र इतना मजबूत है कि ट्रकों के गुजरने वाले रास्तों पर पहले से ही 'लाइनमैन' तैनात रहते हैं, जो पुलिस की गतिविधि की जानकारी माफियाओं तक पहुँचाते हैं। इस अवैध धंधे से राज्य सरकार को हर महीने करोड़ों रुपये के राजस्व की हानि हो रही है। वहीं, सबसे भयावह असर पर्यावरण पर पड़ रहा है। बाँसलोई नदी से अनियंत्रित बालू उठाव के कारण नदी का स्वरूप बिगड़ता जा रहा है और क्षेत्र का जलस्तर (Groundwater level) तेजी से नीचे गिर रहा है। आने वाले समय में यह स्थिति अमड़ापाड़ा के ग्रामीणों के लिए गंभीर पेयजल संकट पैदा कर सकती है। हैरानी की बात यह है कि सड़कों पर रात भर ट्रकों की गूँज सुनाई देती है, लेकिन स्थानीय पुलिस और प्रशासन को इसकी भनक तक नहीं लगती।

सुदृढ़ होगी कुंडहित की सुरक्षा: राज्य सरकार ने पुलिस को सौंपा नया गश्ती वाहन, मुख्यमंत्री के प्रति जताया आभार

राष्ट्रीय मुख्यधारा

जामताड़ा। जिले के कुंडहित थाना क्षेत्र में पुलिसिंग व्यवस्था को और अधिक गतिशील और प्रभावी बनाने की दिशा में राज्य सरकार ने एक बड़ा कदम उठाया है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की दूरगामी सोच और झारखंड पुलिस को अत्याधुनिक संसाधनों से लैस करने की पहल के तहत शनिवार को कुंडहित थाना को एक नया चार पहिया वाहन (बोलेरो) उपलब्ध कराया गया है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन द्वारा राज्य की पुलिस व्यवस्था को चाक-चौबंद रखने हेतु शुरू की गई इस योजना का सीधा लाभ अब कुंडहित की जनता को मिलेगा। नए वाहन के मिलने से क्षेत्र में पुलिस की गश्त (पेट्रोलिंग) तेज होगी, जिससे अपराधियों पर नकेल कसने में मदद मिलेगी। यह वाहन विशेष रूप से आपातकालीन स्थितियों में त्वरित कार्रवाई करने के लिए पुलिस बल को मजबूती प्रदान करेगा। इस महत्वपूर्ण उपलब्धि पर कुंडहित थाना प्रभारी प्रदीप कुमार ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए राज्य के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के प्रति आभार प्रकट किया। पत्रकारों से बातचीत के दौरान उन्होंने कहा, "नया वाहन प्राप्त होना पुलिसिंग व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने की दिशा में एक मील का पत्थर साबित होगा। इससे न केवल कुंडहित बाजार क्षेत्र, बल्कि प्रखंड के सुदूरवर्ती ग्रामीण इलाकों में भी पुलिस की पहुंच अधिक सुलभ और तेज होगी।" थाना प्रभारी ने आगे बताया कि नए संसाधन उपलब्ध होने से पुलिस का 'रिस्पॉन्स टाइम' (Response Time) काफी बेहतर होगा। किसी भी सूचना पर पुलिस बल अब पहले से कहीं अधिक तेजी से घटना स्थल पर पहुँच सकेगा। उन्होंने कहा कि इससे क्षेत्र में अपराध नियंत्रण, नियमित गश्त और किसी भी आपातकालीन स्थिति से निपटने में पुलिस को काफी सहूलियत मिलेगी। साथ ही, संसाधनों की उपलब्धता से पुलिस कर्मियों के मनोबल में भी बढ़ोतरी हुई है। कुंडहित प्रखंड भौगोलिक रूप से काफी विस्तृत है, जिसमें कई दुर्गम ग्रामीण इलाके शामिल हैं। नए बोलेरो वाहन के आने से अब उन क्षेत्रों में भी पुलिस की सक्रियता बढ़ेगी जहाँ पहुँचने में पहले समय अधिक लगता था। सरकार की इस पहल का उद्देश्य आम जनता के बीच सुरक्षा की भावना को और अधिक प्रबल करना है।

कुंडहित में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया ईद का पर्व: मस्जिदों में उमड़ी भीड़, अमन-चैन और भाईचारे की मांगी गई दुआ

राष्ट्रीय मुख्यधारा

जामताड़ा। पवित्र माह रमजान के समापन के बाद शनिवार को कुंडहित प्रखंड में ईद-उल-फितर का त्योहार अकीदत और पूरे उत्साह के साथ मनाया गया। सुबह से ही प्रखंड के विभिन्न क्षेत्रों में उत्सव का माहौल रहा। मस्जिदों और ईदगाहों में नमाजियों की भारी भीड़ उमड़ी, जहाँ सभी ने एक स्वर में देश की तरक्की, अमन-चैन और आपसी भाईचारे के लिए दुआएं मांगीं। शनिवार सुबह निर्धारित समय पर प्रखंड के बाघाशोला, विक्रमपुर, महेशपुर, बनकाटी, सटकी, और पांचकुडी समेत अन्य गांवों की मस्जिदों में ईद की विशेष नमाज अदा की गई। सफेद लिबास और सिर पर टोपी पहने नमाजियों ने खुदा की बारगाह में सिर झुकाया। नमाज के बाद 'ईद मुबारक' के नारों के साथ लोग एक-दूसरे के गले मिले और गिले-शिकवे भुलाकर भाईचारे का संदेश दिया। त्योहार के दौरान शांति और सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए स्थानीय प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद रहा। कुंडहित थाना प्रभारी प्रदीप कुमार और बागडेहरी थाना प्रभारी प्रदीप राणा अपने दलबल के साथ विभिन्न मस्जिदों और संवेदनशील चौराहों पर तैनात रहे। पुलिस की चौकसी के बीच नमाज शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई। ईद की असली रौनक छोटे बच्चों के चेहरों पर दिखाई दी। रंग-बिरंगे नए कपड़ों में सजे बच्चे सुबह से ही बड़ों से 'ईदी' (उपहार या नकद राशि) लेने के लिए उत्साहित दिखे। परिवारों में ईदी देने की पुरानी परंपरा को निभाते हुए बुजुर्गों ने बच्चों को प्यार और उपहार बांटे। घर-घर में लजीज पकवान और विशेष रूप से 'सेवइयां' बनाई गईं, जिसका लुत्फ उठाने के लिए दोस्तों और पड़ोसियों का तांता लगा रहा। नमाज और मुबारकबाद के सिलसिले के बाद मुस्लिम समुदाय के लोग कब्रिस्तान भी पहुंचे। वहाँ उन्होंने अपने पूर्वजों की कब्रों पर फातिहा पढ़ा, उनके लिए मगफिरत की दुआ की और उन्हें याद किया।

दुमका में 'बेपानी' रही ईद की सुबह: बिजली फॉल्ट ने बिगाड़ा त्योहार का जायका, बूंद-बूंद को तरसे शहरवासी

राष्ट्रीय मुख्यधारा

दुमका। खुशियों और भाईचारे के महापर्व 'ईद-उल-फितर' के मौके पर शनिवार को दुमका शहर और इसके आसपास के इलाकों में उत्सव के उत्साह पर पानी फिर गया। शनिवार की सुबह जब लोग नमाज और त्योहार की तैयारियों में जुटे थे, तब शहर की पाइपलाइन जलापूर्ति पूरी तरह ठप रही। पानी की एक-एक बूंद के लिए लोगों को भारी मशक्कत करनी पड़ी, जिससे त्योहार की खुशियां फीकी पड़ गईं। जलापूर्ति संकट की मुख्य जड़ बिजली विभाग की तकनीकी विफलता रही। जानकारी के अनुसार, शुक्रवार (20 मार्च) की शाम करीब 6:00 बजे ही ट्रांसमिशन लाइन में एक बड़ा तकनीकी फॉल्ट आ गया था। इस कारण शहर की बिजली आपूर्ति बाधित हो गई। चूंकि दुमका की जलापूर्ति प्रणाली पूरी तरह बिजली पर निर्भर है, इसलिए बिजली जाते ही पंप हाउसों से पानी की सप्लाई रुक गई। शनिवार (21 मार्च) सुबह 10:00 बजे तक भी बिजली विभाग इस फॉल्ट को दुरुस्त नहीं कर पाया था, जिसका नतीजा यह हुआ कि ईद की सुबह हजारों घरों के नल सूखे रहे। ईद के नमाज की तैयारी, वजू और मेहमानों के लिए पकवान बनाने जैसे महत्वपूर्ण कार्यों के लिए सुबह पानी की भारी जरूरत थी। नल में पानी न आने के कारण शहर के विभिन्न मोहल्लों में अफरा-तफरी मच गई। लोग बाल्टियां लेकर सार्वजनिक हैंडपंपों और निजी बोरिंग वाले घरों की ओर दौड़ते नजर आए। चिलचिलाती गर्मी के बीच पानी के लिए हुई इस जद्दोजहद ने स्थानीय नागरिकों, विशेषकर मुस्लिम समुदाय के लोगों में भारी नाराजगी पैदा कर दी।

साहिबगंज: लालबथानी मुसहरी टोला में 10 दिनों का अंधेरा खत्म; कौसर आलम की पहल पर लगा नया ट्रांसफार्मर, किसानों और ग्रामीणों में खुशी

राष्ट्रीय मुख्यधारा

साहिबगंज। सदर प्रखंड के लालबथानी मुसहरी टोला में पिछले 10 दिनों से व्याप्त बिजली का गंभीर संकट अब समाप्त हो गया है। युवा कांग्रेस राजमहल विधानसभा अध्यक्ष कौसर आलम की त्वरित और प्रभावी पहल से गांव में 25 केवी (KVA) का नया ट्रांसफार्मर स्थापित कर दिया गया है, जिससे पूरे गांव में एक बार फिर रोशनी लौट आई है। गौरतलब है कि लालबथानी मुसहरी टोला का पुराना ट्रांसफार्मर पिछले 10 दिनों से जला हुआ था। भीषण गर्मी के बीच बिजली न होने से ग्रामीण त्रस्त थे। सबसे बुरा असर किसानों पर पड़ रहा था, क्योंकि बिजली के अभाव में मक्का की फसल की सिंचाई (पटवन) पूरी तरह ठप हो गई थी। फसल सूखने की कगार पर थी, जिससे अन्नदाताओं की चिंता बढ़ गई थी। रात के अंधेरे और उमस भरी गर्मी ने जनजीवन को बेहाल कर दिया था। बिजली संकट गहराने पर ग्रामीणों ने अपनी व्यथा युवा कांग्रेस नेता कौसर आलम के समक्ष रखी थी। मामले की गंभीरता और किसानों की फसल को होने वाले नुकसान को देखते हुए कौसर आलम ने ग्रामीणों को आश्वासन दिया था कि वे जल्द से जल्द नया ट्रांसफार्मर उपलब्ध कराएंगे। अपने वादे के अनुरूप, उन्होंने तुरंत बिजली विभाग के वरीय अधिकारियों से संपर्क साधा और निरंतर समन्वय बनाए रखा। उनकी इस सक्रियता का परिणाम यह हुआ कि विभाग ने त्वरित कार्रवाई करते हुए 25 केवी का नया ट्रांसफार्मर गांव भेजा। शनिवार को जैसे ही ट्रांसफार्मर स्थापित कर बिजली बहाल हुई, पूरा गांव 'रोशनी' से जगमगा उठा। अंधेरे में डूबे मुसहरी टोला में बिजली लौटते ही ग्रामीणों के चेहरे खिल उठे। ग्रामीणों ने कौसर आलम की इस जनहितैषी पहल और त्वरित कार्रवाई के लिए उनका तहे दिल से आभार व्यक्त किया। किसानों ने राहत की सांस लेते हुए कहा कि अब वे अपनी मक्का की फसल को बचा सकेंगे। इस अवसर पर मुख्य रूप से बसकी चौधरी, भारत दास, नरेश दास, रामभजन पासवान, दुल्ला दास, कुन्दन कुमार, संदीप कुमार, पावन कुमार, चंदन कुमार, शंकर चौधरी, पप्पू पासवान आदि उपस्थित रहे और इस सामूहिक प्रयास की सराहना की।

शहीदी दिवस पर साहिबगंज में गूंजेगा संकल्प: 'माय भारत, मेरी जिम्मेदारी' के साथ 9 प्रखंडों में राष्ट्र निर्माण का आगाज

राष्ट्रीय मुख्यधारा

साहिबगंज। भारत की आजादी के लिए हंसते-हंसते फांसी के फंदे को चूमने वाले अमर शहीद भगत सिंह, शिवराम राजगुरु और सुखदेव थापर के बलिदान को नमन करने के लिए इस वर्ष साहिबगंज का युवा वर्ग एक नई ऊर्जा के साथ तैयार है। शहीदी दिवस (23 मार्च) के अवसर पर भारत सरकार के युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के 'माय भारत' (MY Bharat) प्लेटफॉर्म द्वारा जिले के सभी 9 प्रखंडों में एक व्यापक राष्ट्रव्यापी अभियान की रूपरेखा तैयार की गई है। इस वर्ष के आयोजनों को "माय भारत, मेरी जिम्मेदारी" की विशेष थीम पर आधारित किया गया है। इसका उद्देश्य युवाओं को केवल इतिहास के पन्नों तक सीमित न रखकर उन्हें नागरिक कर्तव्यों के प्रति जागरूक करना और राष्ट्र निर्माण की मुख्यधारा से जोड़ना है। शहीदों की स्मृति में आयोजित यह अभियान युवाओं को यह संदेश देगा कि देश के प्रति जिम्मेदारी निभाना ही उन अमर बलिदानियों को सच्ची श्रद्धांजलि है। शहीदी दिवस के उपलक्ष्य में कार्यक्रमों का आगाज 19 मार्च से ही हो चुका है। युवाओं को जोड़ने के लिए कई नवाचारपूर्ण (Innovative) गतिविधियां संचालित की जा रही हैं:

19 मार्च से: डिजिटल क्विज और 'रील मेकिंग' जैसी प्रतियोगिताओं के जरिए युवा अपनी रचनात्मकता और देशभक्ति को सोशल मीडिया पर साझा कर रहे हैं।

22 मार्च: इस दिन 'माय भारत सिविक सेंस चैलेंज' का आयोजन होगा। इसके तहत जिले भर में स्वच्छता अभियान, सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता और श्रमदान जैसे सामाजिक कार्य किए जाएंगे।

23 मार्च (मुख्य कार्यक्रम): शहीदी दिवस के दिन साहिबगंज सदर प्रखंड में एक विशाल पदयात्रा का आयोजन किया जाएगा। इस पदयात्रा में हजारों की संख्या में युवा शामिल होकर 'भारत माता की जय' के उद्घोष के साथ शहीदों को अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे। माय भारत के कार्यक्रम लेखा सहायक पदाधिकारी अनिल कुमार ने अभियान के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा, "शहीदों का बलिदान हमारे लिए केवल भावुक होने का विषय नहीं है, बल्कि यह अपने नागरिक कर्तव्यों को समझने की एक बड़ी प्रेरणा है। इस अभियान के माध्यम से हम शहीदी दिवस को एक जन-आंदोलन का स्वरूप दे रहे हैं, जहां युवा केवल दर्शक नहीं बल्कि 'परिवर्तन के वाहक' की भूमिका निभाएंगे।" जिले के सभी 9 प्रखंडों में होने वाले इन आयोजनों के माध्यम से एकता, अनुशासन और जिम्मेदार नागरिकता का एक सशक्त संदेश प्रसारित किया जाएगा।

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159

संक्षिप्त समाचार

बोकारो में डीसी और एसपी ने गले मिल कर दी ईद की मुबारकबाद

बोकारो : ईद-उल-फितर के अवसर पर बोकारो के सिवनडीह स्थित दारुल उलूम अहले सुन्नत हनफिया गरीब नवाज दरबार में आपसी सौहार्द और भाईचारे का एक अनुपम उदाहरण देखने को मिला। खुशियों के इस त्योहार में प्रशासन और आम जनता के बीच की दूरियां मिटती नजर आईं, जब जिले के आला अधिकारी स्वयं जनमानस के बीच खुशियां बांटने पहुंचे। उपायुक्त अजय नाथ झा और पुलिस अधीक्षक हरविंदर सिंह की उपस्थिति ने इस धार्मिक आयोजन को सामाजिक समरसता के एक बड़े मंच में तब्दील कर दिया। उनके साथ उप विकास आयुक्त शताब्दी मजूमदार और अनुमंडल पदाधिकारी प्रांजल ढांडा सहित जिला प्रशासन के कई अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी दरबार पहुंचे और इस रूहानी माहौल का हिस्सा बने। समारोह का सबसे भावुक और आत्मीय क्षण तब आया, जब उपायुक्त और पुलिस अधीक्षक ने वहां उपस्थित समाज के लोगों और प्रबुद्धजनों से गले मिलकर ईद की दिली मुबारकबाद दी। प्रशासनिक अधिकारियों का यह सादगी भरा व्यवहार और जनता के प्रति अपनत्व ने न केवल लोगों का दिल जीत लिया, बल्कि प्रशासन और समाज के बीच विश्वास के धागे को और भी मजबूती प्रदान की। दरबार परिसर में मौजूद हर शख्स के चेहरे पर मुस्कान तैर गई और दुआओं के साथ-साथ एक-दूसरे के बेहतर भविष्य की कामनाएं की गईं। इस आत्मीय मिलन ने यह संदेश दिया कि पर्व-त्योहार ही वे सूत्र हैं, जो समाज के हर वर्ग को एक धागे में पिरोते हैं। उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए अधिकारियों ने कहा कि ईद का यह पवित्र त्योहार हमें प्रेम, त्याग, करुणा और आपसी सम्मान का शाश्वत संदेश देता है। उन्होंने जिलेवासियों से अपील की कि वे इसी तरह मिल-जुलकर समाज में शांति और सौहार्द बनाए रखें, क्योंकि विकास की पहली शर्त आपसी एकता ही है। पूरा दरबार परिसर इत्र की खुशबू, दुआओं की गूंज और सकारात्मक ऊर्जा से सराबोर रहा। यह आयोजन इस बात का सशक्त प्रतीक बना कि जब प्रशासन और समाज के कंधे एक साथ मिलते हैं, तो सामाजिक समरसता की नींव और भी गहरी हो जाती है।

समाज को जोड़ने के काम करते हैं हमारे पर्व-त्यौहार : प्रकाश

बोकारो : जिले के कसमार प्रखंड के मंजूरा ग्राम में ईद-उल-फितर का त्यौहार हर्षोल्लास और आपसी भाईचारे के साथ मनाया गया। इस अवसर पर क्षेत्र में सामाजिक और सांप्रदायिक सौहार्द का एक अनुपम उदाहरण देखने को मिला, जहां हर जाति और समुदाय के लोगों ने एक-दूसरे को गले लगाकर ईद की मुबारकबाद दी। त्यौहार की इसी खुशी को साझा करने के लिए स्थानीय युवा समाजसेवी प्रकाश कुमार ने विशेष पहल की। उन्होंने गांव के विभिन्न टोलो और इलाकों का भ्रमण कर लोगों से मुलाकात की और पर्व की शुभकामनाएं दीं।

समाजसेवी प्रकाश कुमार ने इस दौरान न केवल बड़ों का अभिवादन किया बल्कि नन्हे-मुन्ने बच्चों के बीच जाकर उन्हें उपहार और ईदी भी बांटी जिससे बच्चों के चेहरे खिल उठे। इस मौके पर प्रकाश कुमार ने अपनी भावनाओं को साझा करते हुए कहा कि त्यौहार हमारे समाज को जोड़ने का काम करते हैं और ईद का यह पाक मौका हमें आपसी प्रेम तथा शांति का संदेश देता है। उन्होंने आगे कहा कि मंजूरा की मिट्टी में हमेशा से ही मिल-जुलकर रहने की संस्कृति रही है और हमारा प्रयास है कि यह एकता और सौहार्द निरंतर बना रहे।

बोकारो में अकीदत से मनी ईद-उल-फितर, मस्जिदों और ईदगाहों में उमड़ी नमाजियों की भीड़

बोकारो : क्या बड़ा, क्या छोटा, कौन हिन्दू, कौन, मुस्लिम और कौन सिख, बोकारो में शनिवार को सबों ने मिलकर धूमधाम से ईद उल फितर का त्यौहार मनाया। जाति-धर्म, ऊंच-नीच का भेद और सारे गिले-शिकवे भुलाकर सबों ने एक-दूसरे को गले मिलकर ईद की मुबारकबाद दी। सुबह से ही बोकारो, चास सहित आसपास के इलाके में स्थित मस्जिदों और ईदगाहों में सजे-धजे युवा, बुजुर्ग और बच्चों की भीड़ लगनी शुरू हो गयी। तमाम मस्जिदों में नमाजियों का सैलाब उमड़ पड़ा। पूरी अकीदत के साथ मस्जिदों और ईदगाहों में मुस्लिम धर्मावलंबियों ने ईद की नमाज अदा की। इसके बाद एक-दूसरे को गले लगाकर ईद की मुबारकबाद दी। चांद की दीदार और अलविदा जुम्मे की नमाज के बाद पहले से तय समय के अनुसार उकरीद, सिवनडीह, डुमरो, आजाद नगर, हैंसाबातू, मखदुमपुर, इस्लामपुर, मिल्लत नगर, सिजुआ, झोपरो, बालीडीह, भर्रा, अंसारी मुहल्ला, सुल्तान नगर, गौस नगर, चास, न्यू पिंड़रगोडिया, सोलागीडीह, करमागोड़ा, पिपराटांड़, महेशपुर, धनधरी, पंचौरा, रामडीह, वास्तेजी, आगरडीह, रजा नगर, मोहनडीह, जाला, घटियाली, सोनाबाद आदि मुस्लिम बहुल्य इलाकों में ईद की नमाज अदा की गई। छोटे-छोटे नन्हें रोजेदारों द्वारा नमाज की अदायगी खास व देखने लायक बनी रही। सेक्टर-4 स्थित जामा मस्जिद की रौनक तो देखते ही बन पड़ रही थी। हजारों की संख्या में लोगों ने यहां पहुंचकर ईद की नमाज अदा की। इधर, ईद के मौके पर लोगों ने अपने घरों में मीठी सेवईं और तरह-तरह के पकवानों का भी आनंद लिया तथा इन्हें दोस्तों, परिजनों और सगे-संबंधियों में बांटा। जबकि बड़ों ने अपने छोटों को ईदी के तौर पर कोई तोहफा या कुछ रकम भी अदा की। सोशल मीडिया पर भी ईद की मुबारकबाद देने का सिलसिला जोरों पर चलता रहा। दूसरी तरफ, शहर की सड़कों पर आंखों में सूरमा लगाये, रंग-बिरंगे कुर्ता-पायजामा और भांति-भांति के कपड़े पहने इत्र महकाते युवाओं की टोलियों की खास चहल-पहल बनी रही। बोकारो के सिटी सेन्टर, चास व अन्य बाजारों के होटलों, रेस्तरां, पार्क में दिनभर इनकी भीड़-भाड़ लगी रही। कुल मिलाकर एक माह के रमजान के बाद आज पूरे शहर में ईद उल फितर हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ।

बोकारो थर्मल पारंपरिक श्रद्धा और धूमधाम से मना सरहुल

बोकारो : स्थानीय सिक्स यूनिट कॉलोनी स्थित जाहेर थान (सरना स्थल) में शनिवार को प्रकृति का महापर्व सरहुल पारंपरिक श्रद्धा और अपार हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। इस पावन अवसर पर आदिवासी समुदाय के लोगों ने सखुआ (साल) के फूलों के साथ प्रकृति की आराधना की और अपनी सांस्कृतिक विरासत का सुंदर प्रदर्शन किया। अनुष्ठान की मुख्य जिम्मेदारी पाहन धनेश्वर उरांव ने निभाई जिन्होंने विधि-विधान के साथ जाहेर आयो और अन्य देवी-देवताओं का आह्वान कर क्षेत्र की खुशहाली, अच्छी फसल तथा सभी के उत्तम स्वास्थ्य हेतु मंगल कामना की। पूजा के पश्चात उपस्थित श्रद्धालुओं के बीच पारंपरिक सखुआ के फूल और प्रसाद का वितरण किया गया जिससे वातावरण भक्तिमय हो गया। सरहुल के इस विशेष मौके पर आदिवासी वेशभूषा में सजे-धजे स्त्री, पुरुष और बच्चों ने मांदर की थाप पर थिरकते हुए सामूहिक नृत्य किया जिससे पूरा परिसर उत्सव के रंग में सराबोर आया। कार्यक्रम को सफल बनाने में धुर्वा मांझी, जहरू उरांव, संजय बार्जो, सुधीर हेम्ब्रम और सुरेश हांसदा, सुनीता टोप्पो, साम्या खलखो और हेमलता किस्पोट्टा का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

तुपकाडीह के चरका पत्थर में होगा महावीरी झंडा जुलूसों का मिलन, राजस्थान के परिधानों में सजेगी झांकी

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : बोकारो के तुपकाडीह और तांतरी क्षेत्र में महा रामनवमी के पावन पर्व को लेकर उत्साह चरम पर है। इस वर्ष के आयोजन का मुख्य आकर्षण चरका पत्थर स्थित बाबा मेला मैदान के समीप होने वाला छह भव्य हनुमान झंडा जुलूसों और झांकियों का महामिलन होगा। इस पारंपरिक मिलन समारोह की भव्यता सुनिश्चित करने के लिए पूजा समितियों ने कमर कस ली है। वासंती दुर्गा मंदिर से लेकर नहर चौक तक के मुख्य मार्ग को आकर्षक विद्युत द्वारों (इलेक्ट्रिक गेट), रंग-बिरंगी रोशनी और ऊंचे महावीरी झंडों से सजाने का कार्य समिति के ऊर्जावान युवाओं ने युद्ध स्तर पर शुरू कर दिया है।

इस बार के शक्ति प्रदर्शन और कला कौशल में रघुवीर दल अखाड़ा विशेष आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। अखाड़े के सदस्य, जिनमें बालिकाओं की भी उत्साहपूर्ण भागीदारी है, प्रतिदिन लाठी चालन और पारंपरिक हथियारों के प्रदर्शन का कड़ा अभ्यास कर रहे हैं। फिल्मी गीतों की धुन पर नकली हथियारों के साथ अपनी युद्ध कला का प्रदर्शन करने के लिए युवा सुबह-शाम पसीना बहा रहे हैं। झांकी को एक नया और शाही स्वरूप देने के लिए इस वर्ष विशेष रूप से राजस्थान से कलात्मक वेशभूषा (ड्रेस) मंगवाई गई है, जो जुलूस की भव्यता में चार चांद लगाएगी।

आयोजन समिति के अध्यक्ष अनिल दिगार ने तैयारियों का जायजा लेते हुए बताया कि पूरा ध्यान वासंती दुर्गा पूजा और रामनवमी को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने पर है। इसके लिए स्थानीय प्रशासन के साथ समन्वय बिठाया गया है और स्वयंसेवकों की टोलियां तैनात की गई हैं। तुपकाडीह की सड़कों पर अभी से ही केसरिया पताके लहराने लगे हैं और हनुमान भक्तों का जोश देखते ही बन रहा है। यह आयोजन न केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक है, बल्कि क्षेत्र की सामूहिक एकता और समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को भी प्रदर्शित करेगा।

बोकारो थर्मल के जाहेरथान में श्रद्धा के साथ मनाया गया बाहा पर्व

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : बोकारो थर्मल स्थित डीवीसी आवासीय कॉलोनी के जाहेरथान (सरना स्थल) में शनिवार को आदिवासी समुदाय द्वारा प्रकृति पर्व सरहुल (बाहा बोंगा) अत्यंत हर्षोल्लास और पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ मनाया गया। इस अवसर पर पूरा वातावरण मांदर और नगाड़ों की गूंज से सराबोर रहा, जो प्रकृति और मनुष्य के अटूट संबंध का प्रतीक बना। कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ पाहन द्वारा जाहेर आयो की विशेष पूजा-अर्चना के साथ हुआ, जिसमें सिद्धनाथ किस्कू के नेतृत्व में बिनोद मुर्मू, राम प्रसाद सोरेन और मोतीलाल मुर्मू ने सामूहिक रूप से अनुष्ठान संपन्न कराए। पूजा के दौरान नई फसल की सुख-समृद्धि और समस्त सृष्टि के कल्याण की मंगलकामना की गई।

जैसे-जैसे शाम ढली, जाहेरथान का परिसर सांस्कृतिक छटा से जगमगा उठा। पारंपरिक वेशभूषा में सजे आदिवासी स्त्री-पुरुषों ने मांदर की थाप पर थिरकते हुए सामूहिक नृत्य प्रस्तुत किया, जिसने उपस्थित जनसमूह को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस भव्य समारोह में केवल बोकारो थर्मल ही नहीं, बल्कि आसपास के दर्जनों गांवों जैसे अरमो, हथबजवा, लुकूबाद, गोनियाटो, परसाबेड़ा, पिलपिलो, आदिलबेड़ा और गीदरपटका से सैकड़ों की संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। ग्रामीणों ने एक-दूसरे को सखुआ के फूल भेंट कर बाहा की शुभकामनाएं दीं और प्रसाद ग्रहण कर आपसी भाईचारे का संदेश प्रसारित किया।

इस आयोजन की व्यवस्था और संचालन में मणिराम मांझी, जहरू उरांव, धुर्वा मांझी, संजय बार्जो और झरीलाल हांसदा सहित समाज के कई गणमान्य व्यक्तियों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। सभा को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने रेखांकित किया कि बाहा पर्व केवल एक त्योहार नहीं, बल्कि प्रकृति के संरक्षण और संवर्धन का एक जीवंत संदेश है, जो आदिवासी नववर्ष के रूप में नई ऊर्जा और संकल्प का संचार करता है।

22 से 25 मार्च तक मजदूर मैदान में लगेगा बोकारो सखी महोत्सव 2026

राष्ट्रीय मुख्यधारा

» मेले का शुभ उद्घाटन दिनांक 22 मार्च, 2026 के पूर्वाह्न 11:00 बजे की जाएगी

बोकारो : जिला प्रशासन, बोकारो द्वारा महिला स्वयं सहायता समूहों को प्रोत्साहित करने तथा उनके द्वारा निर्मित स्वदेशी उत्पादों को व्यापक बाजार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से बोकारो सखी महोत्सव 2026 का आयोजन किया जा रहा है।

यह महोत्सव 22 मार्च से 25 मार्च 2026 तक मजदूर मैदान बोकारो में आयोजित की जा रही है। कल दिनांक 22 मार्च, 2026 को मेले का उद्घाटन कार्यक्रम पूर्वाह्न 11:00 बजे शुभारंभ की जाएगी।

इस मेले में काफी संख्या में स्टॉल लगाये जा रहे है, जिसमें फूड स्टॉल भी होगे। पूरा वातावरण मेले के समान होगा जहां नारी सशक्तिकरण का संदेश के साथ साथ कई स्टॉल एसएचजी ग्रुप की महिलाओं के होगे। इस सखी महोत्सव में जिले के स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) की महिलाओं द्वारा निर्मित हस्तशिल्प, पारंपरिक खाद्य उत्पाद, हस्तनिर्मित वस्त्र, सजावटी सामान तथा अन्य स्वदेशी उत्पादों की प्रदर्शनी एवं बिक्री की जाएगी।

यह आयोजन महिला उद्यमिता को बढ़ावा देने, स्थानीय उत्पादों को पहचान दिलाने तथा ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। उपायुक्त (डीसी) अजय नाथ झा ने कहा कि बोकारो सखी महोत्सव, महिला स्वयं सहायता समूहों को अपने उत्पादों को प्रदर्शित करने और उन्हें बेहतर बाजार उपलब्ध कराने का एक महत्वपूर्ण मंच है। इससे न केवल महिलाओं की आर्थिक सशक्तता को बढ़ावा मिलेगा बल्कि स्थानीय उत्पादों को भी नई पहचान मिलेगी। जिला प्रशासन इस प्रकार के आयोजनों के माध्यम से महिला उद्यमिता को प्रोत्साहित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

वहीं, उप विकास आयुक्त (डीडीसी) शताब्दी मजूमदार ने कहा कि इस महोत्सव के माध्यम से स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं को अपने उत्पादों को सीधे उपभोक्ताओं तक पहुंचाने का अवसर मिलेगा। इससे उनकी आय में वृद्धि होगी तथा ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी।

उन्होंने बताया कि महोत्सव प्रतिदिन प्रातः 10:00 बजे से रात्रि 8:00 बजे तक आम जनता के लिए खुला रहेगा। कार्यक्रम के दौरान सांस्कृतिक प्रस्तुतियां, स्थानीय कला-संस्कृति का प्रदर्शन तथा विभिन्न स्टॉलों के माध्यम से राज्य समृद्ध परंपरा की झलक भी देखने को मिलेगी।

जिला प्रशासन ने आम नागरिकों से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में इस महोत्सव में शामिल होकर स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं द्वारा निर्मित स्वदेशी उत्पादों को प्रोत्साहित करें तथा स्थानीय उत्पादों का समर्थन करें।

सीसीएल की गोविंदपुर परियोजना में जेएलकेएम का हल्ला बोल, न्यूनतम मजदूरी को ले काम ठप

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो थर्मल : झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा (जेएलकेएम) ने शनिवार को सीसीएल कथारा प्रक्षेत्र के अंतर्गत गोविंदपुर परियोजना की आउटसोर्सिंग कंपनी बीकेटी में मजदूरों के शोषण के विरुद्ध जोरदार प्रदर्शन किया। पार्टी पदाधिकारियों ने कार्यस्थल पर पहुंचकर न केवल मजदूरों की समस्याओं को सुना बल्कि नियमों की अनदेखी के विरोध में काम भी बंद करा दिया। जेएलकेएम के नेताओं का मुख्य आरोप है कि कंपनी प्रबंधन कोल इंडिया की हाई पावर कमेटी के दिशा-निर्देशों का खुला उल्लंघन कर रही है जिससे मजदूरों को उनके वाजिब हक से वंचित रहना पड़ रहा है।

मौजूदा स्थिति पर चिंता व्यक्त करते हुए पार्टी के जिला सचिव नीलकंठ महतो और अन्य नेताओं ने बताया कि जहां नियमानुसार स्किल्ड वर्कर जैसे ड्राइवर और ऑपरेटर को प्रतिदिन 965 रुपये मिलने चाहिए, वहीं हेल्पर्स और अन्य श्रेणी के मजदूरों को मात्र 300 रुपये की दैनिक मजदूरी दी जा रही है। यह सीधे तौर पर श्रम अधिकारों का हनन है। इसके साथ ही प्रबंधन पर ड्यूटी के दौरान मनमानी करने और सुरक्षा मानकों की घोर अनदेखी करने के भी गंभीर आरोप लगाए गए हैं। आंदोलन की गंभीरता को देखते हुए कंपनी मैनेजर ने जेएलकेएम नेताओं के साथ वार्ता की और मांगों पर विचार करने के लिए सात दिनों का समय मांगा है।

जेएलकेएम ने स्पष्ट शब्दों में चेतावनी दी है कि यदि एक सप्ताह के भीतर हाई पावर कमेटी के अनुरूप भुगतान लागू नहीं किया गया और स्थानीय विस्थापितों को 75 प्रतिशत नियोजन में प्राथमिकता नहीं मिली, तो आंदोलन को और उग्र रूप दिया जाएगा। इस विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व मुख्य रूप से जिला सचिव नीलकंठ महतो, मीडिया प्रभारी सचिन तुरी, केंद्रीय सचिव रोशन कुमार और प्रखंड अध्यक्ष भानु प्रताप महतो ने किया। इस दौरान चक्का जाम की स्थिति बनी रही और बड़ी संख्या में स्थानीय ग्रामीण व मजदूर उपस्थित थे। पार्टी ने साफ कर दिया है कि मजदूरों के हक की लड़ाई में पीछे नहीं हटेंगे और जरूरत पड़ने पर अनिश्चितकालीन चक्का जाम किया जाएगा।

हरला में अवैध बालू परिवहन पर कार्रवाई, ट्रैक्टर जब्त, चालक गिरफ्तार

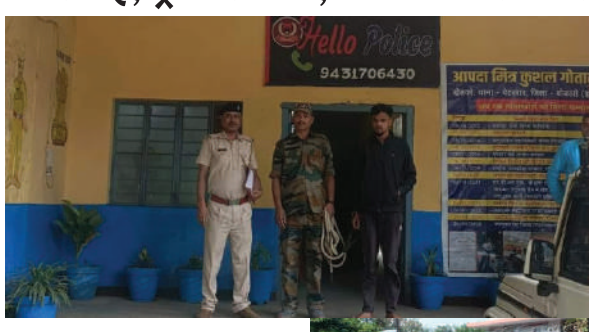

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : हरला थाना क्षेत्र में अवैध बालू उत्खनन और परिवहन की सूचना पर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए एक ट्रैक्टर जब्त कर चालक को गिरफ्तार किया है। 20 मार्च को प्राप्त सूचना के आधार पर थाना प्रभारी हरला ने रात्रि गश्ती दल के साथ छापेमारी अभियान चलाया।

कार्रवाई के दौरान बैधमारा की ओर से आ रहे बालू लदे ट्रैक्टर को रोका गया। जांच के दौरान चालक से बालू से संबंधित वैध कागजात मांगे गए, लेकिन वह कोई दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सका और संतोषजनक जवाब भी नहीं दे पाया। इसके बाद पुलिस ने ट्रैक्टर संख्या जेएच-01वाई-3810 को जब्त कर लिया और चालक तुषार कुमार, पिता अरुण महतो, निवासी रानीपोखर, थाना हरला को गिरफ्तार कर लिया। इस मामले में हरला थाना कांड संख्या 23/2026 के तहत बीएनएस की धारा 317(5)/3(5) के साथ एमएमडीआर एक्ट 1957, जेएमएमसी रूल 2004 और झारखंड खनिज नियम 2017 की धाराओं में मामला दर्ज किया गया है। छापेमारी दल में मनीष कुमार गुप्ता, रामनाथ राम और रविन्द्र कुमार शामिल थे।

उत्सव के बीच पसरा सन्नाटा, गांधीनगर बस्ती की सात वर्षीय मासूम की सड़क हादसे में मौत

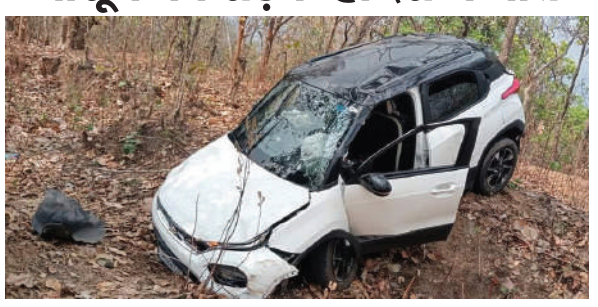

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : आपसी भाईचारे और सौहार्द का प्रतीक ईद का त्योहार शनिवार को गांधीनगर बस्ती के लिए एक गहरे शोक का सबब बन गया। एक हृदयविदारक सड़क हादसे ने सात वर्षीय मासूम बच्ची की जान ले ली, जिससे पूरे क्षेत्र में सन्नाटा पसर गया है। यह दर्दनाक घटना बिष्णुगढ़ थाना क्षेत्र के अंतर्गत कोनार डैम और अरजरी जंगल के बीच उस समय हुई, जब एक परिवार त्योहार की खुशियां मनाने के लिए पिकनिक पर निकला था। प्राप्त जानकारी के अनुसार, गांधीनगर थाना क्षेत्र की गांधीनगर बस्ती निवासी हाफिज इलियास का छोटा पुत्र मोहम्मद मन्नू अपनी टाटा पंच कार से परिवार के साथ कोनार डैम घूमने जा रहा था।

दोपहर करीब दो बजे की है, जब कार अरजरी जंगल के पास पहुंची, तो अचानक वाहन का संतुलन बिगड़ गया और तेज रफ्तार कार सड़क किनारे स्थित एक विशाल महुआ के पेड़ से जा टकराई। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। इस भयावह दुर्घटना में मोहम्मद मन्नू की सात वर्षीय भतीजी ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया, जबकि कार में सवार उनकी पत्नी और अन्य बच्चे बाल-बाल बच गए। हादसे के तुरंत बाद बिष्णुगढ़ पुलिस और स्थानीय राहगीरों की मदद से बच्ची को आनन-फानन में आईईएल गोमिया अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने आधिकारिक रूप से उसे मृत घोषित कर दिया।

जैसे ही बच्ची की मौत की खबर गांधीनगर बस्ती पहुंची, पूरे मोहल्ले में कोहराम मच गया। जिस घर में सुबह तक पकवानों की खुशबू और बच्चों की किलकारियां गूंज रही थीं, वहां अब केवल चित्कार और सिसकियां सुनाई दे रही हैं। परिजन गमगीन माहौल में मासूम का शव लेकर घर लौटे, जहां सैकड़ों की संख्या में शोकाकुल ग्रामीण जमा हो गए। इस हृदयविदारक घटना ने न केवल एक परिवार को उजाड़ दिया, बल्कि त्योहार के उल्लास को गहरे दुख में बदल दिया है।

तांतरी-भंडारीदह मार्ग पर अपराधियों का उत्पात , छाई लदे हाइवा को फूंका

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : जिले के बालीडीह ओपी थाना क्षेत्र अंतर्गत तांतरी-भंडारीदह मुख्य मार्ग पर स्थित दामोदर नदी पुल के समीप शुक्रवार की रात बेखौफ अपराधियों ने एक बड़ी वारदात को अंजाम दिया। बाइक सवार अपराधियों ने चंद्रपुरा पावर प्लांट से छाई (ऐश) लादकर जैनामोड़ की ओर जा रहे एक हाइवा (संख्या टीएस19टीए-7810) को जबरन रुकवाया और उसे आग के हवाले कर दिया। इस घटना में लाखों का हाइवा पूरी तरह जलकर खाक हो गया है जिससे क्षेत्र के वाहन मालिकों और चालकों में भारी दहशत व्याप्त है। प्रत्यक्षदर्शी चालक के अनुसार दो बाइकों पर सवार होकर आए तीन-चार अपराधियों ने पहले गाड़ी को ओवरटेक कर रोका और ओवरलोडिंग का झूठा आरोप लगाते हुए विवाद शुरू कर दिया। जब चालक ने इसका विरोध किया तो अपराधियों ने उसे जबरन वाहन से नीचे खींच लिया और हाइवा के टायर व चैसिस में आग लगा दी। देखते ही देखते आग की लपटों ने पूरी गाड़ी को अपनी चपेट में ले लिया। घटना की गंभीरता को देखते हुए शनिवार को बोकारो एसपी हरविंदर सिंह स्वयं घटनास्थल पर पहुंचे और पीड़ित चालक से विस्तृत पूछताछ कर मामले की बारीकी से जांच शुरू की।

इस संबंध में चंद्रपुरा थाना प्रभारी अजय कुमार ने जानकारी दी कि टीएमसी छाई ट्रांसपोर्टिंग कंपनी के आवेदन के आधार पर चार-पांच अज्ञात हमलावरों के विरुद्ध रंगदारी मांगने का मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने अपराधियों की धरपकड़ और पहचान के लिए एक विशेष टीम का गठन किया है हालांकि फिलहाल पुलिस के हाथ खाली हैं। स्थानीय ट्रांसपोर्टरों और चालकों ने पुलिस प्रशासन से जल्द से जल्द दोषियों की गिरफ्तारी की मांग की है ताकि वे भयमुक्त होकर सड़कों पर परिचालन कर सकें।

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159

संक्षिप्त समाचार

बीसीसीएल जमीन पर अवैध निर्माण के खिलाफ कार्रवाई

कतरास (धनबाद): भारत कोकिंग कोल लिमिटेड (बीसीसीएल) के सिजुआ क्षेत्र के अंतर्गत तेतुलमारी कोलियरी के लीज होल्ड क्षेत्र में अवैध निर्माण का मामला सामने आया है।

नगरीकला मौजा (मौजा संख्या-230) में कुछ लोगों द्वारा गैरकानूनी निर्माण किए जाने की सूचना पर प्रबंधन ने कार्रवाई शुरू कर दी है।

इस संबंध में बीसीसीएल प्रबंधन ने तेतुलमारी थाना और बाघमारा अंचल कार्यालय को पत्र भेजकर अवैध निर्माण पर रोक लगाने की मांग की है

जांच के दौरान सिजुआ क्षेत्रीय कार्यालय और तेतुलमारी कोलियरी परियोजना की संयुक्त टीम ने पाया कि जिस जमीन पर निर्माण हो रहा है, वह बीसीसीएल की निहित संपत्ति है।

प्रबंधन ने महाप्रबंधक के पत्र (पत्रांक GM/SA/ED/2026/75) के माध्यम से अधिकारियों को सूचित किया है कि संबंधित जमीन का रिकॉर्ड पंजी-II, दलील और मौजा नक्शा (CS एवं RS) में स्पष्ट रूप से दर्ज है।

प्रबंधन ने इसे गैरकानूनी बताते हुए जल्द कार्रवाई की मांग की है, ताकि अवैध कब्जे और निर्माण को रोका जा सके।

श्री श्री 108 रुद्र महायज्ञ, शिवलिंग प्राण प्रतिष्ठा एवं मानस पाठ का हो रहा है आयोजन

गोला(रामगढ़)। गोला प्रखंड क्षेत्र के डुण्डीगाछी गाँव में शनिवार को वैदिक श्री श्री 108 रुद्र महायज्ञ, शिवलिंग प्राण प्रतिष्ठा सह पाँच दिवसीय मानस पाठ को लेकर 451 कलशयात्री गांव से होकर गुजरती गोमती नदी से कलशयात्रा निकाली गई। कलशयात्रा में भगवान शिव (रुद्र) से आशीर्वाद लेने को लेकर गिरिडीह सांसद चंद्रप्रकाश चौधरी शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने कहा कि वैदिक रुद्र महायज्ञ भगवान शिव (रुद्र) को प्रसन्न करने के लिए किया जाने वाला सर्वोच्च और सबसे पवित्र अनुष्ठान है, जिसका उद्देश्य पापों का नाश, लौकिक कल्याण, शांति और समृद्धि की प्राप्ति है। जिसके बाद गेरुवा वस्त्र धारण कर सभी श्रद्धालु गोमती नदी से कलश में जल लेकर यज्ञ स्थल के लिए निकले। इस दौरान जय श्री महाकाल, जय श्री राम, भगवान भोलेनाथ की जमकर जयकारे लगाए गए। लगाए गए गगनभेदी नारे से सारा क्षेत्र भक्तिमय होकर गुँजायमान हो गया। आयोजित अनुष्ठान से उक्त गाँव के महिला, पुरूष, बच्चे, बुढ़ो में उत्साह देखा गया। इस अनुष्ठान में यज्ञ समिति के अध्यक्ष भरत करमाली, सचिव पूनम कुमारी, कोषाध्यक्ष दुलेश्वर महतो, उपाध्यक्ष सुमति बाला देवी, उपसचिव संदीप करमाली, सुजित कुमार उपाध्याय, बबिता देवी के अलावा उक्त गाँव के गणमान्य समाजसेवी दिनेश कुमार महतो, दिनु गोस्वामी, नित्यानंद महतो, नवकुमार महतो, पंचायत की मुखिया रुपा देवी, धनेश्वर महतो, मनोरंजन महतो, संतोष महतो, महेंद्र प्रसाद, राजेन्द्र महतो, अरजलाल महतो, बैजनाथ महतो, बलू मुंडा, चंद्रमोहन करमाली, सावित्री देवी, हेमंती देवी, सुनीता देवी सहित सैकड़ों श्रद्धालु शामिल हुए।

गोला प्रखंड क्षेत्र में मुस्लिम धर्मावलंबियों ने अकीदत के साथ अदा की ईद-उल-फितर की नमाज

गोला(रामगढ़)। गोला प्रखंड क्षेत्र के मुस्लिम बहुल इलाका सोसो कलां, मगनपुर, बेटूल कलां, चाड़ी, बरियातू, मुरपा, साड़म, तिरला, कुसुमडीह आदि गाँव में ईद-उल-फितर का त्योहार शनिवार को शांतिपूर्ण तरीके के साथ मनाया गया। इस दौरान गाँवों में मस्जिदों एवं ईदगाहों में ईद की नमाज अदा की गई और देश व दुनिया में अमन शांति के लिए दुआ माँगी गई। इस दौरान सोसोकलां जामा मस्जिद के ईमाम मौलाना महमूद आलम नूरी ने कहा कि पूरे माह रखे जाने वाले रोजे जीवन में धैर्य और संयम से जीना सिखाते हैं।इस दिन की सभी परंपराएँ मन और शरीर में मिठास पैदा करती है। ईद शांति और भाईचारा का संदेश देता है हम मुल्क की तरक्की अमन शांति के लिए दुआ करते हैं।इसके बाद मुस्लिम समाज के लोगों ने एक-दूसरे को गले लग कर ईद-उल-फितर की बधाई दी। इस अवसर पर अंजुमन गौसिया के रहनुमा व गांव के ईमाम के द्वारा ईदगाह में पहुँचे थाना प्रभारी अभिषेक कुमार को पगड़ी बाँधकर स्वागत किया। वहीं अंजुमन कमिटी के द्वारा पुलिसकर्मी के खाने के लिए सेवइयों का इंतजाम किया गया था। इस अवसर पर गांव के शकील अख्तर, अमान अंसारी, गुलाम सरवर, अफजल अंसारी, तनवीर आलम, जमाल मुज्तबा, उल्फत हुसैन, महफूज आलम, नुरुल्लाह अंसारी, सईद अंसारी सहित क्षेत्र के सैकड़ों के संख्या में लोग मौजूद थे।

मजदूरों की समस्याओं को लेकर जेएलकेएम ने ग्लोब स्टील प्लांट से की सफल वार्ता

रामगढ़। रामगढ़ जिले के राऊता स्थित ग्लोब स्टील प्लांट में मजदूरों के दो महीने से लंबित वेतन के मुद्दे को लेकर झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा (जेएलकेएम) के नेतृत्व में सफल वार्ता हुई। डुमरी विधानसभा अंतर्गत पलामू क्षेत्र से आए मजदूरों—अशोक रविदास, निखिल कुमार दास, सूरज कुमार, दीपक रविदास, चिंपू राम, वीरू रविदास, हीरा कुमार, संतोष रविदास, करण कुमार, अमित कुमार और हेमंत कुमार—को लंबे समय से भुगतान नहीं मिलने पर संगठन ने प्लांट प्रबंधन से बातचीत की। वार्ता में जेएलकेएम के केंद्रीय महासचिव पवन रजक, एससी मोर्चा के प्रधान महासचिव सहदेव रविदास, प्रदेश मीडिया प्रभारी रमेश कुमार महतो, रामगढ़ नगर परिषद संरक्षक शिवदयाल प्रसाद, सोनू रविदास, यशवंत कुमार दास और अन्य सदस्य शामिल थे। प्लांट की ओर से पदाधिकारी श्याम अग्रवाल और रजनीश उर्फ डब्लू ने आश्वासन दिया कि सभी मजदूरों के खाते में बकाया राशि हस्तांतरित कर दी जाएगी। इस मौके पर जेएलकेएम ने कहा कि संगठन हमेशा गरीब, शोषित और वंचित वर्ग के अधिकारों के लिए मजबूती से खड़ा रहेगा।

सभी ईदगाह और मस्जिदों में शांतिपूर्ण तरीके से अदा की गई ईद की नमाज

राष्ट्रीय मुख्यधारा

धनबादः ईद-उल-फितर के अवसर पर जिले के सभी ईदगाह और मस्जिदों में शांतिपूर्ण तरीके ईद की नमाज अदा की गई। इस अवसर पर नमाजियों ने देश की खुशहाली, बरकत, अमन और चैन की दुआ मांगी। विभिन्न मस्जिदों और ईदगाहों में सुबह 7.15 बजे से लेकर 9:00 बजे तक ईद की विशेष नमाज अदा की गई।

उपायुक्त आदित्य रंजन ने बताया कि शांति और सौहार्द बनाए रखने के लिए जिला प्रशासन ने सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किये थे। सभी थाना क्षेत्र तथा संवेदनशील इलाकों में मजिस्ट्रेट और पुलिस बल की तैनाती थी। सुबह 6:00 बजे से कंट्रोल रूम कार्यरत रहा। कंट्रोल रूम में कहीं से कोई शिकायत प्राप्त नहीं हुई। कंट्रोल रूम रविवार सुबह 6 बजे तक कार्यरत रहेगा।

ईद-उल-फितर के अवसर पर जिले के झरिया, एना इस्लामपुर, तेतुलमारी, बलियापुर, पूर्वी टुंडी, टुंडी, निरसा, कलियासोल, बाघमारा, एगारकुंड सहित धनबाद के रेलवे ग्राउंड, नया बाजार ईदगाह मस्जिद, टीसी कंपाउंड मस्जिद, हैदरी मस्जिद लोहा मार्केट, मनईटांड़ मस्जिद, नूरी मस्जिद वासेपुर, अब्दुल जब्बार बड़ी मस्जिद वासेपुर, शमशेर नगर ईदगाह, इसलामपुर ईदगाह, नयी मस्जिद वासेपुर, रहमतगंज मस्जिद, सी ब्लाक मदरसा इस्लामिया भूली, डी ब्लाक टाउनशिप ईदगाह भूली, अहसन आलम मस्जिद मारुफगंज, मदीना मस्जिद कुसुण्डा स्टेशन, कोयला नगर मस्जिद, रजा मस्जिद शमशेर नगर, गौसिया भट्टा मोहल्ला नया बाजार, गौसिया मस्जिद मिल्लतगंज, बगदादी मस्जिद चेक पोस्ट कतरास रोड, जोनल ट्रेनिंग स्कूल वासेपुर, आजाद नगर ईदगाह, मस्जिद अल हिरा फ्रेंड्स कालोनी, मिल्लत मस्जिद मिल्लत कालोनी, मदनी मस्जिद शमशेर नगर, जामा मस्जिद पुराना बाजार, गौसिया मस्जिद आजाद नगर, खैरून निशा मस्जिद गफ्फार कालोनी, आजाद नगर इमामबाड़ा 3 मस्जिद, गुलजारबाग मस्जिद, धनबाद स्टेशन रोड मस्जिद, खाना रोड मस्जिद नया बाजार, अब्दुल गनी मस्जिद बाईपास रोड, यहीया रजा मस्जिद बाईपास रोड, कोला कुसमा ईदगाह, उमर अमन सोसायटी गेट, मस्जिद हुसैन पंडरपाल, मोहसिन आजम मस्जिद, मस्जिद अबू बकर सिद्दीकी रहमत गंज, मोहम्मदी मस्जिद बाईपास रोड, मस्जिद यूसुफ नबीनगर वासेपुर, मक्का मस्जिद कलाली बागान, सिल्वर डाँव ग्राउंड गफ्फार कालोनी, जैबून निशा मस्जिद न्यू आजाद नगर सहित जिले के अन्य ईदगाह व मस्जिद में नमाज अदा की।

नमाज अदा करने के बाद सभी ने एक दूसरे से गले मिलकर ईद की दिली मुबारकबाद दी और एक दूसरे के साथ खुशियां बांटी।

धनबाद मंडल में चलाया गया मेगा टिकट चेकिंग अभियान

राष्ट्रीय मुख्यधारा

धनबादः धनबाद मंडल में बड़े पैमाना पर टिकट चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में शनिवार को धनबाद मंडल में मेगा टिकट चेकिंग अभियान चलाया गया। यह टिकट चेकिंग अभियान सुनियोजित कार्यक्रम के तहत दिन-रात चलाया गया। इस जांच अभियान के परिणामस्वरूप 594 यात्रियों को पकड़ा गया जिसमें बिना टिकट यात्रा कर रहे यात्री, बिना उचित प्राधिकार के यात्रा करने वाले यात्री, बिना बुक किये गए सामान के साथ यात्रा कर रहे यात्रीगण शामिल थे। इस दौरान उनसे 03,04,220 रूपए जुर्माने के रूप में राशि प्राप्त की गई तथा पकड़ें गए यात्रियों को उचित टिकट के साथ यात्रा करने की कड़ी हिदायत दी गई। चेकिंग टीमों द्वारा स्टेशनों एवं विभिन्न मेल/एक्सप्रेस ट्रेनों में भी चेकिंग किया गया। धनबाद मंडल द्वारा निरंतर टिकट जांच किया जा रहा है तथा भविष्य में भी यह जारी रहेगा। टिकट जांच अभियान के दौरान स्टेशनों के अनारक्षित टिकट काउंटर पर यात्रियों की काफी भीड़ देखी गई। धनबाद मंडल, पूर्व मध्य रेल यात्रियों को उचित टिकट के साथ प्लेटफार्म में प्रवेश करने की सलाह देता है तथा यात्रियों के पास जिस श्रेणी का टिकट है उसी श्रेणी में यात्रा करने का अनुरोध करता है।

आयुष क्षुधार्त्त भोजन सेवा अभियान की शुरुआत, हर शनिवार जरूरतमंदों को मिलेगा भोजन

राष्ट्रीय मुख्यधारा

धनबादः समाज सेवा की दिशा में एक सराहनीय पहल करते हुए सरायढेला स्थित श्रीजगन्नाथ अस्पताल परिसर में आयुष क्षुधार्त्त भोजन सेवा अभियान का आगाज किया गया है। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य अभावग्रस्त और जरूरतमंद लोगों को सम्मानपूर्वक दोपहर का भोजन उपलब्ध कराना है। यह सेवा प्रत्येक शनिवार को संचालित की जाएगी, जहां समाज के कमजोर वर्गों को एक वक्त का पौष्टिक खाना प्रदान किया जा रहा है। संस्थान के अध्यक्ष गणेश शर्मा और ज्वाइंट सेक्रेटरी हिना दास ने बताया कि परोपकार ही सबसे बड़ा पुण्य है और यह अभियान इसी भावना पर आधारित है। इस पुनीत कार्य में डा.एनएम दास, उप सचिव कुमार प्रशांत और डा.निशांत दास सहित अस्पताल के अन्य सहकर्मी सक्रिय रूप से सहयोग कर रहे हैं। आयोजकों ने आम लोगों से भी इस दरिद्र सेवा में सहभागी बनने की अपील की है ताकि समाज में संवेदनशीलता और आपसी सहयोग को बढ़ावा मिल सके। यह पहल न केवल भूख मिटाने का जरिया है, बल्कि मानवता की सेवा का एक उत्कृष्ट उदाहरण भी पेश करती है। मौके पर उप सचिव कुमार प्रशांत, डा.एनएम दास, निरुपमा, बाबू लाल, नेहा सिंह, डा.निशांत दास आदि मौजूद थे।

पुलिस लाइन में हर्षोल्लास के साथ मना सरहुल पर्व

» ढोल-नगाड़ों की गूंज और पारंपरिक गीतों की धुन पर झूमे पुलिस अधिकारी और जवान

राष्ट्रीय मुख्यधारा

धनबादः पुलिस लाइन स्थित पुलिस केंद्र में आदिवासी समाज के प्रमुख पर्व सरहुल को पूरे उत्साह और पारंपरिक रीति-रिवाज के साथ मनाया गया। इस अवसर पर एसपी ट्रैफिक, डीएसपी साइबर समेत कई वरीय पुलिस पदाधिकारी और जवान बड़ी संख्या में मौजूद रहे। कार्यक्रम की शुरुआत विधिवत पूजा-अर्चना से हुई, जिसमें धनबाद के एसएसपी प्रभात कुमार ने भाग लेकर जिले में शांति, समृद्धि और खुशहाली की कामना की।

पूजा के बाद पूरे परिसर का माहौल उत्सवमय हो गया। ढोल-नगाड़ों की गूंज और पारंपरिक गीतों की मधुर धुन पर पुलिस अधिकारी और जवान झूमते नजर आए। सरहुल पर्व के इस आयोजन में आदिवासी संस्कृति की झलक स्पष्ट रूप से देखने को मिली, जिससे वातावरण और भी जीवंत हो उठा।

इस दौरान अधिकारियों ने कहा कि ऐसे सांस्कृतिक आयोजन पुलिस बल के बीच आपसी भाईचारा, सौहार्द और एकता को मजबूत करते हैं। साथ ही यह पर्व प्रकृति के प्रति आस्था और सामाजिक समरसता का संदेश भी देता है। कार्यक्रम के अंत में सभी ने एक-दूसरे को सरहुल की शुभकामनाएं दीं और मिलकर इस पारंपरिक पर्व की खुशियां साझा कीं।

आइआइटी-आइएसएम में शताब्दी व्याख्यान का शुभारंभ

» नोबेल पुरस्कार विजेता कैलाश सत्यार्थी ने दिया 'कम्पैशन क्वोशेंट' पर जोर

» विकास के लिए तकनीक में मानवीय मूल्यों का समावेश जरूरीः कैलाश सत्यार्थी

राष्ट्रीय मुख्यधारा

धनबादः भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (इंडियन स्कूल ऑफ माइंस) धनबाद में शनिवार को अभिनाश चंद्र एवं बिनापानी सिन्हा मेमोरियल लेक्चर सीरीज के तहत पहला शताब्दी व्याख्यान का आयोजन किया गया।

शताब्दी वर्ष के अंतर्गत आयोजित समारोह में नोबेल शांति पुरस्कार से सम्मानित प्रख्यात समाजसेवी कैलाश सत्यार्थी ने मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। यह आइआइटी-आइएसएम परिसर में किसी नोबेल पुरस्कार विजेता का पहला आगमन भी रहा।

कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्थान के निदेशक प्रो. सुकुमार मिश्रा ने की, जबकि कॉर्पोरेट कम्युनिकेशन की डीन प्रो. रजनी सिंह ने कार्यक्रम के सफल आयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और पूरे कार्यक्रम का संचालन भी किया।

यह व्याख्यान श्रृंखला संस्थान के प्रतिष्ठित पूर्व छात्र मिहिर सिन्हा (1966 बैच, पेट्रोलियम इंजीनियरिंग) द्वारा अपने माता-पिता की स्मृति में दिए गए उदार योगदान से शुरू की गई है। इसका उद्देश्य विज्ञान, तकनीक और मानविकी के बीच संवाद को बढ़ावा देना है, ताकि शिक्षा और समाज के बीच बेहतर संतुलन स्थापित हो सके।

अपने विचारों में कैलाश सत्यार्थी ने कहा कि करुणा केवल सहानुभूति नहीं, बल्कि एक सक्रिय शक्ति है, जो समाज को बदल सकती है। उन्होंने 'कम्पैशन क्वोशेंट (CQ)' की अवधारणा रखते हुए कहा कि हर व्यक्ति को दूसरों के दुख को अपना समझकर कार्य करना चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी कि आज के समय में बढ़ती उदासीनता समाज के लिए खतरा है और इसे करुणा के जरिए ही दूर किया जा सकता है।

उन्होंने तकनीक के क्षेत्र में भी करुणा के महत्व पर जोर देते हुए "कम्पैशनेट एआई" की आवश्यकता बताई। उनके अनुसार यदि तकनीक में मानवीय मूल्यों का समावेश नहीं होगा, तो विकास अधूरा रह जाएगा। उन्होंने छात्रों से आह्वान किया कि वे ज्ञान के साथ संवेदनशीलता को जोड़कर समाज में सकारात्मक बदलाव लाएं।

निदेशक प्रो. सुकुमार मिश्रा ने अपने अध्यक्षीय संबोधन में इस आयोजन को संस्थान के लिए ऐतिहासिक बताया। उन्होंने कहा कि वास्तविक शांति तभी संभव है जब विज्ञान और तकनीक का उपयोग समाज की भलाई के लिए किया जाए। उन्होंने इस व्याख्यान श्रृंखला की शुरुआत के लिए मिहिर सिन्हा के योगदान की सराहना की और उनके शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की।

प्रो. रजनी सिंह द्वारा पढ़े गए संदेश में मिहिर सिन्हा ने अपनी अनुपस्थिति पर खेद जताया, जो एक दुर्घटना के बाद अस्पताल में भर्ती होने के कारण रही। उन्होंने इस व्याख्यान श्रृंखला को अपने माता-पिता के मानवीय मूल्यों को समर्पित बताया और कहा कि समाज को अधिक संवेदनशील और न्यायपूर्ण बनाने में मानविकी की महत्वपूर्ण भूमिका है।

कार्यक्रम में संस्थान के बड़ी संख्या में शिक्षक, छात्र, अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे। पेनमैन ऑडिटोरियम में उत्साहपूर्ण माहौल देखने को मिला और प्रतिभागियों ने पूरे मनोयोग से व्याख्यान को सुना।

यह आयोजन आईआईटी (आईएसएम) धनबाद के शताब्दी वर्ष के कार्यक्रमों में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि के रूप में दर्ज हुआ, जिसने ज्ञान, तकनीक और मानवीय मूल्यों के समन्वय का एक सशक्त संदेश दिया।

बीसीसीएल सीएमडी ने नवनिर्वाचित मेयर एवं झरिया विधायक से की मुलाकात

राष्ट्रीय मुख्यधारा

कंपनी धनबाद के सतत विकास के लिए प्रतिबद्ध है और स्थानीय प्रशासन व जनप्रतिनिधियों के साथ मिलकर कार्य करने को प्राथमिकता देती हैः बीसीसीएल सीएमडी

धनबादः भारत कोकिंग कोल लिमिटेड (बीसीसीएल) के सीएमडी मनोज कुमार अग्रवाल ने शनिवार को धनबाद के नवनिर्वाचित मेयर संजीव सिंह एवं झरिया की विधायक रागिनी सिंह से शिष्टाचार मुलाकात की। यह बैठक सौहार्दपूर्ण माहौल में संपन्न हुई, जिसमें धनबाद क्षेत्र के समग्र विकास और जनकल्याण से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई।

बैठक के दौरान शहरी विकास, आधारभूत संरचना, खनन क्षेत्र से जुड़े सामाजिक सरोकार, पर्यावरण संरक्षण एवं स्थानीय लोगों के कल्याणकारी उपायों पर विशेष फोकस रहा। बीसीसीएल सीएमडी मनोज कुमार अग्रवाल ने स्पष्ट रूप से कहा कि कंपनी धनबाद के सतत विकास (Sustainable Growth) के लिए प्रतिबद्ध है और स्थानीय प्रशासन व जनप्रतिनिधियों के साथ मिलकर कार्य करने को प्राथमिकता देती है।

मेयर संजीव सिंह और विधायक रागिनी सिंह ने भी क्षेत्रीय समस्याओं के समाधान और विकास कार्यों को गति देने के लिए समन्वित प्रयासों की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने बीसीसीएल के साथ मिलकर जनहित के कार्यों को आगे बढ़ाने की प्रतिबद्धता जताई।

भारतीय राजपूताना सेवा संगठन के सदस्यों ने नवनिर्वाचित महापौर से मुलाकात कर दी बधाई

राष्ट्रीय मुख्यधारा

धनबादः शनिवार को भारतीय राजपूताना सेवा संगठन के द्वारा, धनबाद जिला अध्यक्ष गजेंद्र सिंह के नेतृत्व में धनबाद के नवनिर्वाचित महापौर संजीव सिंह एवं झरिया की विधायक रागिनी सिंह से "सिंह मेंशन" आवास पर शिष्टाचार मुलाकात की गई एवं उन्हें हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी गईं।

इस अवसर पर धनबाद के समग्र विकास एवं जनहित के मुद्दों पर सकारात्मक चर्चा हुई। संगठन की ओर से आशा व्यक्त की गई कि उनके नेतृत्व में क्षेत्र का निरंतर विकास होगा और आम जनता को बेहतर सुविधाएं प्राप्त होंगी।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से अधिवक्ता जय सिंह, सन्नी प्रताप सिंह, दीनानाथ सिंह, बिनोद सिंह, सूर्य प्रताप सिंह, मुकेश सिंह, अमरेन्द्र सिंह, भोला सिंह, संतोष सिंह, अनिल सिंह, पप्पू सिंह सहित संगठन के अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

मातृशक्ति की उपस्थिति भी उल्लेखनीय रही, जिनमें रेखा सिंह (सचिव), दया रानी सिंह (उपाध्यक्ष), राखी सिंह, मनोरमा सिंह, प्रिया सिंह, रूपा सिंह एवं वंदना सिंह शामिल रहीं।

झमाडा ने मेयर व विधायक के निर्देश के बाद चालू किया पाइपलाइन रीशिफ्टिंग का काम, विगत चार दिनों से बंद है पानी की सप्लाई

» सिंह नगर, भूली क्वाटर, शिमला बहाल आदि क्षेत्र में काट दिया गया है कनेक्शन, लगभग 3 हजार लोग त्रस्त

राष्ट्रीय मुख्यधारा

झरिया (धनबाद): विगत चार दिनों से पानी की सप्लाई बंद होने की सूचना ग्रामीणों के माध्यम से मेयर संजीव सिंह व विधायक रागिनी सिंह तक पहुंची। उन्हें बताया गया कि विगत चार दिनों से सिंह नगर भूली क्वाटर, शिमला बहाल में पानी की सप्लाई बंद है। लगभग 700 घरों में पानी नहीं जा रहा है। मेयर संजीव सिंह व विधायक रागिनी सिंह ने मामले को गंभीरता से लेते हुए आला अधिकारियों से बात कर जल्द पाइपलाइन रीशिफ्टिंग का काम शुरू करने को कहा। मेयर संजीव सिंह ने महाप्रबंधक निखिल त्रिवेदी से बात कर मामले पर संज्ञान लेने को कहा।

वहीं एक प्रतिनिधि मंडल को वार्ता के लिए भेजा। प्रतिनिधि मंडल ने परियोजना पदाधिकारी बीके झा से बात की। जिसके बाद पत्र जारी किया गया। इधर, झमाडा के जेई सुनिल विश्वकर्मा व आलोक कुमार ने बताया कि इसकी सूचना बीसीसीएल के अधिकारी को दी गई थी। लेकिन कोई जवाब न आने के कारण कनेक्शन को झामाडा में शिफ्ट कर दिया गया था। लेकिन बीसीसीएल ने कनेक्शन के लिए पत्र लिखा है जिसके बाद कनेक्शन को चालू किया जा रहा है जल्द ही पानी सुचारु रूप से चलने लगेगा। इस प्रतिनिधि मंडल में राजकिशोर जेना, बप्पी बाउरी, राजेश पासवान, मनोज ठाकुर, रंजन सिंह, बबलू राम, पूजन सिंह, सोनू सिंह, राहुल गोस्वामी के अलावा रोहित पासवान, धीरज पासवान, दीपक भुइंया, राजेश रवानी, गौरव सिंह मिरिंडा आदि मौजूद थे। राजकिशोर जेना ने कहा कि बिना सूचना दिए झमाडा ने पाइपलाइन शिफ्ट कर दिया था। जिसकी सूचना मिलने के साथ ही मेयर व विधायक ने तत्परता से काम शुरू करवाया। जल्द ही पानी सुचारु रूप से चलने लगेगा।

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159

संक्षिप्त समाचार

दिलशिन के.के (यूनिवर्सल) का भारतीय पुरुष वॉलीबॉल टीम के कोचिंग कैंप मे चयन

यह उपलब्धि न केवल खिलाड़ी के लिए बल्कि पूरे झारखंड राज्य के लिए गौरव की बात हैः सुनील सहाय

दुमकाः झारखंड वॉलीबॉल संघ के लिए यह गर्व का विषय है कि राज्य के प्रतिभाशाली खिलाड़ी दिलशिन के.के. (यूनिवर्सल) का चयन भारतीय पुरुष वॉलीबॉल टीम के कोचिंग कैंप हेतु किया गया है।अमित कुमार अध्यक्ष दुमका ज़िला वॉलीबॉल संघ ने बताया की यह कोचिंग कैंप आगामी 25 मार्च से 30 मार्च 2026 तक अहमदाबाद में आयोजित किया जाएगा, जो कि एवीसी कप फोर मेन (20–28 जून 2026) की तैयारी के लिए आयोजित हो रहा है।संघ के संरक्षक शेखर बोस और कार्यकारी अध्यक्ष सुनील सहाय ने चयनित खिलाड़ी को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल प्रदर्शन की कामना की है। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि न केवल खिलाड़ी के लिए बल्कि पूरे झारखंड राज्य के लिए गौरव की बात है।झारखंड वॉलीबॉल संघ को विश्वास है कि दिलशिन के.के. आगामी प्रतियोगिता में देश का प्रतिनिधित्व करते हुए उत्कृष्ट प्रदर्शन करेंगे और राज्य का नाम रोशन करेंगे।इनके चयन पर झारखंड बॉलीबाल संघ के चेयरमैन सुबोध कान्त सहाय,अध्यक्ष आर के आनंद,सचिव उत्तम राज, एक्जेक्यूटिव उपाध्यक्ष, एक्जेक्यूटिव उपाध्यक्ष,विश्वनाथ सिंह,एस एम. हासमी, कोषाध्यक्ष विकास वर्मा, प्रमोद कुमार,भास्कर राव, संजय कुमार, संजय कुमार ठाकुर भोला प्रताप सिंह, उपेंद्र सिंह, दुर्गा प्रसाद जौहरी, डॉ. सी. के. ठाकुर, अमरजीत सिंह खरे, देवाशीष झा, अमित कुमार,हिसाबी राय, कल्याण श्रीवास्तव, राजीव रंजन मिश्रा, आशीष झा, नवीन कुमार शर्मा, सूरज प्रकाश लाल, मुनव्वर आलम, राकेश सिंह, भैया अभिमन्यु प्रसाद, मो० अनवर, गोपाल राम, जी० मिश्रा, राकेश पाण्डेय, संजय गुप्ता, दीपक कुमार, गणेश चौबे, मनोज कुमार, मो० राजा, पीटर मुंडू, ओम प्रकाश तिवारी, अजय अखौरी, प्रवीण कुमार मिश्रा, तथा झारखंड वॉलीबॉल संघ के सभी पदाधिकारियों ने तीनों पदाधिकारियों को इस उपलब्धि के लिए हार्दिक बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

तीनपहाड़ सरेपुरा गांव में गौ तस्कर वाहन छोड़कर हुए फरार, जांच में जुटी पुलिस

साहिबगंज : तीनपहाड़ थाना क्षेत्र अंतर्गत सरायपुरा गांव में शुक्रवार देर रात गौ तस्करी का एक मामला सामने आया, जब तस्करों की एक पिकअप वाहन कीचड़ में फंस गई। वाहन को निकालने का काफी प्रयास के बाद भी जब सफलता नहीं मिली, तो तस्कर मौके पर ही गाड़ी छोड़कर फरार हो गए। बताया जाता है कि रात करीब 1 बजे ग्रामीणों ने सड़क किनारे नाले के पास एक पिकअप वाहन को फंसा हुआ देखा। तो पास जाकर जांच करने पर वाहन में तीन सांड और दो गाय लदी मिलीं। यह दृश्य देखते ही गांव में खबर फैल गई और मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। ग्रामीणों ने तुरंत इसकी सूचना तीनपहाड़ थाना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही एसआई नारद गहलोत पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और वाहन का जांच किया। जांच के दौरान वाहन से कुछ कागजात और एक आधार कार्ड बरामद हुआ है, जिसके आधार पर तस्करों की पहचान की कोशिश की जा रही है। ग्रामीणों के अनुसार, वाहन नई थी और उस पर नंबर प्लेट भी नहीं लगी हुई थी। वहीं, वाहन में मौजूद तीन सांड बेहोश अवस्था में पाए गए, जिनका इलाज पशु चिकित्सक द्वारा कराया गया। स्थानीय लोगों का कहना है कि गौ तस्कर पुलिस से बचने के लिए इन दिनों ग्रामीण सड़कों का ज्यादा इस्तेमाल कर रहे हैं। वहीं इस घटना की जानकारी मिलते ही आसपास के गांवों से भी सैकड़ों लोग जुट गए। लोगों ने क्षेत्र में बढ़ती गौ तस्करी पर चिंता जताते हुए पुलिस प्रशासन से सख्त कार्रवाई की मांग की है। इस संबंध में तीनपहाड़ थाना प्रभारी मृत्युंजय कुमार पांडेय ने बताया कि मामले की छानबीन की जा रही है।

राजमहल और उधवा में आस्था और भाईचारे का संगमः ईद-उल-फितर पर अमन-चैन के लिए उठे हजारों हाथ

साहिबगंज/राजमहल। जिले में शनिवार को खुशियों और बरकतों का महापर्व 'ईद-उल-फितर' पूरे धार्मिक सौहार्द, अकीदत और पारंपरिक उत्साह के साथ संपन्न हुआ। जिले के राजमहल शहर सहित उधवा प्रखंड के सुदूरवर्ती क्षेत्रों में ईद की रौनक देखते ही बन रही थी। मस्जिदों और ईदगाहों में हजारों अकीदतमंदों ने सफों में खड़े होकर नमाज अदा की और बारगाहे-इलाही में हाथ फैलाकर देश व दुनिया में शांति, खुशहाली और आपसी भाईचारे के लिए विशेष दुआएं मांगीं। उधवा प्रखंड क्षेत्र में ईद को लेकर सुबह से ही जबरदस्त चहल-पहल देखी गई। सफेद लिबास और सिर पर नमाजी टोपी पहने मुस्लिम भाई झुंड के झुंड बनाकर नमाज के लिए ईदगाहों की ओर बढ़ते नजर आए। प्रखंड के प्रमुख स्थानों जैसे पहाड़गांव, दरगाहडांगा, इंग्लिश, अमानत, बेगमगंज, प्राणपुर, बालुगांव, उत्तर पलाशगाछी, चांदशहर, मसना और पियारपुर की मस्जिदों में नमाजियों की भारी भीड़ उमड़ी। नमाज संपन्न होने के बाद 'ईद मुबारक' की सदाओं से फिजा गूंज उठी। लोगों ने एक-दूसरे को गले लगाकर पुरानी रंजिशें और गिले-शिकवे भुलाए और मोहब्बत का पैगाम दिया। त्योहार का सबसे खूबसूरत रंग छोटे बच्चों में देखने को मिला, जो नए कपड़ों में सजे-धजे मेलों का आनंद लेते और अपनी 'ईदी' का जश्न मनाते दिखे। त्योहार के दौरान शांति व्यवस्था और सौहार्द बनाए रखने के लिए जिला प्रशासन और स्थानीय पुलिस पूरी तरह मुस्तैद रही। सभी संवेदनशील मोड़ों, चौराहों और ईदगाहों के बाहर पुलिस बल की सघन तैनाती की गई थी।

राजमहल में दिखी 'विविधता में एकता' की अनुपम झलकः एक ही दिन ईद की मिठास और सरहुल की खुशबू ने पेश की सामाजिक सौहार्द की मिसाल

साहिबगंज/राजमहल। शनिवार को राजमहल प्रखंड का कल्याणचक इलाका एक ऐतिहासिक सांस्कृतिक संगम का गवाह बना। अवसर था प्रकृति पर्व 'सरहुल' और खुशियों के महापर्व 'ईद' का। संयोगवश दोनों त्योहार एक ही दिन पड़ने से क्षेत्र में गंगा-जमुनी तहजीब और सामाजिक समरसता की एक ऐसी मिसाल पेश हुई, जिसकी चर्चा पूरे जिले में हो रही है। आदिवासी संघर्ष सरना समिति, राजमहल एवं तालझारी के तत्वावधान में कल्याणचक रेलवे मैदान में सरहुल महोत्सव का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में राजमहल सांसद विजय कुमार हांसदा और विशिष्ट अतिथि के रूप में राजमहल विधायक मो. ताजुद्दीन उर्फ एमटी राजा शामिल हुए। समिति द्वारा अतिथियों का स्वागत पारंपरिक तरीके से बुके, सखुआ के फूल और अंग वस्त्र भेंट कर किया गया। सरना धर्म के विधि-विधान के अनुसार पवित्र वृक्ष के नीचे पूजा-अर्चना की गई। प्रकृति की वंदना के बाद लोगों ने एक-दूसरे को गुलाल लगाकर और सखुआ के फूल देकर नए साल (सरहुल) की बधाइयां दीं। इस गरिमामय आयोजन की सबसे खूबसूरत तस्वीर तब दिखी, जब राजमहल विधायक मो. ताजुद्दीन (एमटी राजा) सुबह अपने परिवार और मित्रों के साथ शहर की अकबरी मस्जिद में ईद की नमाज अदा करने के तुरंत बाद सीधे सरहुल कार्यक्रम में शामिल होने पहुँचे।

रामनवमी पर शांति बनाए रखने की अपील, सुरक्षा तैयारियों की समीक्षा

राष्ट्रीय मुख्यधारा

गढ़वाः पलामू क्षेत्र के डीआईजी किशोर कौशल ने ईद-उल फितर, सरहुल और रामनवमी को लेकर गढ़वा पहुंचकर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया और अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। पुलिस अधीक्षक कार्यालय सभागार में आयोजित बैठक में पुलिस अधीक्षक अमन कुमार सहित सभी अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, इंस्पेक्टर और थाना प्रभारी मौजूद रहे।

डीआईजी ने रामनवमी के दौरान शांति, सौहार्द और आपसी भाईचारे का माहौल बनाए रखने पर जोर देते हुए अफवाह फैलाने वालों और असामाजिक तत्वों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने संवेदनशील और अति संवेदनशील क्षेत्रों में विशेष निगरानी रखने, जुलूस मार्गों का पूर्व निरीक्षण करने तथा सीसीटीवी और ड्रोन के माध्यम से निगरानी बढ़ाने को कहा।

सोशल मीडिया पर भ्रामक और भड़काऊ पोस्ट पर नजर रखने तथा शांति समिति और जनप्रतिनिधियों के साथ समन्वय बनाकर व्यवस्था सुदृढ़ रखने के निर्देश भी दिए गए। डीआईजी ने आम लोगों से सहयोग की अपील करते हुए संदिग्ध गतिविधियों की सूचना पुलिस को देने को कहा।

इस दौरान डीआईजी ने कंपोजिट कंट्रोल रूम और गढ़वा सिविल कोर्ट परिसर का निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। पुलिस अधीक्षक अमन कुमार ने बताया कि रामनवमी को लेकर सभी आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली गई हैं और पुलिस बल पूरी तरह मुस्तैद है।

मेयर से मुलाकात में मजदूर हित और विकास पर चर्चा

राष्ट्रीय मुख्यधारा

आदित्यपुरः आदित्यपुर नगर निगम के मेयर संजय सरदार से केंद्रीय संगठन मंत्री जेएलकेएम एवं मजदूर नेता संजय गोराई ने शिष्टाचार मुलाकात कर उन्हें पदभार संभालने पर पुष्प गुच्छ भेंट कर शुभकामनाएं दीं। इस दौरान नगर क्षेत्र के विकास और जनहित से जुड़े मुद्दों पर विस्तृत चर्चा हुई।

संजय गोराई ने कहा कि आदित्यपुर नगर क्षेत्र के समग्र विकास, आम जनता की समस्याओं के समाधान, स्थानीय युवाओं के रोजगार और मजदूर वर्ग के हितों को लेकर नगर निगम से सकारात्मक पहल की अपेक्षा है। उन्होंने विश्वास जताया कि नगर निगम जनहित के मुद्दों पर गंभीरता से कार्य करेगा।

मुलाकात के दौरान औद्योगिक क्षेत्र में कार्यरत मजदूरों की समस्याओं, श्रम सुरक्षा, आधारभूत सुविधाओं और अन्य जनहित के विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। साथ ही नगर विकास और समस्याओं के समाधान के लिए हर संभव सहयोग का आश्वासन भी दिया गया।

इस मौके पर नबीन महतो, रूपेश गोराई, मानसा दास, बिट्टू महतो, मनीष सिंह, बाबू महतो, गौतम गोराई, पंकज महतो और विमल सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

बेमौसम बारिश से जनजीवन प्रभावित, नवरात्र तैयारी पर भी असर

राष्ट्रीय मुख्यधारा

डुमरीः क्षेत्र में बेमौसम हुई बारिश ने जनजीवन को प्रभावित कर दिया। शनिवार दोपहर बाद हुई बारिश के साथ तेज हवा के कारण लोग कुछ घंटों तक घरों में दुबके रहे, वहीं चौक-चौराहों पर अस्थायी झोपड़ी या प्लास्टिक लगाकर सब्जी और खाद्य सामग्री बेचने वाले दुकानदारों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा।

बारिश का असर चैत्र नवरात्र की तैयारियों पर भी पड़ा है। वनांचल चौक, इसरी बाजार, हटियाटांड़, लोहेडीह, बासोकांडो और चंदनाडीह क्षेत्रों में की गई सजावट, लाइटिंग और साउंड सिस्टम को नुकसान पहुंचा है। कई जगहों पर लाइटें गिर गईं, जिससे आयोजन की तैयारियों में बाधा आई।

मौसम में पिछले दो दिनों से लगातार बदलाव देखा जा रहा है। गुरुवार और शुक्रवार को भी हल्की बारिश हुई थी। बारिश के बाद मौसम सुहावना और ठंडा हो गया है, जिससे लोगों को एक बार फिर ठंड का एहसास होने लगा है। खबर लिखे जाने तक आसमान में हल्के बादल छाए हुए थे।

बंद कोच में नाबालिग किशोरी के साथ दुष्कर्म करने वाला आरोपी युवक हुआ गिरफ्तार

दीपक कुमार केसरी

साहिबगंजः तालझारी थाना क्षेत्र के महाराजपुर रेलवे स्टेशन के साइडिंग में खड़ी एक एक्सप्रेस ट्रेन के बंद कोच में बीते दिनों 14 मार्च को थाना क्षेत्र की रहने वाली एक नाबालिग किशोरी के साथ महाराजपुर नया टोला निवासी आरोपी युवक प्रमेश कुमार महतो पिता सुखदेव महतो उर्फ भोटला महतो ने दुष्कर्म की घटना को अंजाम देने के बाद मौके पर से फरार हो गया था। जहां इस मामले को लेकर नाबालिग किशोरी के परिजनों ने रेल थाना साहिबगंज की पुलिस को लिखित आवेदन देते हुए कानूनी कार्यवाही करने की गुहार लगाई थी।

उधर रेल थाना पुलिस ने मामले में त्वरित कार्यवाही करते हुए आरोपी युवक के खिलाफ पोक्सो एक्ट में केस दर्ज करने के बाद आरोपी युवक की गिरफ्तारी को लेकर लगातार छापेमारी कर रही थी जहां शनिवार को सकरीगली रेलवे स्टेशन के पार्किंग से आरोपी युवक को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया और उसका सदर अस्पताल में मेडिकल जांच करवाने के बाद न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है।

सकारात्मक सोच से बनता है उज्ज्वल भविष्य और यही बदलता है जीवन व समाज : मुकेश चौहान

राष्ट्रीय मुख्यधारा

चितरपुर। सकारात्मकता की अलख जगाने के उद्देश्य से संचालित खुशी मिशन अभियान के तहत शनिवार को सक्सेस कैरियर आवासीय कोचिंग सेंटर, ढीठुवा में 575 वां खुशी क्लास तथा कुंदरूकला बगीचा में 605 वां खुशी चौपाल का सफल आयोजन किया गया। दोनों कार्यक्रमों में छात्रों और ग्रामीणों की उत्साहपूर्ण सहभागिता ने माहौल को ऊर्जा और उमंग से भर दिया। ढीठुवा स्थित खुशी क्लास की अध्यक्षता प्रिंसिपल विशेश्वर महतो ने किया। विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए खुशी क्लास के संस्थापक मुकेश सिंह चौहान व खुशी दूत डॉ संजय कुमार सिंह ने कहा कि सकारात्मक सोच ही सफलता की असली कुंजी है। विद्यार्थी जीवन में यदि हम अपने विचारों को सही दिशा दें, तो हर कठिनाई अवसर में बदल सकती है। उन्होंने छात्रों को लक्ष्य निर्धारण, आत्मविश्वास और अनुशासन के महत्व को सरल उदाहरणों के माध्यम से समझाया। वहीं, कुंदरूकला बगीचा में आयोजित खुशी चौपाल की अध्यक्षता संत विलास करमाली ने किया। ग्रामीणों को संबोधित करते हुए खुशी दूत डॉ. संजय कुमार सिंह ने कहा कि जीवन में सुख-शांति और प्रगति का आधार सकारात्मक दृष्टिकोण है। परिवार और समाज में यदि हम सकारात्मक माहौल बनाए रखें, तो तनाव और निराशा स्वतः दूर हो जाते हैं। उन्होंने आपसी सहयोग, विश्वास और सामूहिक विकास की भावना को मजबूत करने का आह्वान किया। खुशी क्लास में जहाँ विद्यार्थियों को उनकी क्षमता पहचानने, लक्ष्य की ओर निरंतर बढ़ने और असफलताओं से सीख लेने की प्रेरणा दी गई, वहीं खुशी चौपाल में बड़ों को जीवन के अनुभवों के साथ सकारात्मक सोच जोड़कर परिवार और समाज को मजबूत बनाने का संदेश दिया गया। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित लोगों ने इस पहल की सराहना करते हुए इसे समाज में सकारात्मक बदलाव लाने वाला सशक्त अभियान बताया। खुशी रथ के माध्यम से गांव-गांव तक पहुंच रही यह पहल अब जनआंदोलन का रूप लेती जा रही है। मौके पर संत विलास करमाली, दिवाकर प्रशाद गुप्ता, चुरामन महतो, आनंद करमाली, रोहित कुमार, राहुल ठाकुर, रामकुमार सिन्हा, दिनेश राम, ओमपकाश कुमार, छोटेलाल आदि मौजूद थें।

गोला में विश्व हिंदू परिषद ने मनाया रामोत्सव कार्यक्रम

राष्ट्रीय मुख्यधारा

गोला। विश्व हिंदू परिषद प्रखंड के द्वारा शनिवार को महादेव मंडा गोला में समाजसेवी गोविंद मुंडा की अध्यक्षता में रामोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य बौद्धिक कर्ता के रूप में विश्व हिंदू परिषद झारखंड प्रांत उपाध्यक्ष गंगा प्रसाद यादव और विहिप झारखंड प्रांत सह मंत्री मनोज पोद्दार उपस्थित हुए। अतिथियों के द्वारा भारत माता और राम दरबार के चित्र पर पुष्प अर्पित एवं दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। रामोत्सव कार्यक्रम में प्रखंड क्षेत्र के दर्जनों लोग शामिल हुए। प्रांत उपाध्यक्ष गंगा प्रसाद यादव ने रामोत्सव कार्यक्रम के कहा कि भगवान राम आदर्श पुरुष हैं, उनके जीवन चरित्र को अपने जीवन में आत्मसात करते हुए उनके आदर्श जीवन चरित्र को घर-घर पहुंचाना है। प्रभु श्री राम जी माता सबरी के झूठे बेर खाएं और केवट निषाद राज को गले लगाए। कर्म के आधार पर जाती बना लेकिन आज हिन्दूओं षड्यंत्र के तहत जातियों में बांटा जा रहा है। लेकिन हम सब सहोदर भाई है।

सप्ताह में एक दिन मंदिर में पूजा-अर्चना तथा हनुमान चालीसा पाठ करेंः मनोज पोद्दार – वहीं प्रांत सह मंत्री मनोज पोद्दार ने कहा अयोध्या में राम मंदिर को बाबर ने विध्वंस कर दिया था। बहुत संघर्ष के बाद राम मंदिर का निर्माण हो रहा है,6.50 लाख से अधिक हिन्दुओं ने बलिदान दिया। तब जाकर उस मंदीर का निर्माण होते हम देख रहे हैं, जो धर्म और मंदिर निर्माण के लिए बलिदान हो गये उनको याद करना चाहिए।हर घर में राम घुस जाएंगे तभी एक भी मंदिर नहीं टूटेगा,धर्मांतरण और लव जिहाद नहीं होगा। मठ-मंदिर नहीं रहेगा तो हिन्दू कहां रहेगा। आगे उन्होंने सप्ताह में एक दिन मंदिर जाकर पूजा-अर्चना तथा सामूहिक हनुमान चालीसा पाठ करने का आह्वान किया। धन्यवाद ज्ञापन विहिप रामगढ़ जिला मंत्री छोटू वर्मा ने किया।कार्यक्रम के समापन के पश्चात खिचड़ी का वितरण किया गया। इस अवसर पर विहिप जिला सह मंत्री भागीरथ पोद्दार, जितेंद्र कुमार मंडल,बजरंग दल जिला महेंद्र ठाकुर, प्रखंड मंत्री अभिषेक खत्री,सह मंत्री शिवा प्रजापति, प्रखंड बजरंग दल संयोजक रामा करमाली, सह संयोजक अनिकेत कुमार, गौरक्षा प्रमुख आशिष शर्मा,पूर्व गौरक्षा प्रमुख गौतम मिश्रा,बलोपास्ना केंद्र प्रमुख सनी महतो,ममता सोनी, सुषमा मुंडा,सुकरी देवी,सुरज कुमार, उज्ज्वल चक्रवती, विक्की स्वर्णकार,सनी दांगी, नैतिक पोद्दार, गुड्डू कुमार, विकास मणी पाठक, पप्पु ठाकुर,मनिष कुमार आदि मौजूद थे।

राजेश चौरसिया के पहल पर सुब्रतोनाथ ने रक्तदान कर बचाई मरीज की जान

राष्ट्रीय मुख्यधारा

दुमकाः रक्तदान करना निस्वार्थ सेवा का सबसे बड़ा उदाहरण है, जो किसी के जीवन को नया जीवनदान दे सकता है।रक्त की कमी से जूझ रहे मरीजों के लिए स्वेच्छा से रक्तदान कर सुब्रतोनाथ ने मानवता की मिशाल पेश की है। यह न केवल ज़रूरतमंदों की मदद है, बल्कि नियमित रक्तदान करने से दाता के स्वास्थ्य को भी लाभ होता है। बताते चलें की मरीज 26 वर्षीय सोमा दे पति सुभाष दे राशिकपुर दुमका निवासी जो की होप हॉस्पिटल दुमका मे एडमिट है और इनका हीमोग्लोबिन बहुत कम हो गया था। मरीज एक यूनिट ए पॉजिटिव रक्त की सख्त जरूरत थी।रक्त ना मिलने के कारण परिजन काफ़ी परेशान थे। जिसकी जानकारी समाजसेवी राजेश चौरसिया को मिली।जानकारी मिलने पर राजेश चौरसिया ने सुब्रतोनाथ से सम्पर्क किया।जानकारी मिलते ही अपने सभी आवश्यक कार्य को छोड़कर रक्तदाता सुब्रतोनाथ तुरंत ब्लड बैंक आए और 40वी बार एक यूनिट ए पॉजिटिव ब्लड डोनेट कर मरीज की जान बचाने मे अपनी अहम् भूमिका निभाई।परिजनों ने रक्तदाता सुब्रतोनाथ व समाजसेवी राजेश चौरसिया का धन्यवाद ज्ञापन किया है।रक्तदान के पश्चात सुब्रतोनाथ ने कहा सभी लोगो को रक्तदान करना चाहिए।

हवन पूर्णाहुति के साथ ही सप्त दिवसीय श्रीमदभागवत कथा का हुआ समापन

- हवन पूर्णाहुति के पश्चात आयोजन समिति के द्वारा किया गया महा प्रसाद का वितरण
- श्रीमद्भागवत कथा खुद में मंदिर और तीर्थ स्थापित करने की कथा हैः दिव्या देवीजी

राष्ट्रीय मुख्यधारा

दुमकाः रामगढ़ प्रखंड अंतर्गत बौड़िया गाँव मे 7 दिन से चल रही श्री मदभागवत कथा का सामूहिक हवन, पूर्णाहुति और विशाल भंडारे के साथ समापन हो गया।कथावाचिका पूज्या दिव्या देवीजी व उनके सहयोगियों के सानिध्य में विधि-विधान से हवन किया गया।वेद-मंत्रों की ध्वनि और यज्ञ की अग्नि से वातावरण शिवमय हो गया। श्रद्धालुओं ने आहुतियां डालते हुए भगवान श्रीकृष्ण से सुख-समृद्धि और शांति की कामना की। पूर्णाहुति के दौरान हर कोई भाव विभोर हो उठा। हवन के बाद कथा पंडाल में विशाल भंडारा हुआ, जिसमें हजारों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। कथा की विदाई के समय श्रद्धालुओं ने नम आंखों के साथ श्रीमदभागवत को विदा किया।आयोजन समिति सदस्य ने कहा कि 7 दिन की इस कथा ने उनके जीवन को आध्यात्मिक ऊर्जा और सकारात्मक दिशा प्रदान की है।आचार्य ने कहा कि श्रीमदभागवत कथा का श्रवण विशेष पुण्यदायी माना जाता है।कृष्ण की कथाएं हमें संयम, त्याग और भक्ति मार्ग का अनुसरण करने की प्रेरणा देती हैं। उन्होंने श्रद्धालुओं का आभार जताया और और सभी को भागवत कृपा की शुभकामनाएं दीं।बताते चलें की श्रीमदभागवत कथा का प्रारम्भ 14 मार्च को किया गया था। सात दिनों तक बौड़िया गाँव मे उत्सव का माहौल देखा गया।मौके पर कथा वाचिका दिव्या देवी ने भगवान श्रीकृष्ण से जुड़ी विभिन्न कथाओं का वर्णन किया। उन्होंने श्रोताओं को सनातन संस्कृति अपनाने पर जोर देते हुए कहा कि भागवत भगवान की शरण में जाने वालों का जीवन सफल हो जाता है।उन्होंने आगे बताया की श्रीमदभागवत न मंदिर जाने की कथा है और न ही तीर्थस्थान जाने की। यह खुद में मंदिर और तीर्थ स्थापित करने की कथा है। यदि हम स्वयं में सुधार लाए तो जग अपने आप ही सुधर जाएगा।मुख्य यजमान के रुप मे बौड़िया निवासी दिनेश मांझी व उनकी धर्मपत्नी संगम देवी थीं।हवन पूर्णाहुति के पश्चात सभी श्रद्धालुओं के बीच महाप्रसाद का वितरण किया गया।मौके पर समस्त ग्राम वासियों का सहयोग रहा।

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159
बोकारो, रविवार, 22 मार्च, 2026

प्रस्ताव पारित होने की संभावना नहीं

अविश्वास प्रस्ताव ओम बिरला के खिलाफ के जारी एवं गहराती गई शिकायतों को ऑन- रिकॉर्ड लाने की विपक्ष की कोशिश का हिस्सा है। वरना, विपक्ष भी अवगत रहा है कि इस प्रस्ताव के पारित होने की संभावना नहीं है।

संसदीय लोकतंत्र में पीठासीन अधिकारी पर सदन का कोई पक्ष अविश्वास जताए, तो उस पर खेद ही प्रकट किया जा सकता है। लेकिन भारत अभी ऐसे ही अफसोसनाक दौर में है। हाल के वर्षों में विपक्षी दलों में यह शिकायत गहराती चली गई है कि संसद के दोनों सदनों के पीठासीन अधिकारियों के लिए सत्ताधारी दल की प्राथमिकताएं संसदीय मर्यादा से अधिक अहम हो गई हैं। दोनों सदनों में इल्जाम लगाए जा चुके हैं कि पीठासीन अधिकारी सत्ताधारी भारतीय जनता पार्टी के "एजेंट" के रूप में काम कर रहे हैं।

लोकसभा में तो एक मौके पर विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने खुलेआम कहा था कि प्रधानमंत्री और विपक्षी नेताओं से मुलाकात के दौरान स्पीकर ओम बिरला का व्यवहार और हाव-भाव अलग-अलग होता है। तृणमूल कांग्रेस के एक सदस्य ने इल्जाम लगाया था कि बिरला सत्ता पक्ष के सदस्यों को नेहरू युग की घटनाओं का उल्लेख करने की इजाजत देते हैं, लेकिन विपक्ष के सदस्य अगर नोटबंदी जैसी अपेक्षाकृत हालिया घटनाओं का जिक्र करें, तो उसे कार्यवाही से निकाल देते हैं। ऐसे आरोपों की श्रृंखला बहुत लंबी हो चुकी है। बिरला के खिलाफ के विपक्ष के अविश्वास प्रस्ताव को इसी संदर्भ में देखा जाएगा।

इसे जारी एवं गहराती गई शिकायतों को ऑन- रिकॉर्ड लाने की विपक्ष की कोशिश का हिस्सा माना जाएगा। वरना, विपक्षी दल भी वाकिफ रहे हैं कि सदन का गणित उनके पक्ष में नहीं है और इस प्रस्ताव के पारित होने की संभावना नहीं है। प्रस्ताव पर बहस से पहले प्रधानमंत्री और संसदीय कार्य मंत्री ने बिरला का जोरदार बचाव कर स्पष्ट कर दिया कि सत्ता पक्ष मजबूती से उनके हक में खड़ा है। अतः सत्ता पक्ष में इस पर किसी पुनर्विचार की संभावना तक नहीं है कि आखिर विपक्ष इस हद तक क्यों गया और क्या उसकी शिकायतों को दूर करने के लिए कुछ किया जाना चाहिए? नतीजतन, स्पीकर के खिलाफ विपक्ष की आपत्तियां संभवतः यथावत बनी रहेंगी, जिनका साया सदन की आगे की कार्रवाहियों पर पड़ता रहेगा। उस स्थिति में संवाद एवं अधिकतम सहमति निर्माण के मंच के बतौर सदन के आगे भी अपेक्षित भूमिका निभाने की उम्मीद कम ही है।

नीला सोना (जल) : संकट, समाधान और संकल्प

सुनील कुमार महला

प्रतिवर्ष 22 मार्च को 'विश्व जल दिवस' मनाया जाता है। वास्तव में, यह संयुक्त राष्ट्र द्वारा समर्थित एक वैश्विक पहल है, जिसकी शुरुआत वर्ष 1993 से हुई थी। दरअसल, इस दिवस का विचार वर्ष 1992 में रियो-डी-जनेरियो में आयोजित पर्यावरण और विकास पर संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन के दौरान सामने आया था। कहना ग़लत नहीं होगा कि जल पंचमहाभूतों-जल, अग्नि, वायु, पृथ्वी और आकाश में से एक अत्यंत महत्वपूर्ण तत्व है, जिसके बिना जीवन की कल्पना असंभव है।शायद इसी कारण से यह कहा गया है-जल ही जीवन है। यहां पाठकों को बताता चलूं कि सतत विकास(सस्टेनेबल डेवलपमेंट) के 17 लक्ष्यों (एसडीजी) में भी सभी के लिए स्वच्छ पेयजल और स्वच्छता की उपलब्धता को वर्ष 2030 तक सुनिश्चित करने का लक्ष्य रखा गया है।

भारतीय संस्कृति और परंपराएं, प्राचीन सभ्यताओं का विकास तथा धरती पर जल की उपलब्धताः-

भारतीय परंपरा और वेद-शास्त्रों में जल की महत्ता को विशेष रूप से स्वीकार किया गया है। सृष्टि निर्माण में अग्नि के पश्चात जल तत्व का स्थान बताया गया है। रहीम जी का प्रसिद्ध दोहा-रहिमन पानी राखिए, बिन पानी सब सून... , जल के महत्व को सरल शब्दों में स्पष्ट करता है। संस्कृत में भी कहा गया है-जलस्य रक्षणम् अनिवार्यम्, विना जलं सर्वं नश्येत्। इतिहास साक्षी है कि प्राचीन सभ्यताएँ-सिंधु, नील, दजला और फरात आदि नदियों के किनारे ही विकसित हुईं, जो जल के महत्व को रेखांकित करती हैं। पाठक जानते हैं कि हमारी पृथ्वी(नीले ग्रह) का लगभग 70% भाग जल से आच्छादित है, किंतु इसमें से मात्र 3% ही मीठा जल है, और उसका भी अधिकांश भाग जमे हुए या दुर्गम रूप में उपलब्ध है। यही कारण है कि जल संरक्षण आज अत्यंत आवश्यक हो गया है। विश्व जल दिवस का उद्देश्य स्वच्छ जल और स्वच्छता तक पहुंच सुनिश्चित करना, जल के महत्व के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा इस सीमित संसाधन का संरक्षण करना है। यह दिन जल से जुड़े वैश्विक संकटों की ओर ध्यान आकर्षित करने के लिए समर्पित है।

वर्ष 2026 की थीम 'जल और लैंगिक समानता' :-

वर्ष 2024 में 31वाँ विश्व जल दिवस 'शांति के लिए जल' थीम के साथ मनाया गया, जबकि 2025 का विषय 'ग्लेशियर संरक्षण' रखा गया था। उल्लेखनीय है कि ग्लेशियर पेयजल, कृषि, ऊर्जा और पारिस्थितिकी के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। इस साल यानी कि वर्ष 2026 की थीम 'जल और लैंगिक समानता' रखी गई है, जिसका नारा है- जहाँ जल बहता है, वहीं समानता बढ़ती है। वास्तव में, यह थीम इस तथ्य को उजागर करती है कि जल संकट का सबसे अधिक प्रभाव महिलाओं और लड़कियों पर पड़ता है, क्योंकि विश्व में जल

लाने की 80% जिम्मेदारी उन्हीं पर होती है। जिन क्षेत्रों में स्वच्छ जल उपलब्ध होता है, वहाँ लड़कियों की शिक्षा दर में लगभग 15% वृद्धि देखी गई है।

आज विश्व की लगभग 2.2 अरब आबादी सुरक्षित पेयजल से वंचितः-

'वर्चुअल वॉटर' की अवधारणा जल उपयोग की गंभीरता को दर्शाती है। एक उपलब्ध जानकारी के अनुसार एक कप कॉफी के उत्पादन में लगभग 140 लीटर पानी खर्च होता है। वहीं पर, एक स्मार्टफोन के निर्माण में लगभग 12,000 लीटर और एक किलो पनीर बनाने में लगभग 5,000 लीटर पानी लगता है। नवीनतम आंकड़ों (2026) के अनुसार, विश्व की लगभग 2.2 अरब आबादी सुरक्षित पेयजल से वंचित है और 3.5 अरब लोग बुनियादी स्वच्छता से दूर हैं। वैश्विक मीठे जल का 70% उपयोग कृषि में होता है, जबकि असुरक्षित जल के कारण हर वर्ष लगभग 14 लाख लोगों की मृत्यु हो जाती है।

भारत में जल महोत्सव-8 से 22 मार्च तक :-

भारत में 'जल जीवन मिशन' के तहत 8 से 22 मार्च तक 'जल महोत्सव' मनाया जा रहा है, जिसकी टैगलाइन है- गाँव का उत्सव, देश का महोत्सव। साथ ही 'ब्लू पीस', 'स्पंज सिटी', डिजिटल वाटर प्रबंधन और स्मार्ट सेंसर जैसी आधुनिक तकनीकों के माध्यम से जल संरक्षण की दिशा में नए प्रयास किए जा रहे हैं, जिनसे सिंचाई में 40% तक जल बचत का लक्ष्य रखा गया है। राजस्थान के पारंपरिक जल संरचनाएँ जैसे कि टांका और खड़ीन भी जल संरक्षण के प्रभावी मॉडल के रूप में पुनर्जीवित की जा रही हैं। बहरहाल, कहना ग़लत नहीं होगा कि वर्तमान समय में तीव्र शहरीकरण, औद्योगीकरण, अस्थिर कृषि पद्धतियाँ, जलवायु परिवर्तन, अनियमित वर्षा और अत्यधिक जल दोहन जैसे कारकों ने जल संकट को गंभीर बना दिया है। आज जित देखो तित भूजल स्तर लगातार गिर रहा है और प्रदूषण के कारण जल की गुणवत्ता भी प्रभावित हो रही है। झरने, बावड़ियाँ, जोहड़ और टांका जैसे पारंपरिक जल स्रोत उपेक्षा का शिकार हो रहे हैं, जिनके संरक्षण की तत्काल आवश्यकता है। भारत विश्व की 18% आबादी का पोषण करता है, जबकि उसके पास मात्र 4% जल संसाधन हैं। पिछले 40 वर्षों में वैश्विक जल उपयोग लगभग 1% प्रतिवर्ष की दर से बढ़ा है। अनुमान है कि 2050 तक जल संकट से प्रभावित शहरी आबादी 1.7 से 2.4 अरब तक पहुँच सकती है। भारत भी इससे अछूता नहीं रहेगा। पाठकों को बताता चलूं कि केंद्रीय भूजल रिपोर्ट (2024) के अनुसार, देश के 440 जिलों में भूजल में नाइट्रेट की मात्रा अधिक पाई गई है, जो 2017 में 359 जिलों में थी। 15,239 नमूनों में से 19.8% में नाइट्रेट सुरक्षित सीमा (45 मिलीग्राम/लीटर) से अधिक पाया गया है। राजस्थान (49%), कर्नाटक (48%) और तमिलनाडु (37%) में यह समस्या अधिक गंभीर है। देश में भूजल निष्कर्षण की दर 60.4% तक पहुँच चुकी है, जो चिंताजनक है। अतः इन परिस्थितियों में जल संरक्षण अत्यंत आवश्यक हो गया है। छोटे-छोटे प्रयास-जैसे नल बंद रखना, वर्षा जल संचयन, जल स्रोतों का संरक्षण-हजारों-लाखों लीटर पानी बचा सकते हैं। आज जल का अंधाधुंध व असीमित दोहन किया जा रहा है,इस क्रम में यहां महात्मा गांधी का कथन भी प्रासंगिक है- प्रकृति सबकी आवश्यकताएँ पूरी कर सकती है, लेकिन किसी एक के लालच को नहीं।

अंततः, यह स्पष्ट है कि जल के बिना न तो जीवन संभव है, न ही सतत विकास। यदि समय रहते हम जल संरक्षण के प्रति सजग नहीं हुए, तो आने वाली पीढ़ियों के लिए संकट और गहरा होगा। भारतीय संस्कृति में नदियों को माँ का दर्जा दिया गया है-गंगा, यमुना, नर्मदा, कावेरी-जो जल के प्रति हमारी श्रद्धा को दर्शाता है। इसलिए यह बहुत ही आवश्यक व जरूरी है कि हम जल को संरक्षित करें,इसे प्रदूषण से बचाएँ और इसके महत्व को समझें, क्योंकि सच यही है-जल है तो कल है।

(सुनील कुमार महला, फ्रीलांस राइटर, कॉलमिस्ट व युवा साहित्यकार, पिथौरागढ़, उत्तराखंड।)

विकास की अंधी दौड़ में कहीं प्यासी न रह जाएं हमारी आने वाली पीढ़ियां

दिलीप कुमार पाठक

विश्व जल दिवस यह कैलेंडर की कोई साधारण तारीख नहीं है, बल्कि हमारे वजूद की सबसे बुनियादी सच्चाई से रूबरू होने का एक गंभीर अवसर है। सुबह की पहली चाय की महक से लेकर रात को सुकून की नींद से पहले पिए गए पानी के उस आखिरी ठंडे घूँट तक, जल हमारे जीवन के हर कतरे और हमारी हर कोशिका में समाया हुआ है। जरा ठहरकर सोचिए, उस जल के बिना हमारा क्या वजूद रह जाएगा? वह जल जो प्यासे कंठ को तृप्ति देता है, तपती धरती की सदियों पुरानी प्यास बुझाता है और एक नन्ही सी कोपल को विशाल वृक्ष बनने का हौसला और पोषण देता है। हम अक्सर इसे महज एक संसाधन कह देते हैं, पर सच तो यह है कि यह एक पवित्र रिश्ता है, प्रकृति का हमसे और हमारा उन मासूम पीढ़ियों से, जिन्हें अभी इस दुनिया में कदम रखना है। बचपन की वे यादें आज भी दिल के किसी कोने में ताजा हैं, जब बारिश की पहली बूंद सूखी मिट्टी पर गिरती थी और एक सोंधी सी खुशबू पूरे घर के आँगन और रूह को महका देती थी। वह खुशबू दरअसल जीवन के मुस्कुराने की पहली आहट थी, जो हमें बताती थी कि कुदरत अभी हमसे रूठी नहीं है। लेकिन आज जब हम कंक्रीट के गगनचुंबी जंगलों में कैद होकर विकास का जश्न मना रहे हैं, तो यह कड़वी सच्चाई भूल जाते हैं कि हमने तरक्की की इस अंधी दौड़ में उन मासूम घरों को उजाड़ दिया है जहाँ कभी पानी खिलखिलाता था। ऊँची इमारतों की चकाचौंध और चमकते हुए डामर के रास्तों ने धरती की कोख पर ऐसी चादर बिछा दी है कि बादलों के आँसू अब पाताल के कलेजे तक पहुँच ही नहीं पाते।

वह समय अब एक धुंधला याद बनता जा रहा है जब गांव के कुएं, बावड़ियाँ और शहरों के तालाब समाज की सामूहिक पूंजी हुआ करते थे। हमने अपनी सुख-सुविधाओं के लिए इन प्राकृतिक बसेरों को पाट दिया और ऊपर कंक्रीट के ढांचे खड़े कर दिए। अगर हम अपना सूक्ष्म मूल्यांकन करें, तो पाएंगे कि हम उस अमृत के गुनहगार हैं जिसे हमने प्रदूषण और रसायनों से ज़हरीला बना दिया है। आज हमारी नदियाँ, जो कभी सभ्यताओं की जननी हुआ करती थीं, उद्योगों का कचरा और शहर की गंदगी ढोने वाली बेजान नहरें बनकर रह गई हैं। भू-जल का बेहिसाब दोहन पाताल को खाली कर रहा है और हम बोतलों में बंद पानी खरीदकर खुद को सुरक्षित समझने के भ्रम में जी रहे हैं। यह संकट केवल सूखे हुए हैंडपंपों का नहीं है, बल्कि हमारी मरती हुई मानवीय संवेदनाओं का है। नीति आयोग और दुनिया भर की संस्थाएं बार-बार डे ज़ीरो की भयावह चेतावनी दे रही हैं, पर हम अपने घरों के खुलते नलों और वाशिंग मशीनों के शोर में उन चीखों को अनसुना कर रहे हैं। ज़रा सोचिए, क्या हम वास्तव में अपने बच्चों को विरासत में केवल प्यास और सूखी नदियाँ देना चाहते हैं? तकनीक के इस युग में हमें यह समझना होगा कि दुनिया की कोई भी प्रयोगशाला आज तक पानी की एक बूंद भी पैदा नहीं कर सकी है। यह केवल कुदरत का वह जादुई उपहार है जिसे हम मुफ्त समझकर लुटा रहे हैं।

वह किसान जो फटी आँखों से बादलों की ओर टकटकी लगाए बैठा है, वह मां जो कोसों दूर से मटका सिर पर रखकर पानी लाती है, और वह पंछी जो सूखे ताल पर प्यास से छटपटा रहा है, इन सबकी पुकार अब हमारे कानों तक पहुँचनी ही चाहिए। जल संरक्षण अब कोई सरकारी योजना नहीं, बल्कि एक नागरिक धर्म होना चाहिए। वर्षा जल संचयन को अब शौकिया नहीं, बल्कि अनिवार्य बनाना होगा ताकि हम धरती के उस पुनर्भरण की क्षमता को फिर से जीवित कर सकें जिसे हमने छीन लिया है। एक टपकता हुआ नल केवल पानी की बर्बादी नहीं, बल्कि हमारे भविष्य की चोरी है। हमें अपनी जीवनशैली

के उस हर हिस्से को बदलना होगा जहाँ हम पानी को बेशर्मी से बहाते हैं। जल ही वह अंतिम धागा है जिसने पूरी सृष्टि को एक माला में पिरोया हुआ है, और इस धागे को बचाना ही अब हमारा एकमात्र मकसद होना चाहिए। विकास की ऊँची उड़ान भरते हुए हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि जिस दिन जल का स्रोत मौन हो जाएगा, उस दिन हमारी तरक्की का सारा संगीत भी हमेशा के लिए थम जाएगा। आइए, आज इस विश्व जल दिवस पर हम दिखावे के संकल्पों से ऊपर उठकर, अपने स्वभाव में पानी का सम्मान करना शुरू करें। यह धरती हमारी नहीं, बल्कि हमारे बच्चों की अमानत है जिसे हमें सुरक्षित लौटाना है। याद रखिए, प्यास का कोई विकल्प नहीं होता और जब धरती की कोख से नमी पूरी तरह खत्म हो जाएगी, तब हमारे पास पछताने के लिए पानी भी नहीं बचेगा। वक्त तेजी से फिसल रहा है, और पानी भी—फैसला हमें करना है कि हम बूंदों को बचाएंगे या उन्हें केवल यादों में छोड़ जाएंगे।

(लेखक पत्रकार हैं)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

जल और लिंग : असमानता के बीच जीवन की जंग

योगेश कुमार गोयल

- हर बूंद की पुकारः जल संरक्षण ही समाधान

जल संकट दुनिया के लगभग सभी देशों की एक विकट समस्या बन चुका है। हालांकि पृथ्वी का करीब तीन चौथाई हिस्सा पानी से लबालब है लेकिन धरती पर मौजूद पानी के विशाल स्रोत में से महज एक-डेढ़ फीसदी पानी ही ऐसा है, जिसका उपयोग पेयजल या दैनिक क्रियाकलापों के लिए किया जाना संभव है। इसीलिए जल संरक्षण और रखरखाव को लेकर दुनियाभर में लोगों में जागरूकता फैलाने के लिए प्रतिवर्ष 22 मार्च को 'विश्व जल दिवस' मनाया जाता है। यह दिवस मनाए जाने की घोषणा संयुक्त राष्ट्र द्वारा वर्ष 1992 में रियो द जेनेरियो में आयोजित 'पर्यावरण तथा विकास का संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन' (यूएनसीईडी) में की गई थी।

संयुक्त राष्ट्र की उसी घोषणा के बाद पहला विश्व जल दिवस 22 मार्च 1993 को मनाया गया था। सही मायनों में यह दिन जल के महत्व को जानने, समय रहते जल संरक्षण को लेकर सचेत होने तथा पानी बचाने का संकल्प लेने का दिन है। विश्व जल दिवस 2026 की थीम है 'जल और लिंग' (Water and Gender)। यह थीम लिंग और जल तक पहुंच के बीच के महत्वपूर्ण और प्रायः असमान संबंध को उजागर करती है तथा साथ ही इस बात पर भी जोर देती है कि वैश्विक जल संकट का सबसे अधिक बोझ महिलाओं और लड़कियों पर पड़ता है और उन्हें नेतृत्व एवं निर्णय लेने में शामिल किया जाना चाहिए। जल प्रबंधन एक लैंगिक मुद्दा है, जिसमें महिलाएं और लड़कियां अक्सर पानी इकट्ठा करने के लिए जिम्मेदार होती हैं और स्वच्छता सुविधाओं तक उनकी पहुंच सीमित होती है।

दुनियाभर में इस समय करीब दो अरब लोग ऐसे हैं, जिन्हें स्वच्छ पेयजल उपलब्ध नहीं हो रहा और साफ पेयजल उपलब्ध नहीं होने के कारण लाखों लोग बीमार होकर असमय काल का ग्रास बन जाते हैं। 'इंटरनेशनल एटोमिक एनर्जी एजेंसी' का कहना है कि पृथ्वी पर उपलब्ध पानी की कुल मात्रा में से मात्र तीन प्रतिशत पानी ही स्वच्छ बचा है और उसमें से भी करीब दो प्रतिशत पानी पहाड़ों व ध्रुवों पर बर्फ के रूप में जमा है जबकि शेष एक प्रतिशत पानी का उपयोग ही पेयजल, सिंचाई, कृषि तथा उद्योगों के लिए किया जाता है। बाकी पानी खारा होने अथवा अन्य कारणों की वजह से उपयोगी अथवा जीवनदायी नहीं है। पृथ्वी पर उपलब्ध पानी में से इस एक प्रतिशत पानी में से भी करीब 95 फीसदी पानी भूमिगत जल के रूप में पृथ्वी की निचली परतों में उपलब्ध है और बाकी पानी पृथ्वी पर सतही जल के रूप में तालाबों, झीलों, नदियों अथवा नहरों में तथा मिट्टी में नमी के रूप में उपलब्ध है।

स्पष्ट है कि पानी की हमारी अधिकांश आवश्यकताओं की पूर्ति भूमिगत जल से ही होती है लेकिन इस भूमिगत जल की मात्रा भी इतनी नहीं है कि इससे लोगों की आवश्यकताएं पूरी हो सकें। वैसे भी जनसंख्या की रफ्तार तो तेजी से बढ़ रही है किन्तु भूमिगत जलस्तर बढ़ने के बजाय घट रहा है, ऐसे में पानी की कमी का संकट तो गहराना ही है। एक रिपोर्ट के मुताबिक इस समय दुनियाभर में करीब तीन बिलियन लोगों के समक्ष पानी की समस्या मुंह बाये खड़ी है और विकासशील देशों में तो यह समस्या कुछ ज्यादा ही विकराल हो रही है, जहां करीब 95 फीसदी लोग इस समस्या को झेल रहे हैं।

विश्वभर में तेजी से उभरती पानी की कमी की समस्या भविष्य में खतरनाक रूप धारण कर सकती है, इसीलिए अधिकांश विशेषज्ञ आशंका जताने लगे हैं कि जिस प्रकार तेल के लिए खाड़ी युद्ध होते रहे हैं, जल संकट बरकरार रहने या और बढ़ते जाने के कारण आने वाले वर्षों में पानी के लिए भी विभिन्न देशों के बीच युद्ध लड़े जाएंगे और हो सकता है कि अगला विश्व युद्ध भी पानी के मुद्दे को लेकर ही लड़ा जाए।

संयुक्त राष्ट्र के पूर्व महासचिव कोफी अन्नान भी पूरी दुनिया को चेता चुके हैं कि उन्हें इस बात का डर है कि आगामी वर्षों में पानी की कमी गंभीर संघर्ष का कारण बन सकती है। इसीलिए यह समय की सबसे बड़ी मांग है कि दुनियाभर में लोग बेशकीमती पानी की महत्ता को समय रहते समझें और इसके संरक्षण हर स्तर पर अपना योगदान दें। दरअसल पानी का अंधाधुंध दोहन करने के साथ-साथ हमने नदी, तालाबों, झरनों इत्यादि अपने पारम्परिक जलस्रोतों को भी दूषित करने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। कहा जाता रहा है कि भारत ऐसा देश है, जिसकी गोद में कभी हजारों नदियां खेलती थी लेकिन आज इन हजारों नदियों में से सैकड़ों ही शेष बची हैं और वे भी अच्छी हालत में नहीं हैं। हर गांव-मौहल्ले में कुएं और तालाब हुआ करते थे, जो अब पूरी तरह गायब हो गए हैं।

महत्वपूर्ण प्रश्न यही है कि पृथ्वी की सतह पर उपयोग में आने लायक पानी की मात्रा वैसे ही बहुत कम है और यदि भूमिगत जल स्तर भी निरन्तर गिर रहा है तो हमारी पानी की आवश्यकताएं कैसे पूरी होंगी? इसके लिए हमें वर्षा के पानी पर आश्रित रहना पड़ता है किन्तु वर्षा के पानी का भी सही तरीके से संग्रहण नहीं हो पाने के कारण ही इसका भी समुचित उपयोग नहीं हो पाता।

वर्षा के पानी का करीब 15 फीसद वाष्प के रूप में उड़ जाता है और करीब 40 फीसद पानी नदियों में बह जाता है जबकि शेष पानी जमीन द्वारा सोख लिया जाता है, जिससे थोड़ा बहुत भूमिगत जल स्तर बढ़ता है और मिट्टी में नमी की मात्रा में कुछ बढ़ोतरी होती है। इसलिए यदि हम वर्षा के पानी का संरक्षण किए जाने की ओर खास ध्यान दें तो व्यर्थ बहकर नदियों में जाने वाले पानी का संरक्षण कर उससे पानी की कमी की पूर्ति आसानी से की जा सकती है और इस तरह जल संकट से काफी हद तक निपटा जा सकता है।

पानी को मानव की मूलभूत आवश्यकता, अमूल्य राष्ट्रीय धरोहर व अति विशिष्ट प्राकृतिक संसाधन मानते हुए 1987 में जल संसाधनों के नियोजन एवं विकास के लिए 'राष्ट्रीय जल नीति' घोषित की गई थी। इसके क्रियान्वयन के मामले में और तेजी लाने की जरूरत है। राष्ट्रीय जल नीति की घोषणा करते समय कहा गया था कि देश में उपलब्ध जल संसाधनों के विकास, संरक्षण, समुचित उपयोग एवं प्रबंधन के लिए सभी आवश्यक उपाय किए जाएंगे और जरूरी कदम उठाए जाएंगे।

आज का राशिफल

मेष राशिः कार्यक्षेत्र में आज आपको काफी हद तक सफलता हासिल होगी। आज का दिन कुछ मिले-जुले प्रभाव वाला रहने वाला है। कुछ समय से चल रही किसी उलझन से आज राहत मिलेगी। आध्यात्मिक और धार्मिक गतिविधियों में कुछ समय बिताना आपको पॉजिटिव बनाएगा।

वृष राशिः आज का दिन फायदेमंद रहने वाला है। आज आपको पहले किये गये छोटे-मोटे कार्यों से पॉजीटिव रिजल्ट मिलेगा। आज आप जीवन की वास्तविकता को समझेंगे। आज किसी भी विपरीत परिस्थिति में अपना मनोबल बनाए रखेंगे।

मिथुन राशिः आज का दिन ठीक-ठाक रहने वाला है। आज का दिन पारिवारिक रख रखाव तथा सुधार संबंधी कार्यों में बीतेगा। सभी सदस्य आपस में बैठकर एक दूसरे से अपने विचार साझा करेंगे। किसी विशेष काम के प्रति किए गए प्रयासों के लिए उचित परिणाम मिलने के योग हैं।

कर्क राशिः आज करियर के मामले में खुशखबरी मिलेगी। जो लोग राजनीति से जुड़े हैं उन्हे पुराने किये गये कार्यों में वाहवाही मिलेगी। सफलतायें छोटी ही सही लेकिन निरंतर बनी रहेंगी। आज अपने स्वास्थ्य के प्रति सजग रहना आपको शारीरिक और मानसिक रूप से ऊर्जावान बनाकर रखेगा।

सिंह राशिः आज किस्मत का पूरा साथ मिलेगा। आज दोस्तों के साथ फोन पर बात कर के समय बितायेंगे। आज आपके व्यवसाय में स्थिति पहले जैसी ही रहेगी। किसी बाहरी व्यक्ति की वजह से आज आपको अच्छा लाभ होगा।

कन्या राशिः आज आपका पूरा ध्यान अपने कार्यों को पूरा करने में रहेगा। आज घर पर किसी चीज की मरम्मत करानी पड़ेगी। आज कुछ समय एकांत में बिताएंगे। आज आपको निर्णय लेने में किसी अनुभवी व्यक्ति की सहायता मिलेगी। आज कार्यों में आपको परिवारजनों का सहयोग मिलेगा।

तुला राशिः आज का दिन मिला-जुला रहने वाला है। पिता अपके बिजनेस में आपका सहयोग करेंगे। आज मन मुताबिक काम बनने से आपका मन प्रसन्न रहेगा। इस राशि के युवाओं को आज रोजगार संबंधी अवसर मिलेंगे। फाइनेंस संबंधी गतिविधियों में किए गए प्रयासों के आज उचित परिणाम सामने आएंगे। लोग आपकी प्रशंसा करेंगे, जिसे आप हमेशा से सुनना चाहते थे। मां शैलपुत्री को फूल अर्पित करें, घर में शांति बनी रहेगी।

वृश्चिक राशिः आज का दिन बढ़िया रहने वाला है। शाम को जीवनसाथी के साथ अच्छा समय बीतेगा। आज आपकी कार्यप्रणाली में सुधार आएगा। काम की प्रगति के कुछ महत्वपूर्ण अवसर मिल सकते हैं। आज सरकारी कार्यों में को पूरा करने में आपको किसी प्रभावशाली इंसान की भी मदद मिलेगी। आज ऑफिस में मन मुताबिक जिम्मेदारियां भी मिलेंगी। आज बच्चे किसी जरूरी काम में अपनी माता की मदद मागेंगे, जिससे उनके काम पूरे होंगे। मां शैलपुत्री के आगे हाथ जोडें, रूके हुए काम पूरे होंगे।

धनु राशिः आज कार्यक्षेत्र में आपके सहकर्मी और सीनियर आपकी परफॉरमेंस से खुश रहेंगे, आपकी तारीफ करेंगे। आज अनुभवी लोगों के सानिध्य में रहने का अवसर मिलेगा। कई सकारात्मक पहलुओं की जानकारी भी मिलेगी। आर्थिक स्थिति को बेहतर बनाने के लिये आपका प्रयास सफल होगा। प्रॉपर्टी से संबंधित काम संपन्न होगा। बच्चे आज आपके साथ खेलने की जिद्द करेंगे।

मकर राशिः आज आप खुद को बदली हुई भूमिका में महसूस करेंगे। आज आपकी दैनिक आय पहले से बेहतर होगी। अपने कॉन्टैक्ट मजबूत रखें। किसी भी नए काम को शुरू करने में जल्दबाजी न करें। इस राशि के युवाओं को करियर संबंधी शुभ समाचार मिलने के योग हैं। आज आपको पदोन्नति के अवसर प्राप्त होंगे।

कुंभ राशिः आज का दिन शानदार रहने वाला है। कॉस्मेटिक का व्यापार कर रहे लोगों को आज बड़ा मुनाफा होगा। आज आपका रिश्तों के प्रति आदर-सम्मान करना आपसी रिश्ते को और अधिक मजबूत करेगा। आज बच्चों के समक्ष आप श्रेष्ठ अभिभावक साबित होंगे। अपने कार्यों से संबंधित नीतियों पर सोच-विचार करने से आप सकारात्मक परिणाम हासिल करेंगे।

मीन राशिः आज का दिन खुशियां लेकर आया है। बिजनेस में बड़ी सफलता हाथ लग सकती है। आज सामाजिक गतिविधियों में आपका विशेष योगदान रहेगा । मित्रों तथा रिश्तेदारों के साथ मेल-जोल बढ़ेगा। आपके व्यक्तित्व और आत्मविश्वास में निखार आएगा। जीवनसाथी आज आपको प्रसन्न होने की वजह देंगे। मां दुर्गा को नारियल अर्पित करें, जीवन में चल रही परेशानियां खत्म होंगी।

'पुष्पेश पब्लिकेशन', श्रीकृष्णापुरी, चास, बोकारो-827013 के लिए स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक **पूर्णेन्दु 'पुष्पेश'** द्वारा प्रकाशित तथा 'गोपीन्दु इंटरप्राइजेज' प्रेस, चास, बोकारो में मुद्रित। पंजीकृत कार्यालय- गोपीन्दु भवन, श्रीकृष्णापुरी, चास, बोकारो-827013. झारखंड। रांची कार्यालय- 93, मेजर कोठी, इटकी रोड, हेहल, झारखंड।

संपादक: Purnendu 'Pusshpesh'*; प्रबंध संपादक: **राजेश मोहन सहाय**; धनबाद ब्यूरोचीफ: **राजीव रंजन**। बिहार प्रभारी: **संतोष श्रीवास्तव**. Mob: 9288319159; Website : www.rashtriyamukhyadhara.com *समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। ० यहाँ प्रकाशित आलेखों में व्यक्त सत्य, तथ्य और विचार लेखकों के सर्वथा निजी हैं।

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159

संक्षिप्त समाचार

ऑरी की गेंदबाजी पर ईशान किशन नहीं खेल पाए शॉर्ट, मैच प्रैक्टिस करते वीडियो किया शेयर

पटना। 28 मार्च से आईपीएल 2026 की शुरुआत हो रही है। इसमें बिहार के कई खिलाड़ी नजर आने वाले हैं। सनराइजर्स हैदराबाद के कप्तान ईशान किशन अपने मैच के लिए जमकर प्रैक्टिस कर रहे हैं।

इस बीच उनका एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें वे सेलिब्रिटी ऑरी के साथ क्रिकेट के लिए प्रैक्टिस करते हुए नजर आ रहे हैं। वह बैटिंग कर रहे हैं और ऑरी गेंदबाजी कर रहे हैं। ऑरी ऐसा बॉल फेंकते हैं कि ईशान शॉट नहीं मार पाते हैं। इस बीच एक शख्स जाकर उनके कानों में कुछ कहता है, जिसके बाद वह एक शानदार शॉट मारते हैं और ऑरी अपना सर पकड़कर बैठ जाते हैं। इससे पहले ऑरी ने ईशान किशन के साथ एक फनी रील शेयर की थी। इसे शेयर करते हुए ऑरी ने कैप्शन में लिखा- 'वर्ल्ड कप चैंपियन है तो फ्री में फोटो लेगा।' ईशान ने भी कमेंट में लिखा है 'नो'। दरअसल, इस वीडियो में ईशान किशन गेंद को हाथ में पकड़े नजर आ रहे हैं। ऑरी उनसे रिक्वेस्ट करते हुए कहते हैं 'एक्सक्यूज मी, जब मैं आपके साइड से गुजरूं तो क्या आप मुझसे फोटो मांग सकते है।' ईशान किशन बोलते हैं- क्यों नहीं। जब ऑरी वीडियो बनाते हुए जाते हैं, तो क्रिकेटर उनसे फोटो मांगते हैं, लेकिन ऑरी मना कर देते हैं।

ईद को लेकर मस्जिदों के पास पुलिस तैनात, पेट्रोलिंग टीम, क्विक रिस्पांस टीम और मोबाइल पेट्रोलिंग पार्टियां एक्टिव

हाजीपुर। वैशाली पुलिस ने ईद-उल-फितर पर्व के शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण आयोजन के लिए व्यापक सुरक्षा व्यवस्था की है। जिले की सभी मस्जिदों, ईदगाहों और अन्य नमाज स्थलों पर पर्याप्त संख्या में सशस्त्र पुलिस बल, महिला पुलिस बल और दंडाधिकारियों को तैनात किया गया है। तैनात सभी पुलिस अधिकारी और कर्मी अपने-अपने निर्धारित स्थलों पर पूरी मुस्तैदी, सतर्कता और अनुशासन के साथ ड्यूटी कर रहे हैं। संवेदनशील और अतिसंवेदनशील स्थानों की पहचान कर वहां अतिरिक्त बल तैनात किया गया है, जहां लगातार निगरानी रखी जा रही है। कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए जिले में गश्ती दल, क्विक रिस्पांस टीम (QRT) और मोबाइल पेट्रोलिंग पार्टियां सक्रिय हैं। सीसीटीवी कैमरों और अन्य तकनीकी माध्यमों से भी निगरानी की जा रही है, ताकि किसी भी संदिग्ध गतिविधि पर तुरंत कार्रवाई हो सके। वरिष्ठ पुलिस अधिकारी लगातार क्षेत्र का दौरा कर स्थिति का जायजा ले रहे हैं और तैनात दंडाधिकारियों व पुलिस अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दे रहे हैं। नियंत्रण कक्ष (कंट्रोल रूम) भी सक्रिय है, जहां से पूरे जिले की स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है।

ट्रक ने स्कूटी सवार मां-बेटी को रौंदा, मां की मौत, बेटी गंभीर घायल, पीएमसीएच रेफर, ड्राइवर मौके से भागा

हाजीपुर। हाजीपुर सदर थाना क्षेत्र के रामाशीष चौक के पास एक अनियंत्रित ट्रक ने स्कूटी सवार मां-बेटी को कुचल दिया। इस हादसे में मां की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि बेटी गंभीर रूप से घायल हो गई। मृतक महिला की पहचान सदर थाना क्षेत्र के धोवघटी निवासी गंगासागर राय की पत्नी फूलन देवी के रूप में हुई है। हादसे में घायल उनकी बेटी तन्नू कुमारी को सदर अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए पीएमसीएच रेफर कर दिया गया। हादसे के बाद ट्रक चालक वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गया। सूचना मिलने पर यातायात थाने की पुलिस ने ट्रक को जब्त कर लिया है। जानकारी के अनुसार, मां और बेटी स्कूटी पर सवार होकर किसी काम से हाजीपुर आ रही थीं। रामाशीष चौक के निकट पहुंचते ही एक तेज रफ्तार ट्रक ने उन्हें टक्कर मार दी। घटना की सूचना मिलते ही राहगीर और आसपास के लोग मौके पर जमा हो गए। यातायात थाने की पुलिस ने तुरंत मौके पर पहुंचकर मां-बेटी को इलाज के लिए सदर अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने महिला को मृत घोषित कर दिया। मृतक के परिजनों ने बताया कि वे किसी काम से हाजीपुर जा रही थीं। घटना की जानकारी परिजनों द्वारा स्थानीय थाने को दी गई, जिसके बाद पुलिस ने सदर अस्पताल पहुंचकर मामले की जानकारी ली।

मोकामा टाल में बिजली गिरने से 8 घायल, फसल कटाई में ट्रैक्टर पर हुआ हादसा, सभी घर लौट रहे थे

पटना। मोकामा टाल में वज्रपात से आठ मजदूर घायल हो गए। यह घटना घोसवरी थाना क्षेत्र के बबूराही टाल में हुई। सभी घायलों को मोकामा रेफरल अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज चल रहा है। यह हादसा फसल कटाई के दौरान हुआ। मौसम अचानक खराब होने लगा, जिसके बाद मजदूर ट्रैक्टर से अपने घर लौट रहे थे। इसी दौरान ट्रैक्टर पर वज्रपात हो गया, जिससे उस पर सवार सभी मजदूर घायल हो गए। घायलों में महिलाएं और बच्चे भी शामिल हैं। उन्हें तुरंत किसान द्वारा मोकामा ट्रामा सेंटर लाया गया। डॉक्टरों के अनुसार, सभी घायलों की हालत फिलहाल स्थिर बताई जा रही है और उनका उपचार जारी है। ये मजदूर बिहार के विभिन्न जिलों जैसे मधेपुरा, खगड़िया और सहरसा से मोकामा टाल में फसल काटने आते हैं। वे हर साल लगभग एक महीने तक यहां रहकर फसल कटाई का काम करते हैं और फिर अपने गृह जिलों को लौट जाते हैं। घायल ने बताया कि फसल काटने के बाद वह ट्रैक्टर पर फसल लोड कर रस्सा से बांध रहे थे। इसी दौरान अचानक बारिश होने लगी। आनन-फानन में सभी मजदूर रस्सा बांधकर ट्रैक्टर पर सवार हो गए। अचानक ट्रैक्टर पर बिजली गिरी, जिससे कुछ लोग बेहोश हो गए। टेलर पर रखी फसल में आग लग गई, मजदूरों को होश आने के बाद आग को बुझाया गया।

पटना जंक्शन के बाहर चलते-चलते गिरा शख्स, मौत, बॉडी की नहीं हो पाई पहचान

पटना। पटना जंक्शन से सटे करबिगहिया इलाके में शनिवार सुबह एक अज्ञात शख्स की संदिग्ध हालात में मौत हो गई। वह चलते-चलते अचानक गिर गया। कुछ देर तक तड़पता रहा और फिर मौके पर ही दम तोड़ दिया। सुबह करीब 6:45 बजे जक्कनपुर थाना को इस घटना की सूचना मिली, जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। घटना से जुड़े CCTV फुटेज में दिख रहा है कि शख्स रेलवे हॉस्पिटल पटना की ओर से पैदल चलता हुआ आया और करबिगहिया के पास बैठ गया। कुछ देर बाद वह तड़पने लगा और फिर अचेत हो गया। शख्स को इस हालत में देखकर एक राहगीर ने स्टेशन काउंटर पर सूचना दी। इसके बाद मामला RPF तक पहुंचा। RPF जवान और मेडिकल टीम मौके पर पहुंची, लेकिन तब तक शख्स की मौत हो चुकी थी। मृतक के पास से किसी तरह की पहचान से संबंधित डॉक्यूमेंट नहीं मिले हैं, जिसके चलते पहचान नहीं हो पा रही है। इससे मामला और भी रहस्यमय बन गया है। पुलिस बॉडी की पहचान करने की कोशिश में जुटी है। जक्कनपुर थानेदार ऋतुराज कुमार सिंह ने बताया कि, राहगीर के द्वारा ही तबियत खराब होने की जानकारी दी गई थी। घटना स्थल सुरक्षित कर के FSL से जांच करा ली गई है। UD केस दर्ज कर के शव को पोस्टमार्टम के लिए PMCH भेजा गया है। शव की पहचान कराई जा रही है।' पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के असली कारणों का खुलासा हो सकेगा।

तेज आंधी-पानी से फसलों को भारी नुकसान, वज्रपात से 2 की मौत

एजेंसी, पटना

बिहार में शुक्रवार देर रात तेज आंधी-पानी के साथ वज्रपात से 02 लोगों की मौत हो गई और फसलों को भारी नुकसान पहुंचा है। पटना सहित राज्य के 13 जिलों में हुई आंधी-बारिश से फसलों को बहुत नुकसान हुआ है। इस दौरान आकाशीय बिजली गिरने से गयाजी में 02 लोगों की मौत हो गई। देर रात राज्य के कई जिलों में भारी बारिश दर्ज की गई। आंधी, बारिश और ओलावृष्टि का सबसे ज्यादा असर किसानों पर पड़ा है। गेहूं की फसल को भारी नुकसान पहुंचा है। पटना के बाढ़ इलाके में ताड़ के पेड़ पर आकाशीय बिजली गिरने से आग लग गई, हालांकि इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ।

वहीं, गया जिले के वजीरगंज और डुमरिया में वज्रपात की चपेट में आने से दो लोगों की मौत हो गई। मृतकों की पहचान वजीरगंज के कोल्हना गांव निवासी मनोज सिंह (50) और डुमरिया के छकरबंधा थाना क्षेत्र निवासी महेंद्र यादव (55) के रूप में हुई है।

मौसम विभाग ने स्थिति को गंभीर मानते हुए गोपालगंज, सारण ,सीवान, वैशाली, बेगूसराय, जहानाबाद, लखीसराय, नालंदा, नवादा,पटना और शेखपुरा जिले के कुछ भागों में अगले दो से तीन घंटों में मध्यम दर्जे की मेघ गर्जना , वज्रपात तथा वर्षा के साथ 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चलने को लेकर अलर्ट जारी किया है। राज्य के अन्य जिलों में भी 40-50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने और बिजली गिरने की चेतावनी दी गई है।

मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार इस बदलाव के पीछे बंगाल की खाड़ी से आ रही नमी और सक्रिय ट्रफ लाइन मुख्य कारण हैं। दिन में बढ़ती गर्मी के कारण वातावरण में अस्थिरता बढ़ रही है, जिससे आंधी-बारिश की स्थिति बन रही है। पिछले 24 घंटों के दौरान सुबह जहां मौसम सामान्य और धूप वाला रहा, वहीं शाम होते-होते तेज आंधी और बारिश ने मौसम को सुहावना बना दिया।

कैमूर में अधिकतम तापमान 36.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि 18 डिग्री सेल्सियस के साथ राजगीर सबसे ठंडा रहा। मौसम विभाग के मुताबिक 21 मार्च को राज्य के अधिकतर हिस्सों में मौसम सक्रिय रहेगा। हालांकि 22 मार्च के बाद मौसम में धीरे-धीरे सुधार होने की संभावना है।

2020 दिल्ली दंगे के आरोपी शरजील को मिला पेरोल

एजेंसी, पटना

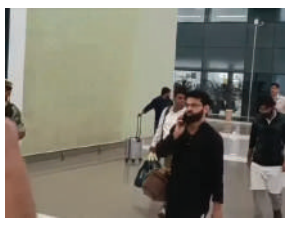

❐ भाई की शादी में शामिल होने पटना पहुंचा, 30 मार्च करना होगा सरेंडर

दिल्ली दंगे के आरोपी शरजील इमाम करीब 6 साल बाद जेल से बाहर आकर पटना पहुंचे हैं। कोर्ट ने उन्हें 20 मार्च से 30 मार्च तक 10 दिनों के पेरोल की अनुमति दी है। इस दौरान वे अपने छोटे भाई की शादी में शामिल होंगे। जानकारी के अनुसार, शरजील इमाम पटना पहुंचने के बाद सीधे जहानाबाद के लिए रवाना हो गए, जहां उनका पैतृक घर है। उनके छोटे भाई मुजम्मिल इमाम की शादी 25 मार्च को तय है। इसी पारिवारिक कार्यक्रम में शामिल होने के लिए उन्होंने कोर्ट से पेरोल की मांग की थी, जिसे मंजूरी मिल गई।

मां की तबीयत भी बनी वजहः पेरोल दिए जाने की एक वजह उनकी मां की खराब सेहत भी बताई जा रही है। परिवार ने कोर्ट से आग्रह किया था कि शादी और पारिवारिक परिस्थितियों को देखते हुए उन्हें अस्थायी राहत दी जाए। कोर्ट ने इन मानवीय आधारों पर 10 दिन की पेरोल स्वीकृत की। कोर्ट के आदेश के अनुसार, शरजील इमाम को 30 मार्च तक वापस जेल में सरेंडर करना होगा। फिलहाल वे पैरोल की शर्तों के तहत अपने परिवार के साथ समय बिता रहे हैं और शादी की तैयारियों में शामिल होंगे। पेरोल मिलने के बाद उनके छोटे भाई मुजम्मिल इमाम ने कोर्ट का धन्यवाद किया है। उन्होंने कहा कि परिवार के लिए यह समय महत्वपूर्ण है और इस फैसले से उन्हें बड़ी राहत मिली है। गौरतलब है कि शरजील इमाम का नाम 2020 दिल्ली दंगे के मुख्य आरोपियों में शामिल रहा है। इन दंगों में 50 से अधिक लोगों की मौत हुई थी और सैकड़ों लोग घायल हुए थे। तब से वे न्यायिक हिरासत में थे। शरजील इमाम के पटना और जहानाबाद आने को लेकर स्थानीय प्रशासन भी सतर्क है।

चैती छठ 2026, उलार सूर्य मंदिर में तैयारियां पूरी

एजेंसी, पटना

पटना जिला प्रशासन ने चैती छठ महापर्व के लिए सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं। पटना से 35km दूर दुल्हिनबाजार प्रखंड स्थित प्राचीन उलार सूर्य मंदिर में मंदिर प्रबंधन ने तैयारियां पूरी कर ली हैं। लोक आस्था का यह महापर्व चैती छठ 22 मार्च से 'नहाय-खाय' के साथ शुरू हो रहा है। इसके अगले दिन 23 मार्च को खरना, 24 मार्च को अस्ताचल सूर्य को अर्घ्य दिया जाएगा। फिर 25 मार्च को उदयगामी सूर्य को अर्घ्य देने के साथ ही चैती छठ महापर्व का समापन होगा।

पौराणिक तालाब की घेराबंदी की गईः मंदिर परिसर में बने पौराणिक तालाब की घेराबंदी की गई है। सुरक्षा व्यवस्था के लिए एक जिला कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है। सुरक्षा निगरानी के लिए ड्रोन का भी इस्तेमाल किया जाएगा। छठव्रतियों के ठहरने की व्यवस्था भी की गई है, जिसमें स्वच्छता का विशेष ध्यान रखा गया है। देश के 12 प्रमुख सूर्य मंदिरों में से एक, ओलारर्क (उलार) सूर्य मंदिर का इतिहास द्वापर युग से जुड़ा है। मान्यता है कि भगवान श्रीकृष्ण के पुत्र राजा शाम ने इस मंदिर की स्थापना की थी। मुगल काल में इसे ध्वस्त करने का प्रयास किया गया था, लेकिन बाद में इसका पुनर्निर्माण हुआ। मंदिर में हजारों साल पुरानी मूर्तियां स्थापित हैं। भक्तों का मानना है कि सच्चे मन से पूजा करने और मंदिर परिसर के तालाब में स्नान करने से कुष्ठ रोग जैसी बीमारियां दूर हो जाती हैं।

नीट छात्रा मौत केस, सीबीआई ने मामा से की पूछताछ

एजेंसी, पटना

❖ पीड़ित पक्ष के वकील बोले- दोषियों से क्यों नहीं करते सवाल-जवाब, अधिकारी बदले, लेकिन लीपापोती जारी

पटना के शंभू गर्ल्स हॉस्टल में छात्रा की संदिग्ध हालत में मौत की गुत्थी अभी तक सुलझी नहीं है। मामले में केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (CBI) की कार्यशैली पर सवाल उठ रहे हैं। POCSO कोर्ट की फटकार के बाद एजेंसी ने केस के जांच अधिकारी (IO) को बदल दिया है। इसी क्रम में शनिवार सुबह करीब 10:30 बजे CBI ने छात्रा के मामा को पूछताछ के लिए बुलाया। पटना स्थित सीबीआई कार्यालय में उनसे पूछताछ की गई। बताया गया है कि नए जांच अधिकारी डीएसपी विभा कुमारी ने ही मामा को पूछताछ के लिए बुलाया है।

वही, प्रभात मेमोरियल हॉस्पिटल के संचालक डॉक्टर सतीश को सीबीआई कार्यालय बुलाया गया, जहां करीब आधे घंटे तक डॉ सतीश से पूछताछ की गई है। सीबीआई ने 12 फरवरी को यह मामला अपने हाथ में लिया था, लेकिन अब तक कोई ठोस नतीजा सामने नहीं आया है। इस बीच पीड़ित पक्ष के वकील एसके पांडेय ने POCSO कोर्ट में शिकायत और मुआवजे के लिए आवेदन दाखिल किया है। इस मामले में अगली सुनवाई 23 मार्च को निर्धारित है।

मामा से लगभग 1 घंटे में 25 सवाल किएः सीबीआई के जांच अधिकारी ने छात्रा के मामा से लगभग 1 घंटे में 25 सवाल किए। मामा ने बताया कि, 'CBI भी मामले की लीपापोती कर रही है। जांच अधिकारी बदले जा रहे, लेकिन किसी भी तथ्यों की जांच सही दिशा में नहीं की जा रही।'

केवल पीड़ित परिवार से पूछताछ, दोषियों से क्यों नहीं- वकीलः पीड़ित पक्ष के वकील एसके पांडे ने बताया कि, मामले की निष्पक्ष जांच नहीं की जा रही है। जांच के नाम पर पीड़ित परिवार को परेशान किया जा रहा है, उन्हें टॉर्चर किया जा रहा है। पीड़ित परिवार पर दबाव बनाया जा रहा है कि मान लीजिए यह आत्महत्या है।' उनका कहना है कि, 'इंसाफ और सत्य की लड़ाई अब आर पार लड़ी जाएगी। बेटियों के समक्ष लड़ी जाएगी। एसके पांडे ने बताया कि, 'सीबीआई के जांच अधिकारी भले ही चेंज हो गए हों, लेकिन जांच के नाम पर लीपापोती की जा रही है। नए जांच अधिकारी से उम्मीद है कि वह सही तथ्यों और सही दिशा में कम करें।'

CBI टीम का परिजनों ने किया विरोधः CBI से इस मामले की IO बनने के बाद डीएसपी विभा कुमारी अपनी टीम के साथ छात्रा के घर जहानाबाद पहुंची थीं। वहां परिजनों और ग्रामीणों ने सीबीआई टीम का विरोध किया। उनका कहना था कि सीबीआई तीन-चार बार पूछताछ कर चुकी है, लेकिन कोई नतीजा नहीं निकला। पूछताछ के दौरान छात्रा की मां की तबीयत बिगड़ जाती है और वे बेहोश हो जाती हैं। लगातार बदलते हालात और धीमी जांच प्रक्रिया से इस हाई-प्रोफाइल मामले में सीबीआई की कार्यशैली पर गंभीर सवाल उठ रहे हैं। परिजन न्याय की मांग पर अड़े हैं और आगामी सुनवाई से उम्मीदें लगाए बैठे हैं। सीबीआई के वकील ने जब केस टेकओवर कर पटना में दर्ज किया, तो प्राथमिकी में पॉक्सो एक्ट नहीं जोड़ा गया, बल्कि हत्या के प्रयास का केस दर्ज किया गया। इसी कारण पॉक्सो कोर्ट ने सीबीआई को फटकार लगाई। जेल में बंद मनीष कुमार रंजन को सीबीआई ने रिमांड पर लेकर पूछताछ नहीं की।

चैती छठ 22 मार्च से, पटना के 49 घाट तैयार

एजेंसी, पटना

चैती छठ की शुरुआत 22 मार्च से हो रही है। इसे लेकर पटना के घाटों को तैयार किया जा रहा है। राजधानी के 49 घाटों पर इस बार श्रद्धालु अर्घ्य देंगे। पटना नगर निगम द्वारा पटना के घाटों पर तैयारियां की जा रही है, लेकिन कई घाटों पर श्रद्धालुओं को परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। दीघा घाट के पास बैरिकेडिंग कर वॉच टावर लगाने की प्रक्रिया चल रही है। लेकिन घाट किनारे जमीन पर गिट्टी, ईंट, पत्थर बिखरे हुए हैं, जो श्रद्धालुओं के पैरों में चुभ सकते हैं।

कलेक्ट्रेट घाट पहुंचने के लिए 2 किलोमीटर पैदल चलना होगाः कलेक्ट्रेट घाट पहुंचने के लिए श्रद्धालुओं को 2 किलोमीटर पैदल चलना होगा। बांकीपुर क्लब के सामने से पैदल चल कर कलेक्ट्रेट घाट पर पहुंच सकते हैं। अंटा घाट और पीएमसीएच के बगल से गंगा पथ के रास्ते भी इस घाट तक पहुंचा जा सकता है। संपर्क पथ का काम अंतिम दौर में है। एक किमी से अधिक चौड़ाई वाले इस घाट को पीले और सफेद कपड़े से घेरा गया है। दरभंगा हाउस काली घाट, पटना कॉलेज घाट, कदम घाट, कृष्णा घाट और उससे आगे रानी घाट से लेकर गायघाट तक पक्का घाट से ही व्रती अर्घ्य दे सकेंगे। गंगा का पानी किनारे तक पहुंचने से व्रतियों को पैदल नहीं चलना पड़ेगा।

3 लेवल बैरिकेडिंग और रेलिंग बनाया गयाः पटना नगर निगम द्वारा सभी गंगा घाटों और तालाबों की सफाई की जा रही है। रंग-रोगन, मरम्मत और समतलीकरण किया जा रहा है। सभी हाई-मास्ट लाइटों को 21 मार्च तक हर हाल में दुरुस्त करने का निर्देश दिया गया है। 'ओपन वायर' की जांच कर उन्हें ठीक करने के निर्देश दिए गए हैं। सभी घाटों पर 3 लेवल बैरिकेडिंग और रेलिंग का निर्माण किया जा रहा है।

गंदगी या लापरवाही पर होगी कार्रवाईः घाटों के 1 किलोमीटर दायरे में गंदगी या लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उल्लंघन की स्थिति में तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित होगी। सड़कों और ओवरब्रिज की धुलाई के लिए जेटिंग मशीनों की तैनाती की जाएगी। निगम प्रशासन ने अंचलवार अधिकारियों की तैनाती कर दैनिक मॉनिटरिंग करने का निर्देश दिया है।

खतरनाक घाटों को पूरी तरह सील कर प्रवेश पर रोक है। साइनबोर्ड, बैनर और फ्लैक्स लगाए गए हैं, ताकि खतरनाक घाटों की पहचान हो सके। चैती छठ में जिला प्रशासन ने 8 घाटों को खतरनाक घोषित किया है।

सरकारी योजना का झांसा देकर खुलवाए 100 से ज्यादा ठगी के खाते, 3 गिरफ्तार

एजेंसी, पटना

पटना के सलेमपुर थाना क्षेत्र में साइबर पुलिस ने एक बड़े संगठित ठगी गिरोह का खुलासा किया है। यह गिरोह सैदपुर, मुरादपुर और सुंदरपुर गांवों में सक्रिय था। जांच में सामने आया कि कुछ लोग सरकारी योजनाओं (जैसे शौचालय निर्माण / मरम्मत योजना) का लाभ दिलाने के नाम पर ग्रामीणों, खासकर गरीब महिलाओं को झांसा देकर उनके बैंक खाते खुलवा रहे थे। महिलाओं को पहले बैंक शाखाओं में ले जाकर खाते खुलवाए गए, फिर एक में भोज और कार्यक्रम के दौरान एक साथ 100 से ज्यादा खाते खुलवाए गए। उन्हें बताया जाता था कि खाते में 12,000 आएंगे, जिसके लिए बैंक खाता जरूरी है।

तीन बैंकों में खोले गए खातेः अब तक की जांच में पाया गया है कि सभी खाते बैंक ऑफ इंडिया (सलेमपुर), बैंक ऑफ इंडिया (बख्तियारपुर) और इंडियन ओवरसीज बैंक में खोले गए। खाते खोलने के दौरान महिलाओं से आधार कार्ड, फोटो और फिंगरप्रिंट लिए गए। जांच में सीता कुमारी नाम की महिला की संलिप्तता पायी गई, जिसने ग्रामीण महिलाओं को यह कहकर खाता खुलवाने के लिए तैयार किया कि सरकारी योजना का पैस पाने के लिए खाता जरुरी है और खाते में 12,000 आएंगे। इसके अलावा गांव के अवध राय, कुमारी देवी और विभा देवी की संलिप्तता की बात भी ग्रामीणों ने कही है।

जांच में पता चला कि इन खातों का इस्तेमाल साइबर ठगी के पैसे मंगाने और निकालने के लिए किया जा रहा था। इन खातों से जुड़े 100 से ज्यादा मामले NCRP (National Cyber Crime Reporting Portal) पर दर्ज पाये गये, जिनमें करोड़ों रुपये की ठगी की गयी थी। खातों में पैसा आते ही उसे नालंदा, बेगूसराय, बिहारशरीफ और पटना समेत विभिन्न जगहों से एटीएम के जरिए तुरंत निकाल लिया जाता था। इससे साफ है कि इन खातों का इस्तेमाल "म्यूल अकाउंट" के रूप में किया जा रहा था।

टेंडर-योजनाओं में गड़बड़ी पर ईओयू सख्त, विशेष टीम गठित

एजेंसी, पटना

आर्थिक अपराध इकाई (EOU) ने सरकारी विभागों में टेंडर प्रक्रिया और योजनाओं के क्रियान्वयन में हो रही अनियमितताओं पर सख्ती बढ़ा दी है। इकाई ने एक अधीक्षक के नेतृत्व में 5 सदस्यीय विशेष निगरानी टीम का गठन किया है, जो पूरे राज्य से मिलने वाली शिकायतों की जांच कर कार्रवाई सुनिश्चित करेगी।

विशेष टीम करेगी निगरानीः पटना स्थित पुलिस मुख्यालय में प्रेस वार्ता के दौरान ईओयू के पुलिस अधीक्षक पंकज कुमार ने बताया कि, टेंडर आमंत्रण, आवंटन और योजनाओं के क्रियान्वयन में गड़बड़ी की लगातार शिकायतें मिल रही थीं। इसी को देखते हुए त्वरित और प्रभावी जांच के लिए यह टीम बनाई गई है। यह टीम पुलिस अधीक्षक स्तर के अधिकारी के नेतृत्व में कार्य करेगी, जिसमें एक डीएसपी और पुलिस निरीक्षक रैंक के अधिकारी शामिल होंगे। इस टीम का मुख्य उद्देश्य शिकायतों का सत्यापन करना, अनियमितताओं की पुष्टि होने पर विधिसम्मत कार्रवाई करना और पूरे सिस्टम में पारदर्शिता के साथ निष्पक्षता सुनिश्चित करना है।'

NBPDCL इंजीनियर पर DA केसः ईओयू ने नॉर्थ बिहार पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड (NBPDCL) के कार्यपालक अभियंता मनोज कुमार रजक के खिलाफ 16 मार्च 2026 को आय से अधिक संपत्ति (DA) का मामला दर्ज किया है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि उन्होंने अपनी ज्ञात आय से 62.66% अधिक संपत्ति अर्जित की है। जांच में जमीन, आभूषण और बैंक खातों से जुड़े कई अहम दस्तावेज बरामद हुए हैं। FIR में दर्ज संपत्तियों के अलावा 4-5 अन्य जमीन के कागजात भी मिले हैं, जिनकी जांच जारी है। पूछताछ में यह भी खुलासा हुआ है कि कुछ संपत्तियां नेपाल में रिश्तेदारों के नाम पर खरीदी गई हैं। इस अंतरराष्ट्रीय पहलू को ध्यान में रखते हुए जांच का दायरा बढ़ाया जा रहा है।

21 करोड़ के मनी लॉन्ड्रिंग केस ED को सौंपाः ईओयू ने मनी लॉन्ड्रिंग से जुड़े दो बड़े मामलों को प्रवर्तन निदेशालय (ED) को सौंप दिया है। प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट (PMLA) के तहत केस दर्ज किया गया है। ईओयू के मुताबिक, इन मामलों में करीब 21 करोड़ रुपये के संदिग्ध लेनदेन के प्रमाण मिले हैं। संबंधित सभी दस्तावेज और सूचनाएं ED को उपलब्ध करा दी गई है। फिलहाल, इन मामलों की जांच ED कर रही है।

अवैध खनन में 350 करोड़ का नुकसान, 62 केस की निगरानीः राज्य में अवैध खनन के मामलों में भी ईओयू ने सख्त रुख अपनाया है। खनन एवं भू-विज्ञान विभाग को लगभग 350 करोड़ रुपये के नुकसान से जुड़े 62 एफआईआर की निगरानी की जा रही है। जांच में सामने आया है कि राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र (NIC) के कुछ अधिकारियों ने 17 जिलों में लाइसेंस धारकों के साथ मिलकर खनन पोर्टल में तकनीकी छेड़छाड़ की, जिससे सरकार को भारी राजस्व नुकसान हुआ। ईओयू सभी 62 मामलों पर नजर बनाए हुए है। इसके साथ ही तकनीकी और वित्तीय पहलुओं की गहराई से जांच कर रही है। अधिकारियों का कहना है कि दोषियों की पहचान कर उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

पारदर्शिता और जवाबदेही पर जोरः ईओयू की यह पहल सरकारी कार्यप्रणाली में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है। टेंडर प्रक्रिया और योजनाओं के क्रियान्वयन में गड़बड़ी पर नजर रखने के लिए बनाई गई विशेष टीम आने वाले समय में भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने में अहम भूमिका निभा सकती है।

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159

संक्षिप्त समाचार

रसिक टावर में माता के भजनों पर झूमीं महिलाएं

अलीगढ़, एजेंसी। तालानगरी स्थित रसिक टावर सोसायटी में नवरात्र के प्रथम दिवस पर माता शैलपुत्री की आराधना की गई। इस दौरान सोसायटी की महिलाओं ने सुबह पूजा पाठ किया। शाम को महिला मंडल द्वारा भजन संध्या का कार्यक्रम आयोजित हुआ। जिसमें माता के भजन गाए गए। भजनों पर महिला श्रद्धालुओं में जमकर ठुमके लगाए। कार्यक्रम के बाद फलाहार का वितरण किया गया। इस मौके पर रेखा मित्तल, अंजू अग्रवाल, आशा मित्तल, कुमकुम शर्मा, बबली गुप्ता, ज्योति पालीवाल, मधु सिंह, सुनीता सिंह आदि महिलाएं मौजूद रहीं।

पुर्दिलपुर में सिटी पॉलीक्लीनिक शुरू, रोज दो विशेषज्ञ डॉक्टर देंगे उपचार

गोरखपुर, एजेंसी। पुर्दिलपुर क्षेत्र में सिटी पॉलीक्लीनिक का शुक्रवार को मेयर डॉ. मंगलेश श्रीवास्तव ने शुभारंभ किया। प्रतिदिन दो विशेषज्ञ चिकित्सक सुबह नौ बजे से शाम चार बजे तक सोमवार से शनिवार तक उपलब्ध रहेंगे। इस दौरान मेयर ने कहा कि इस क्लीनिक के शुरू होने से स्थानीय लोगों को बेहतर चिकित्सा सेवा और जांच सुविधाएं अपने क्षेत्र में ही उपलब्ध होंगी, जिससे बड़े अस्पतालों पर निर्भरता कम होगी। सरकार स्वास्थ्य सेवाओं को जनसामान्य तक पहुंचाने के लिए लगातार नई सुविधाएं शुरू कर रही है। सिटी पॉलीक्लीनिक इसी दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। सीएमओ डॉ. राजेश झा ने बताया कि पुर्दिलपुर सिटी पॉलीक्लिनिक में फिजिशियन, स्त्री रोग विशेषज्ञ, श्वसन रोग विशेषज्ञ और बाल रोग विशेषज्ञ सेवाएं देंगे। यहां 195 प्रकार की दवाएं निशुल्क दी जाएंगी। साथ ही 27 प्रकार की जांचें क्लीनिक पर ही होंगी, जबकि 46 प्रकार की जांचों के लिए सैंपल ट्रांसपोर्ट की व्यवस्था रहेगी। उन्होंने बताया कि प्रदेश का पहला सिटी पॉलीक्लीनिक बसंतपुर में दिसंबर से संचालित है। वहां अब तक 1670 लाभार्थी विशेषज्ञ सेवाएं ले चुके हैं।

सीएम योगी बोले- बेमौसम बारिश से बर्बाद फसलों का तत्काल दें मुआवजा

लखनऊ, एजेंसी। मुख्यमंत्री ने बेमौसम बारिश से क्षतिग्रस्त फसलों का तत्काल मुआवजा देने के निर्देश दिए। अधिकारियों को फील्ड में जाकर नुकसान का आकलन करने और राहत कार्य तुरंत शुरू करने को कहा। भुगतान पारदर्शी और समयबद्ध होगा। सरकार किसानों के हितों की सुरक्षा के लिए पूरी तरह सक्रिय रहेगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश में बेमौसम बारिश से क्षतिग्रस्त फसलों के नुकसान का आकलन कर तत्काल मुआवजा देने का निर्देश दिया है। साथ ही अधिकारियों को अलर्ट मोड में रहने को कहा। उन्होंने स्पष्ट कहा कि किसानों के हितों से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा। राहत पहुंचाना प्राथमिकता होनी चाहिए। सभी डीएम फील्ड में निकलकर स्थिति का जायजा लें और प्रभावित क्षेत्रों में फसलों को हुए नुकसान का तत्काल आकलन कराएं। उन्होंने कहा कि यह कार्य केवल कागजी न होकर वास्तविक स्थिति के आधार पर किया जाए, ताकि किसानों को सही और समय पर सहायता मिल सके। राहत आयुक्त फील्ड के अधिकारियों से सीधा संपर्क और समन्वय रखें। सभी सूचनाएं जुटकर शासन भेजें, जिससे राहत कार्यों में देरी न हो। भुगतान पारदर्शी और समयबद्ध हो। प्रदेश सरकार किसानों के साथ पूरी मजबूती से खड़ी है और किसी भी आपदा की स्थिति में उन्हें सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। अधिकारी संवेदनशीलता के साथ कार्य करें ताकि किसी भी किसान को परेशानी का सामना न करना पड़े।

भाजपा नेता पर हुए जानलेवा हमले में स्टेट मेडिको-लीगल की रिपोर्ट का इंतजार

गोरखपुर, एजेंसी। गगहा थाना क्षेत्र के भैंसहां गांव निवासी भाजपा नेता राधामोहन सिंह पर हुए जानलेवा हमले की जांच में नया मोड़ आ गया है। गगहा पुलिस ने अब स्टेट मेडिको-लीगल विशेषज्ञ से रिपोर्ट मंगाई है, ताकि यह स्पष्ट हो सके कि गोली किस परिस्थितियों में लगी। यह रिपोर्ट मामले की जांच में अहम मानी जा रही है। जानकारी के अनुसार, तीन फरवरी को राधामोहन सिंह बैठक से लौट रहे थे, जब रकहट-कोठा बांध मार्ग पर कैथवलिया गांव के हुकहा वीर बाबा मंदिर के पास बाइक सवार बदमाशों ने उन पर फायरिंग कर दी। हमले में नेता घायल हो गए। पुलिस ने तहरीर के आधार पर साजिश के तहत हत्या की कोशिश और धमकी देने के आरोप में छह युवकों पर प्राथमिकी दर्ज की, जिनमें चार नामजद थे। ये सभी पहले भी आपराधिक मामलों में जेल जा चुके हैं। हालांकि, जांच में अब तक आरोपियों की भूमिका स्पष्ट नहीं हो पाई है। जांच का सबसे बड़ा सवाल यह है कि भाजपा नेता को गोली किस परिस्थितियों में लगी। पुलिस विशेषज्ञों की मदद से मेडिकल और फोरेंसिक रिपोर्ट के आधार पर ही घटना की वास्तविक स्थिति सामने आएगी। साथ ही पुलिस यह भी देख रही है कि कहीं घटना के पीछे कोई अन्य कारण या साजिश तो नहीं है। नामजद आरोपियों पर यह भी आरोप है कि वे नेता के स्कूल में पढ़ने वाली छात्राओं को परेशान करते थे और उनके खिलाफ पहले भी मामला दर्ज हो चुका है। एसपी साउथ दिनेश कुमार पुरी का कहना है कि विशेषज्ञ रिपोर्ट मिलने के बाद ही हमले की परिस्थितियों और दोषियों की वास्तविक भूमिका स्पष्ट होगी, ताकि कानूनी कार्रवाई सही दिशा में की जा सके।

मौसम का यूटर्न, जमकर बारिश, सीतापुर-बाराबंकी में गिरे ओले

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश में तेज बारिश, आंधी और ओलावृष्टि से कई जिलों में फसलें बर्बाद हुईं और तापमान में भारी गिरावट आई। हादसों और बिजली गिरने से 11 लोगों की मौत हुई। मौसम विभाग के अनुसार जल्द ही मौसम सामान्य होगा, लेकिन किसानों की चिंता बढ़ गई है।

यूपी में शनिवार सुबह भी मौसम बदला रहा। पिछले 24 घंटे से प्रदेश के 25 जिलों में रूक-रूक हो रही बारिश से तापमान में करीब 5एष्ट की गिरावट दर्ज की गई है। लखनऊ में दिन का तापमान में 10.3एष्ट गिरा। सुबह 7 बजे तापमान करीब 18एष्ट रहा। शुक्रवार को लखनऊ, ललितपुर, अयोध्या, बाराबंकी और सीतापुर समेत 25 से ज्यादा जिलों में आंधी के साथ बारिश हुई। ओले भी जमकर गिरे। ललितपुर में ओले सफेद चादर जैसे बिछ गए। खेतों में खड़ी गेहूं, सरसों और सब्जियों की फसल बर्बाद हो गई।

इससे तापमान में औसतन 12.4 डिग्री के तापमान में सबसे ज्यादा 14 डिग्री सेल्सियस की गिरावट आई। हमीरपुर की कमी दर्ज की गई। बारिश से फसलों को हुए नुकसान ने किसानों की चिंता बढ़ा दी। बारिश के बीच हुए हादसों और बिजली गिरने से 11 लोगों की मौत हो गई।मौसम

विभाग के अनुसार, शनिवार से पश्चिमी विक्षोभ का असर कमजोर पड़ेगा और रविवार से मौसम सामान्य रहेगा।

अवध क्षेत्र के बहराइच, सीतापुर, श्रावस्ती, गोंडा, बलरामपुर, बाराबंकी और सुल्तानपुर में तेज बारिश हुई। रायबरेली, अंबेडकरनगर और अयोध्या में हल्की बूंदाबांदी से मौसम ठंडा हो गया। सीतापुर, गोंडा, अयोध्या और बाराबंकी में ओले गिरे। झांसी, ललितपुर, पीलीभीत, शाहजहांपुर, लखीमपुर खीरी, उन्नाव, कन्नौज और सिद्धार्थनगर में भी ओले गिरे।

गेहूं बिछा, सरसों को भी नुकसान : तेज हवाओं के साथ बारिश के चलते खेतों में खड़ी गेहूं की फसल बिछ गई। पकी सरसों की फसल को भी भारी नुकसान हुआ। अलीगंज में तंबाकू की फसल को नुकसान पहुंचा। मैनपुरी में खेत में खोदाई के बाद रखे आलू के खराब होने की आशंका है। कई जिलों में आलू की खोदाई भी रुक गई है।

बारिश हुई। मुजफ्फरनगर, मेरठ और मुरादाबाद में तापमान 10 डिग्री से ज्यादा गिरा। अयोध्या और बुलंदशहर में प्रदेश की सबसे ठंडी रात रही। यहां अधिकारी अलर्ट मोड में रहें। डीएम फील्ड में जाकर फसलों के नुकसान का आकलन करें। मुआवजे के वितरण की प्रक्रिया तत्काल शुरू करें। भुगतान पारदर्शी हो ताकि

मुख्यमंत्री बोले- किसानों को राहत मिल सके : बदले मौसम के बीच शुक्रवार को बारिश ने पूरे प्रदेश को सराबोर कर दिया। तेज हवाओं के साथ कहीं मध्यम, कहीं तेज तो कहीं सामान्य बारिश के साथ ओले गिरे। इससे तापमान में औसतन 12.4 डिग्री सेल्सियस की गिरावट आई। हमीरपुर के तापमान में सबसे ज्यादा 14 डिग्री की कमी दर्ज की गई।

बारिश से फसलों को हुए नुकसान ने किसानों की चिंता बढ़ा दी। बारिश के बीच हुए हादसों और बिजली गिरने से 11 लोगों की मौत हो गई। मौसम विभाग के अनुसार, शनिवार से पश्चिमी विक्षोभ का असर कमजोर पड़ेगा और रविवार से मौसम सामान्य रहेगा।

और अवध क्षेत्र के बहराइच, सीतापुर, श्रावस्ती, गोंडा, बलरामपुर, बाराबंकी और सुल्तानपुर में तेज बारिश हुई। रायबरेली, अंबेडकरनगर और अयोध्या में हल्की बूंदाबांदी से मौसम ठंडा हो गया। सीतापुर, गोंडा, अयोध्या और बाराबंकी में ओले गिरे। झांसी, ललितपुर, पीलीभीत, शाहजहांपुर, लखीमपुर खीरी, उन्नाव, कन्नौज और सिद्धार्थनगर में भी ओले गिरे।

बरेली, पीलीभीत, शाहजहांपुर, बदायूं में तेज हवा के साथ हल्की बारिश हुई। मुजफ्फरनगर, मेरठ और मुरादाबाद में तापमान 10 डिग्री से ज्यादा गिरा। अयोध्या और बुलंदशहर में प्रदेश की सबसे ठंडी रात रही। यहां न्यूनतम तापमान 14 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। सिद्धार्थनगर में सर्वाधिक 39.5 मिमी बारिश हुई।

आलू के खराब होने की आशंका : तेज हवाओं के साथ बारिश के चलते खेतों में खड़ी गेहूं की फसल बिछ गई। पकी सरसों की फसल - को भी भारी नुकसान हुआ। अलीगंज में - तंबाकू की फसल को नुकसान पहुंचा। मैनपुरी में खेत में खोदाई के बाद रखे - आलू के खराब होने की आशंका है। कई जिलों में आलू की खोदाई भी रुक गई है।

अवध में चार की मौत : बहराइच में मुनऊ (30), श्रावस्ती में अनिरुद्ध (55) और बलरामपुर में तीरथ वर्मा (30) की बिजली गिरने से मौत हो गई। बाराबंकी में टूटे बिजली के तार की चपेट में आने से मुश्ताक (42) की मौत हो गई। मिर्जापुर में किसान हरिशंकर (70) और जौनपुर में अजीत चौहान (17) की भी बिजली गिरने से जान गई। अमरोहा, प्रयागराज में दो-दो किसानों की मौत हो गई। झांसी के बबीना स्थित एक फैक्टरी पर बिजली गिरने से हुए विस्फोट में एक कर्मचारी की मौत हो गई।

योगी सरकार की मंशा के अनुरूप कानपुर जोन में सफल आईपीएस आलोक सिंह की कर्तव्य निष्ठा

सुनील बाजपेई

कानपुर। योगी सरकार की मंशा के यहां कानपुर जोन पुलिस उस हर मुद्दे पर सफल है ,जिसका संबंध कानून, शांति व्यवस्था तथा जनहित से है। कठोर परिश्रम निष्पक्ष और पारदर्शी कार्यशैली से सफलता हासिल करने के यह सभी बिंदु हर क्षेत्र में पैनी नजर के साथ ही अपराध/कानून-व्यवस्था, हत्या शीर्षक अन्तर्गत अनावरण हेतु शेष अभियोग,जब्तीकरण की कार्यवाही,अवैध खनन एवं परिवहन, साइबर क्राइम, महिला सुरक्षा, यू0पी0-112 में प्राप्त शिकायतों पर कृत कार्यवाही ,वाहन/संदिग्ध व्यक्तियों की चेकिंग तथा निरंतर पैदल गस्त अभियान से संबंधित हैं

मतलब मामला चाहे घटनाओं के सटीक खुलासे और अपराधियों की गिरफ्तारी का हो या फिर जन समस्याओं के निस्तारण से संबंधित आईजीआरएस का। यहां की चुनौती पूर्ण कानपुर जोन के अंतर्गत आने वाले आठ जिले कानपुर देहात, इटावा, औरैया, कन्नौज, फतेहगढ़ ,जालौन ,ललितपुर और झांसी अपराधियों के खिलाफ कानून और शांति व्यवस्था के पक्ष में हर दृष्टिकोण से अव्वल भी चल रही है। याद रहे कि आजकल एडीजी के रूप में कानपुर जोन की कमान योगी सरकार की मंशा के अनुरूप अपराधियों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई और पीड़ितों की सहायता में भी सदैव अव्वल राष्ट्रपति तक के गोल्ड और प्लेटिनम समेत सभी तरह के मेडलों और पुरस्कारों के रुप में अनेक दुर्लभ उपलब्धियों के प्रसंसनीय धारक नोएडा के पहले सफल और सर्वोत्तम पुलिस कमिश्नर भी रहे भारत के कर्तव्यनिष्ठ और इमानदार आईपीएस अधिकारियों में से एक वरिष्ठ आई पी एस आलोक सिंह के हाथ में है।

सराहनीय और अनुकरणीय कार्यशैली वाले व्यवहार कुशलता के भी धनी, शिवत्व स्वभाव वाले सुप्रसिद्ध वरिष्ठ आईपीएस एडीजी आलोक सिंह का नौकरी की शुरुआत से लेकर विशुद्ध ईमानदारी से पूर्ण अबतक का जुझारू इतिहास यह साबित करता है कि उनकी कर्तव्य के प्रति प्रगाढ़ निष्ठा ने कानून और शांति व्यवस्था के पक्ष में आज तक वही किया जो देश और समाज के हित में रहा।

इस बारे में खास बात यह भी कि कर्तव्य के प्रति प्रगाढ़ निष्ठा वाले तेज तर्रार और व्यवहार कुशल एडीजी आलोक सिंह के पास आने वाला कोई भी पीड़ित आजतक निराश नहीं

लौटा। प्रभावी कार्रवाई के रूप में उसकी समस्या का निदान होकर ही रहा है।

कुल मिलाकर अपनी नेतृत्व कुशलता के फलस्वरूप यूपी शासन द्वारा संचालित जनसुनवाई समन्वय शिकायत निवारण प्रणाली (आई जी आर एस) में भी कानपुर जोन को लगातार अव्वल रखने वाले ,भगवान और भाग्य यानी कर्म भरोसे रहने वाले जुझारू एडीजी आलोक सिंह की नेतृत्व कुशलता योगी सरकार की मंशा के अनुरूप जनहित में हर दृष्टिकोण से सफल है।

इस बारे में आध्यात्मिक दृष्टिकोण जिस आशय के सत्य को उद्घाटित करता है उसके मुताबिक इस संसार में लोगों की सहायता करने के लिए परमेश्वर शंख, चक्र और गदा लेकर नहीं आता है। वह किसी ना किसी महामानव को ही अपना माध्यम बनता है। इसी लिए इस कथन का आईपीएस आलोक सिंह जैसे कर्मयोगियों से भी नाता है। मतलब जनहित में विशुद्ध ईमानदारी का नाम आलोक सिंह है। दबाव में नहीं झुकने वाली निडरता का नाम भी आलोक सिंह है। पीड़ितों की हर संभव सहायता का नाम आलोक सिंह है। अपराधियों के उनके कर्मों का फल देने की कर्तव्य निष्ठा का नाम आलोक सिंह है। वही आलोक जो प्रकाश का भी पर्याय है और वही प्रकाश जिसके दायरे में आने वाला कोई अपराधी बच नहीं पाता है, क्योंकि परमेश्वर देश, कालखंड और परिस्थितियों के अनुरूप योगी ,मोदी ही नहीं बल्कि आईपीएस आलोक सिंह भी बन जाता है। कुल मिलाकर कानपुर जोन की कानून और शांत व्यवस्था के पक्ष में जनहितकारी उपलब्धियां योगी सरकार का झंडा बुलंद करने में अग्रणी है। इस बीच उनके निर्देशन में चैत्र नवरात्रि एवं ईद-उल-फितर पर्व को सकुशल, शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में सम्पन्न कराने हेतु जोन के समस्त जनपदों में सुदृढ़ एवं बहुस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की गयी है।

कानपुर पुलिस कमिश्नर को दो मामलों में मानवाधिकार आयोग का नोटिस

लखनऊ, एजेंसी। कानपुर में बंदी की मौत और 11 साल की बच्ची की दुष्कर्म के बाद हत्या के दो मामलों में मानवाधिकार आयोग ने संज्ञान लिया है। पुलिस कमिश्नर को नोटिस जारी कर निर्धारित समय में रिपोर्ट मांगी गई है, ताकि आरोपों की जांच कर उचित कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके।

मानवाधिकार आयोग ने कानपुर के दो मामालों का संज्ञान लिया है। एक मामला जेल भेजे गए बंदी की मौत है और दूसरा 11 साल की बच्ची की रेप के बाद हत्या का है। आयोग ने कानपुर पुलिस कमिश्नर को नोटिस भेजकर तय समय में कार्रवाई की रिपोर्ट मांगी है। दरअसल 10 मार्च को कानपुर की जूही थाने की पुलिस ने चोरी के आरोप में 26 वर्षीय रंजीत को गिरफ्तार किया था।

कोर्ट में पेश करने के उसे जेल भेजा गया था। 11 मार्च की शाम उसकी तबीयत बिगड़ी थी। जेल प्रशासन ने पहले जेल अस्पताल और फिर उर्सला अस्पताल में भर्ती कराया था। जहां रंजीत की मौत हो गई थी। परिजनों का आरोप है कि पुलिस ने रंजीत को मारपीट कर प्रताड़ित किया। इस वजह से उसकी जान गई। मामले की शिकायत आयोग से की गई। आयोग ने संज्ञान लेकर पुलिस कमिश्नर को नोटिस जारी कर 7 मई तक विस्तृत रिपोर्ट देने को कहा है।

वहीं 11 मार्च को बिधनू इलाके की 11 साल की मासूम बच्ची की रेप के बाद हत्या कर दी गई थी। उसका नग्न शव खेत में दफना दिया था। प्रकरण का मानवाधिकार आयोग ने स्वतः संज्ञान लिया है। आयोग ने पुलिस कमिश्नर ने पांच सप्ताह में रिपोर्ट मांगी है।

गर्भ में पल रहे भ्रूण को भी चढ़ाया जा सकेगा खून

गोरखपुर , एजेंसी। गोरखपुर। स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में एक बड़ी पहल करते हुए एम्स में अब गर्भ में पल रहे भ्रूण को भी खून चढ़ाने की सुविधा शुरू की जा रही है। फिटल ब्लड ट्रांसफ्यूजन की इस अत्याधुनिक प्रक्रिया के लिए तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। इसके शुरू होने से पूर्वांचल, बिहार और नेपाल के मरीजों को बड़ी राहत मिलेगी।

फिलहाल प्रदेश में यह सुविधा केवल पीजीआई, लखनऊ और बीएचयू जैसे चुनिंदा सरकारी संस्थानों में ही उपलब्ध है। ऐसे में एम्स गोरखपुर में इसकी शुरुआत क्षेत्रीय स्वास्थ्य सेवाओं को नई मजबूती देगी। ट्रांसफ्यूजन मेडिसिन विभाग के फैकल्टी इंचार्ज डॉ. सौरभ मूर्ति ने बताया कि यह प्रक्रिया उन मामलों में बेहद महत्वपूर्ण होती है, जहां माता और पिता के रक्त समूह में आरएच फैक्टर को लेकर असंगति होती

है। खासतौर पर तब, जब मां का ब्लड ग्रुप आरएच निगेटिव और पिता का आरएच पॉजिटिव होता है। ऐसी स्थिति में गर्भस्थ शिशु के आरएच पॉजिटिव होने की आशंका अधिक रहती है। इससे भ्रूण के शरीर में हीमोग्लोबिन की कमी यानी एनीमिया विकसित हो सकता है। उन्होंने बताया कि इस स्थिति में मां के शरीर में बनने वाली एंटीबॉडी भ्रूण की लाल रक्त कोशिकाओं को नुकसान पहुंचाती हैं, जिससे भ्रूण की जान को गंभीर खतरा हो सकता है। यदि समय रहते इसका उपचार न किया जाए तो गर्भ में ही शिशु की मृत्यु तक हो सकती है। ऐसे जटिल मामलों में फिटल ब्लड ट्रांसफ्यूजन एक प्रभावी विकल्प होता है। इस प्रक्रिया के तहत अल्ट्रासाउंड की मदद से गर्भ में मौजूद भ्रूण को सीधे खून चढ़ाया जाता है, जिससे उसके शरीर में हीमोग्लोबिन का स्तर सामान्य किया जा सके।

बोलीं कार्यकारी निदेशकइस संबंध में एम्स की कार्यकारी निदेशक डॉ. विभा दत्ता ने कहा कि इस सुविधा के शुरू होने से न केवल शिशु मृत्यु दर में कमी आएगी बल्कि गर्भवती महिलाओं को भी समय पर और बेहतर उपचार मिल सकेगा। साथ ही, दूर-दराज के मरीजों को अब इलाज के लिए बड़े शहरों की ओर भागदौड़ नहीं करनी पड़ेगी। यह पहल क्षेत्र में मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगी।

हत्यारे को आजीवन कारावास

मेरठ , एजेंसी। न्यायालय अपर जिला जज-7 पवन कुमार शुक्ला ने हत्या के आरोपी तुषार त्यागी उर्फ गोलू निवासी गांव मवी को दोषी पाते हुए आजीवन कारावास और 50 हजार रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई है। उसने साढ़े पांच साल पहले गांव में रामपाल की हत्या करके शव ईंख के खेत में फेंक दिया था।

अभियोजन पक्ष के अनुसार संदीप निवासी ग्राम मवी ने 28 अक्तूबर 2020 को थाना परीक्षितगढ़ में अपने पिता रामपाल की हत्या की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। बताया था कि उसके पिता रामपाल का शव ईंख के खेत में मिला था। बताया कि एक दिन पहले रात 12:30 बजे तुषार त्यागी उर्फ गोलू पिता कोबुलाकर ले गया था। संदीप ने पुरानी रंजिश के चलते उसके पिता की हत्या का आरोप गोलू पर लगाया था।

पुलिस ने आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करके उसी दिन गिरफ्तार कर जेल भेजा था। न्यायालय में अभियोजन पक्ष ने 10 गवाह और साक्ष्य पेश किए। शुक्रवार को न्यायालय ने दोनों पक्षों को सुनकर तथा पत्रावली पर उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर आरोपी को दोषी करार देते हुए आजीवन कारावास और 50 हजार रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई।

दो सिर और चार हाथ-पैर वाले बालकों को देख मां की मौत, दोनों नवजात स्वस्थ

अलीगढ़, एजेंसी। आकाश कुमार ने पत्नी नीरू को प्रसव के लिए जिला महिला अस्पताल में 17 मार्च को भर्ती कराया। दोपहर में उनकी हालत खराब होने पर चिकित्सक ने ऑपरेशन करने के लिए कहा। परिजनों की मंजूरी के बाद स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. मेघा ने ऑपरेशन के बाद बच्चे का जन्म कराया। नवजात को देख ऑपरेशन थियेटर में सभी अचंभित रह गए।

दो सिर और चार हाथ-पैर वाले धड़ से जुड़े हुए जुड़वा बच्चों को जन्म देकर उनकी मां सदमे आ गई। हालत बिगड़ने पर उन्हें निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। परिजनों के अनुसार जुड़वा बच्चे बालक हैं और स्वस्थ हैं।

ऑपरेशन थियेटर में सभी अचंभित रह गए

यूपी के अलीगढ़ स्थित सासनी गेट के बिहारी नगर निवासी आकाश कुमार ने पत्नी नीरू को प्रसव के लिए जिला महिला अस्पताल में 17 मार्च को भर्ती कराया। दोपहर में उनकी हालत खराब होने पर चिकित्सक ने ऑपरेशन

करने के लिए कहा। परिजनों की मंजूरी के बाद स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. मेघा ने ऑपरेशन के बाद बच्चे का जन्म कराया। नवजात को देख ऑपरेशन थियेटर में सभी अचंभित रह गए। पैदा हुए जुड़वा बच्चे धड़े से जुड़े हुए हैं, उनके दो सिर और चार हाथ-पैर हैं। यह देख कर मां सदमे में पहुंच गई।

इस कारण होते हैं दुर्लभ बच्चे

जिला महिला अस्पताल की स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. चंचल वार्ष्णेय ने बताया कि जब एक ही फर्टिलाइज्ड एग दो अलग-अलग भ्रूणों में विभाजित होता है, तो जुड़वा बच्चे आकार लेते हैं। यदि भ्रूणों का विभाजन निषेचन के लगभग 13 से 17 दिनों के बाद भी पूरा नहीं होता है, तो बच्चे जुड़े हुए रह जाते हैं।

दोनों बच्चे हैं स्वस्थ

जिला महिला अस्पताल के सीएमएस डॉ. मो. तैय्यब खान ने बताया कि धड़ से जुड़े जुड़वा बच्चों को देखकर मां पोसपार्टम साइकोसिस (प्रसव के बाद होने वाली दुर्लभ मानसिक स्थिति) से सदमे में आ गई। उनकी तबीयत अचानक बिगड़ गई। उन्हें उसी दिन रात में जेएन मेडिकल कालेज रेफर किया गया, मगर परिजन क्वार्सी स्थित मां वैष्णो हॉस्पिटल ले गए। वहां पर महिला का उपचार शुरू हुआ। पति आकाश कुमार ने बताया कि वहीं पर उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। शव लाकर अंतिम संस्कार कर दिया गया, जुड़वा बच्चे स्वस्थ हैं।

खंभे में करंट उतरने से गाय की मौत, लोगों का हंगामा

मेरठ , एजेंसी। सिविल लाइन थाना क्षेत्र के सुभाष नगर गली नंबर पांच में बिजली के खंभे से करंट उतरने से एक गाय की मौत हो गई। लोगों ने बताया कि शुक्रवार शाम तेज बारिश के बाद खंभे में करंट उतर आया था। इस घटना से लोगों में भारी आक्रोश फैल गया। उन्होंने तुरंत विद्युत लाइन बंद कराई और बिजली विभाग के खिलाफ नारेबाजी की। सूचना मिलने पर सिविल लाइन पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को शांत कराया। लोगों ने बिजली विभाग की लापरवाही बताते हुए कार्रवाई की मांग की। उनका कहना था कि ऐसे में किसी व्यक्ति की जान भी जा सकती थी। व्यापारी नेता अजय गोयल और पार्षद पवन चौधरी भी मौके पर पहुंचे। पुलिस ने गाय को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। पुलिस अधीक्षक शहर आयुष विक्रम सिंह ने बताया कि तहरीर नहीं मिली है जिसके आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159

संक्षिप्त समाचार

मदर टेरेसा और मिशनरीज ऑफ चैरिटी के नाम के दुरुपयोग पर संगठन ने दी चेतावनी

कोलकाता। मिशनरीज ऑफ चैरिटी ने संस्था और मदर टेरेसा के नाम तथा तस्वीर के अनधिकृत इस्तेमाल को लेकर चेतावनी जारी की है। संगठन ने कहा है कि कुछ संस्थाएं और व्यक्ति चंदा संग्रह और प्रचार अभियानों के लिए बिना अनुमति उनके नाम का उपयोग कर रहे हैं, जिससे लोगों में भ्रम की स्थिति पैदा हो रही है। संगठन ने 19 मार्च को जारी बयान में कहा कि उसके संज्ञान में आया है कि कुछ लोग और संस्थाएं मिशनरीज ऑफ चैरिटी और मदर टेरेसा के नाम का विभिन्न गतिविधियों, विशेषकर धन संग्रह के लिए, बिना अनुमति इस्तेमाल कर रहे हैं। संगठन ने स्पष्ट किया कि इस तरह के अनधिकृत उपयोग से आम लोगों में गलतफहमी पैदा होती है, खासकर जब इसे दान या परोपकारी अपील से जोड़ा जाता है। संगठन ने अपनी संस्थापक के सिद्धांतों का उल्लेख करते हुए कहा कि मदर टेरेसा कभी नहीं चाहती थीं कि उनके नाम या तस्वीर का उपयोग धन संग्रह या किसी प्रकार की अपील के लिए किया जाए, भले ही उद्देश्य परोपकारी ही क्यों न हो। बयान में उनकी सादगी और स्वैच्छिक सहयोग पर आधारित कार्यशैली को भी रेखांकित किया गया है। मिशनरीज ऑफ चैरिटी ने सभी संबंधित पक्षों से अपील की है कि वे बिना पूर्व अनुमति मदर टेरेसा या संगठन के नाम का किसी भी रूप में उपयोग न करें। साथ ही चेतावनी दी गई है कि यदि ऐसा जारी रहता है तो संगठन अपने नाम और पहचान की रक्षा के लिए कानूनी कार्रवाई सहित आवश्यक कदम उठा सकता है। 1950 में कोलकाता में स्थापित मिशनरीज ऑफ चैरिटी एक कैथोलिक धार्मिक संस्था है, जो गरीब और जरूरतमंद लोगों की सेवा के लिए समर्पित है। संगठन ने आम लोगों से भी अपील की है कि किसी भी संस्था या अभियान को सहयोग देने से पहले उसकी प्रामाणिकता की जांच अवश्य कर लें, यदि वह मिशनरीज ऑफ चैरिटी से जुड़ा होने का दावा करता है।-

ईद पर भोपाल में अमेरिका-इजराइल मुर्दाबाद के नारे, राजस्थान में लोगों ने काली पट्टी बांधी

नई दिल्ली। देशभर में आज ईद मनाई जा रही है। इस दौरान अमेरिका-इजराइल और ईरान जंग का असर दौराने को मिला है। शिया समुदाय के लोगों ने श्रीनगर, भोपाल, जयपुर, अजमेर, सीकर, बंगाल के मुर्शिदाबाद और यूपी के संभल में नमाज के दौरान लोग काली पट्टी बांधकर पहुंचे। भोपाल के इमामबाड़ा में अयातुल्लाह अली खामेनेई की तस्वीर रखकर श्रद्धांजलि दी गई। तकरीर में मौलाना राजी उल हसन ने जुल्म के खिलाफ खड़े होने की बात कही। शिया समुदाय ने फतेहगढ़ इमामबाड़ा में काली ईद मनाई। नमाज के बाद अमेरिका और इजराइल मुर्दाबाद के नारे लगे। राजस्थान के जयपुर, सीकर, अजमेर सहित कई जिलों में काली पट्टी बांधकर नमाज अदा की गई। मस्जिदों पर काले झंडे लगाए गए थे। शिया समुदाय ने विरोध में आज नए कपड़े भी नहीं पहने। घरों में बनने वाले परंपरिक भोजन खीर, सेवइयां भी नहीं बनाई गईं। मस्जिदों में ईद की नमाज पढ़ने के लिए लोग इकट्ठे हो रहे हैं। ईद-उल-फित्र के मौके पर राजस्थान के अजमेर में ख्वाजा गरीब नवाज दरगाह शरीफ में सुबह 5 बजे दरगाह का 'जन्नती दरवाजा' खोला गया।

कांग्रेस एमएलए बोले-पार्टी विधायक चोरी-चोरी सीएम सैनी से मिलते हैं

फतेहाबाद। हरियाणा राज्यसभा चुनाव में क्रॉस वोटिंग में नाम आने और नोटिस जारी होने के बाद रतिया से कांग्रेस विधायक जरनैल सिंह ने नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा पर भड़ास निकाली है। उन्होंने कहा कि भूपेंद्र हुड्डा का नाम यहां जिंदा रखने की वजह से ही अशोक तंवर और कुमारी सैलजा से लड़ाई लड़ी। जरनैल सिंह ने CM नायब सैनी की भी खुलकर तारीफ की। बोले- नायब सैनी बहुत ही बढ़िया मुख्यमंत्री हैं, काम करने वाले हैं। पहले सीएम विपक्ष के विधायकों के घर नहीं जाते थे, लेकिन नायब सैनी ने इतिहास रचते हुए ये शुरुआत की है। कांग्रेस विधायक ने कहा- पार्टी के सभी विधायक चोरी-चोरी CM से मिलने जाते हैं, काम कराते हैं। 20 मार्च को ही कांग्रेस अनुशासन समिति ने जरनैल सिंह को नोटिस जारी कर क्रॉस वोटिंग पर 7 दिन में जवाब मांगा है। मीडिया से बातचीत में विधायक जरनैल सिंह ने कहा- नोटिस जारी होने और नाम उछालने से दिल टूटा है। 20 साल से चौधरी भूपेंद्र सिंह हुड्डा के साथ सच्चा सिपाही बनकर यहां उनके लिए लड़ाई लड़ता रहा हूं। मैंने अपनी वोट कांग्रेस पार्टी के उम्मीदवार को दी है। हुड्डा साहब को दिखाकर वोट दी है। जरनैल सिंह ने कहा, हुड्डा साहब का सबसे सच्चा सिपाही मैं हूं।

आज मुझे उनकी वफादारी का यह सिला मिला है। मैंने हुड्डा की वजह से ही कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष रहे अशोक तंवर के साथ लड़ाई लड़ी। बहन कुमारी सैलजा से लड़ाई लड़ी, ताकि हुड्डा का नाम यहां जिंदा रहे। इन लोगों ने मेरा क्या बिगाड़ा था। इन्होंने मंदभागी (गलत) बात की है। सीएम नायब सैनी की तारीफ करने के सवाल पर जरनैल सिंह ने कहा- उनकी तारीफ मैं अकेला नहीं करता। सारे एमएलए उनकी तारीफ करते हैं। उनके पास चोरी-चोरी सारे जाते हैं। उनसे काम लेते हैं। काम करवाने के लिए ही हम मिले हैं। अगर कोई हमारा काम करता है, तो हमें काम लेना चाहिए। जरनैल सिंह ने आगे कहा कि मैं पहले दो बार एमएलए रह चुका हूं। सरकार से पैसा लाकर बहुत विकास करवाया है। एमएलए की ग्रांट नहीं होती। मुख्यमंत्री नायब सैनी बहुत चंगे बंदे हैं, सबकी बात सुनते हैं। उन्होंने नया इतिहास रचा है। पहले कोई मुख्यमंत्री विपक्षी के घर नहीं गया। कभी कोई मरगत (निधन) पर भी नहीं गया। जरनैल सिंह ने कहा कि सीएम नायब सैनी सबके घर जाते हैं, चाहे कोई भी विधायक अपने बच्चे की शादी या कार्ड देकर आए, तो सबके यहां जाते हैं। बहुत ही बढ़िया मुख्यमंत्री है। उनका कार्यकाल बहुत ही शानदार है। जब उन्होंने पगड़ी बांधी थी, तब भी मैंने उनकी तारीफ की थी। बजट भी पगड़ी पहनकर पेश किया।

पंजाब- आप मंत्री का नाम लेकर अफसर ने सुसाइड किया

अमृतसर। पंजाब में आम आदमी पार्टी (AAP) सरकार के परिवहन मंत्री लालजीत भुल्लर का नाम लेकर सरकारी एजेंसी, वेयरहाउसिंग कॉरपोरेशन के अमृतसर में तैनात डिस्ट्रिक्ट मैनेजर (DM) गगनदीप सिंह रंधावा ने सुसाइड कर लिया। रंधावा ने जहर खाकर जान दे दी। मरने से पहले उन्होंने 12 सेकेंड का वीडियो जारी किया। इसमें कहा- खाली सल्फास, मिनिस्टर लालजीत भुल्लर के डर से, अब मैं नहीं बचता। इस घटना का पता चलते ही CM भगवंत मान ने मंत्री भुल्लर से इस्तीफा ले लिया। मामले की जांच चीफ सेक्रेटरी केएपी सिन्हा को सौंप दी गई है। वहीं, मंत्री लालजीत भुल्लर ने कहा कि आरोप झूठे हैं। जांच प्रभावित न हो, इसलिए मैंने पद छोड़ा है।

वरिष्ठ अकाली नेता बिक्रम मजीठिया और अमृतसर से कांग्रेस सांसद गुरजीत औजला ने कहा- फूड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया (FCI) ने मंत्री भुल्लर के इलाके में अनाज की स्टोरेज के लिए वेयरहाउस बनाया था। वेयरहाउस कॉर्पोरेशन इसकी नोडल एजेंसी थी। मंत्री लालजीत भुल्लर ने अपने पिता सुखदेव सिंह भुल्लर के नाम पर टेंडर अप्लाई किया। आरोप है कि जब पॉलिसी के हिसाब से मंत्री के पिता को टेंडर नहीं मिला तो उन्होंने घर बुलाकर DM गगनदीप सिंह रंधावा से मारपीट की। नंगा करके उसकी वीडियो बनाई। पत्नी-बच्चों को गैंगस्टरों से मरवाने की धमकी दी। वहीं, रंधावा के परिवार ने भुल्लर के खिलाफ केस दर्ज करने की मांग की और ऐसा न होने तक अस्पताल से डेडबॉडी नहीं उठाने का ऐलान किया। अमृतसर पुलिस कमिश्नरेट के ADCP शिरीवेनेला ने कहा कि वह रंधावा परिवार से बात कर रहे हैं।

पुलिसकर्मियों का आरोपियों के फोटो वीडियो अपलोड करना चिंताजनक

यह निष्पक्ष सुनवाई के लिए खतरा, इससे आरोपी की इमेज खराब होती है

एजेंसी, नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने मोबाइल से शूट वीडियो-फोटो को तुरंत सोशल मीडिया पर अपलोड करने के ट्रेंड पर कड़ी चिंता जताई है। कोर्ट ने कहा- इससे निष्पक्ष सुनवाई प्रभावित होती है और आरोपियों के खिलाफ पहले ही माहौल बन जाता है। सीजेआई सूर्यकांत, जस्टिस बागची और जस्टिस विपुल पंचोली की बेंच ने शुक्रवार को एक याचिका पर सुनवाई की। इसमें कहा गया है कि पुलिस आरोपियों के वीडियो और फोटो सोशल मीडिया पर डालकर लोगों के मन में पूर्वाग्रह पैदा कर रही है। याचिका हेमेंद्र पटेल ने दायर की है। याचिकाकर्ता ने कहा कि पुलिस आरोपियों की हथकड़ी लगी, रस्सियों से बंधी या अपमानजनक स्थिति वाली तस्वीरें सोशल मीडिया पर डाल रही है। इससे व्यक्ति की गरिमा को ठेस पहुंचती है और जनता में पूर्वाग्रह बनता है।कोर्ट ने इस पर सहमति जताते हुए इसे गंभीर चिंता का विषय माना है।

याचिकाकर्ता ने कहा- हर कोई खुद को मीडिया समझने लगा है: याचिकाकर्ता ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट पहले भी राज्यों को पुलिस

मीडिया ब्रीफिंग के लिए गाइडलाइन बनाने को कहा जा चुका है, जिसमें सोशल मीडिया पोस्ट भी शामिल होंगे। आज हर मोबाइल फोन रखने वाला व्यक्ति खुद को मीडिया समझने लगा है।

सीजेआई बोले- यह 'डिजिटल अरेस्ट' जैसा ट्रेंड: सीजेआई सूर्यकांत ने कहा- यह स्थिति डिजिटल अरेस्ट जैसी बनती जा रही है। छोटे शहरों में लोग खुद को मीडियाकर्मी बताकर गाड़ियों पर स्टीकर लगाते हैं और इसका गलत इस्तेमाल करते हैं। सुनवाई में यह भी सामने आया कि कुछ लोग 'सुप्रीम कोर्ट एडवोकेट' के स्टिकर लगाकर टोल टैक्स से बचने की कोशिश करते हैं।ॉ कोर्ट ने यह भी साफ किया कि जांच एजेंसी का काम निष्पक्ष रहना है वह न पीड़ित के पक्ष में होती है, न आरोपी के।

सुनवाई में सहारा बनाम सेबी केस का जिक्र: सुनवाई के दौरान सहारा बनाव सेबी केस का जिक्र हुआ, जिसमें मीडिया ट्रायल के खतरे पर सुप्रीम कोर्ट पहले ही चिंता जता चुका है। कोर्ट ने कहा कि आज सोशल मीडिया के कारण यह खतरा और बढ़ गया है, जिससे कानून का राज प्रभावित हो सकता है। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा सोशल मीडिया पर कुछ प्लेटफॉर्म ऐसे हैं जो 'ब्लैकमेलर' की तरह काम करते हैं और माहौल बिगाड़ते हैं।

कोर्ट बोला- अप्रैल के बाद दोबारा दायर करें याचिका: कोर्ट ने बताया कि पुलिस को मीडिया ब्रीफिंग के लिए SOP बनाने के लिए 3 महीने का समय दिया गया है। बेंच ने सुझाव दिया कि याचिका को अभी वापस लेकर अप्रैल के बाद, SOP लागू होने के बाद फिर से दायर किया जाए।

दिल्ली की मुख्यमंत्री ने यूपीएससी में सफल हुए 56 युवाओं को किया सम्मानित

एजेंसी, नई दिल्ली

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शनिवार को 'मुख्यमंत्री जनसेवा सदन' में आयोजित 'दिल्ली के गौरवः यूपीएससी अचीवर्स सम्मान समारोह 2026' में सिविल सेवा परीक्षा पास करने वाले 56 युवाओं को सम्मानित किया। इस कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने सफल उम्मीदवारों से बातचीत की, उनके अनुभवों, संघर्षों और सफलता के सफर के बारे में जाना, और उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए अपनी शुभकामनाएं दीं। दिल्ली सरकार द्वारा राजस्व विभाग के सहयोग से पहली बार आयोजित इस समारोह में उम्मीदवारों के माता-पिता भी मौजूद रहे। मुख्यमंत्री ने परिवार के सदस्यों से बातचीत करके उनके बच्चों की उपलब्धियों और भावनाओं को समझा। मुख्यमंत्री ने कहा कि अपनी अथक मेहनत, अनुशासन और अटूट दृढ़ संकल्प के माध्यम से इन युवाओं ने न केवल अपने परिवारों को बल्कि पूरे शहर और राष्ट्र को गौरवान्वित किया है। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि केवल एक व्यक्तिगत सफलता नहीं है, बल्कि राष्ट्र-निर्माण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि ये नवचयनित अधिकारी देश की प्रशासनिक व्यवस्था की रीढ़ के रूप में काम करेंगे और विकास योजनाओं को समाज के अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। उनका समर्पण, संघर्ष और सेवा-भाव आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगा। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि सिविल सेवाओं को केवल अधिकार पाने का ज़रिया नहीं, बल्कि एक सार्थक सेवा के अवसर के तौर पर देखा जाना चाहिए। उन्होंने कहा, "असली बदलाव तभी मुमकिन है, जब अधिकार के साथ-साथ कोई मकसद भी जुड़ा हो।

मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली सरकार राजधानी की शिक्षा व्यवस्था को और ज़्यादा मजबूत, सबको साथ लेकर चलने वाली और प्रतिस्पर्धी बनाने के लिए लगातार काम कर रही है, ताकि हर साल दिल्ली से बड़ी संख्या में आईएएस,आईपीएस और दूसरे अधिकारी निकलें।

कांग्रेस पार्टी का डीएनए दलित विरोधीः भाजपा

एजेंसी, नई दिल्ली

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता गुरु प्रकाश पासवान ने शनिवार को नई दिल्ली स्थित भारतीय जनता पार्टी के केंद्रीय कार्यालय में मीडिया को संबोधित करते हुए दिल्ली के उत्तम नगर में दलित युवक की हत्या पर राहुल गांधी के मौन को लेकर उनकी और कांग्रेस की जमकर आलोचना की।

भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि कांग्रेस संवेदनशीलता का ढोंग करती है और इन्हें जब भी तुष्टिकरण और सामाजिक न्याय के बीच चुनाव करना पड़ा तो इन्होंने केवल तुष्टिकरण चुना। पासवान ने कहा कि कांग्रेस पार्टी का डीएनए दलित विरोधी है और दलित समाज को कांग्रेस के साथ घुटन महसूस होती है। गुरु प्रकाश पासवान ने कहा कि दिल्ली के उत्तम नगर में जो दुर्घटना हुई है, उस पूरे विषय का राहुल गांधी द्वारा राजनीतीकरण किया जा रहा है। राहुल गांधी वहां जाते हैं जहां उन्हें राजनीतिक लाभ मिलता है, वो हाथरस जाते हैं लेकिन अभी तक वह उत्तम नगर नहीं गए। संवेदनशीलता का ढोंग करते हुए घटना के कई दिनों बाद बस एक ट्वीट के माध्यम से संवेदनाएं व्यक्त कीं गईं। राहुल गांधी आज संवेदन शून्य हो गए हैं, दलित समाज के एक नवयुवक की हत्या होती है, तो उनके मुंह में दही जम जाता है, जबकि मोहम्मद अखलाक के मामले में वो पहुंचे थे। प्रियंका गांधी और राहुल गांधी वहीं जाते हैं जहां उन्हें राजनीतिक अवसरवादिता सिद्ध होती नजर आती है। इसके पीछे एक योजना है, इसके पीछे कांग्रेस पार्टी की संस्थागत सोच है। अगर तुष्टिकरण और सामाजिक न्याय के बीच चयन की स्थिति हो तो कांग्रेस पार्टी का इतिहास बताता है कि उन्होंने हमेशा तुष्टीकरण को चुना है।

शिवकाशी विधानसभा क्षेत्र में रोजगार बनाम सुरक्षा बड़ा मुद्दा

तमिलनाडु चुनाव

एजेंसी, शिवकाशी

आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर तमिलनाडु के औद्योगिक शहर शिवकाशी, जिसे "कुट्टी जापान" के नाम से जाना जाता है, में राजनीतिक सरगर्मियां तेज हो गई हैं। तमाम दल अपनी-अपनी रणनीति बनाने में जुट गए हैं। ऐसे में यह सवाल अहम हो गया है कि यहां के मतदाताओं की अपेक्षाएं क्या हैं और पिछले चुनावी वादों पर कितना अमल हुआ है। दरअसल, शिवकाशी की पहचान देश के प्रमुख पटाखा उद्योग केंद्र के रूप में है, लेकिन यही उद्योग यहां की सबसे बड़ी चुनौती भी बन गया है। पटाखा फैक्ट्रियों में लगातार होने वाली दुर्घटनाएं लंबे समय से गंभीर चिंता का विषय बनी हुई हैं। बीते वर्षों में इन हादसों में कई मजदूरों की जान जा चुकी है, बावजूद इसके अब तक कोई स्थायी समाधान सामने नहीं आया है।

इसके अलावा, प्रदूषण, रासायनिक कचरे का निस्तारण, मौसमी रोजगार और मजदूरों के स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याएं भी स्थानीय लोगों के लिए अहम मुद्दे बने हुए हैं। यहां के मतदाताओं का

कहना है कि सरकारें बदलती रहीं, लेकिन जमीनी स्तर पर अपेक्षित सुधार नहीं हुआ। हालांकि, यह भी सच है कि शिवकाशी रोजगार का बड़ा केंद्र है। यहां हजारों पटाखा फैक्ट्रियों में करीब 7 लाख लोग सीधे और 3 लाख लोग अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार से जुड़े हैं। इस उद्योग का सालाना कारोबार लगभग 3,500 करोड़ रुपये है। दीपावली और पंगुनी पोंगल जैसे अवसरों पर मजदूरों को विशेष बोनस भी दिया जाता है।

इसके अलावा, कैलेंडर, नोटबुक और पाठ्यपुस्तकों की छपाई एवं बाइंडिंग का उद्योग भी यहां बड़े पैमाने पर संचालित होता है, जिसका वार्षिक कारोबार करीब 2,000 करोड़ रुपये है। सूखा-प्रभावित इलाकों में किसान मुख्यतः मक्का की खेती करते हैं। राजनीतिक दृष्टिकोण से देखें, तो विरुधुनगर जिले में स्थित शिवकाशी विधानसभा क्षेत्र में वर्ष 2021 के चुनाव में कांग्रेस उम्मीदवार अशोकन ने अखिल भारतीय अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (अन्नाद्रमुक) की लक्ष्मी गणेशन को 17,319 मतों से हराया था। करीब ढाई लाख मतदाताओं वाले इस क्षेत्र में 2021 के विधानसभा चुनाव में अशोकन को 78,947 वोट मिले थे, जबकि लक्ष्मी गणेशन को 61,628 मत प्राप्त हुए थे। तीसरे स्थान पर नाम तमिलर काची और चौथे स्थान पर अम्मा मक्कल मुनेत्र कषगम के उम्मीदवार रहे। यह सीट विरुधुनगर लोकसभा क्षेत्र के अंतर्गत आती है, जहां 2024 के लोकसभा चुनाव में भी कांग्रेस को बढ़त मिली थी।

राजनीतिक दृष्टि से अन्नाद्रमुक को इस क्षेत्र में पारंपरिक रूप से मजबूत माना जाता है, जिसने 1977 से अब तक करीब पांच बार जीत दर्ज की है। ऐसे में आगामी चुनाव में उसके लिए संभावनाएं बनी हुई हैं, हालांकि मुकाबला कड़ा रहने के आसार हैं। वर्ष 2026 के विधानसभा चुनाव में नाम तमिलर काची की ओर से डायना को उम्मीदवार घोषित किया गया है, जबकि अन्नाद्रमुक, द्रमुक और तमिलगा वेत्री कषगम ने अभी तक अपने प्रत्याशियों की घोषणा नहीं की है।

आसिम मुनीर की शिया धर्मगुरुओं को बोले- ईरान से मोहब्बत तो वहीं चले जाओ

एजेंसी, इस्लामाबाद

पाकिस्तान के सेना प्रमुख आसिम मुनीर ने गुरुवार को शिया धर्मगुरुओं से कहा कि जो लोग ईरान से इतना प्यार करते हैं, वे वहां चले जाएं। उनके इस बयान को शिया समुदाय के नेताओं ने अपमानजनक और भड़काऊ बताया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक मुनीर ने रावलपिंडी में शिया समुदाय की एक इफ्तार पार्टी में यह बात कही। उन्होंने कहा कि वे किसी को भी, किसी दूसरे देश के लिए अपनी वफादारी की वजह से, पाकिस्तान में अफरा-तफरी फैलाने की इजाजत नहीं देंगे। इससे पहले उन्होंने यह भी चेतावनी दी थी कि किसी दूसरे देश की घटनाओं के आधार पर पाकिस्तान में हिंसा बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इस बयान के बाद शिया समुदाय का कहना है कि यह उनकी देशभक्ति पर सवाल उठाने जैसा है। उनका मानना है कि यह बयान उनकी धार्मिक भावनाओं और पहचान को गलत तरीके से पेश करता है।

अचानक कार्यक्रम छोड़ गए मुनीर: रिपोर्ट्स के मुताबिक बैठक के बाद उलेमाओं से कहा गया था कि डिनर के बाद फिर से बातचीत होगी। लेकिन जनरल मुनीर अचानक कार्यक्रम छोड़कर चले गए। इससे शिया नेताओं को लगा कि उनके साथ न सिर्फ औपचारिक

पाक आर्मी चीफ शिया इफ्तार पार्टी में शामिल हुए थे

बल्कि व्यक्तिगत तौर पर भी अपमान किया गया है। शिया समुदाय के नेताओं ने इस विवाद के बाद कहा कि उनकी वफादारी पाकिस्तान और इस्लाम दोनों के प्रति है। उन्होंने यह भी याद दिलाया कि पाकिस्तान के निर्माण में शिया समुदाय का अहम योगदान रहा है। देश के कई बड़े नेता और संसाधन इस समुदाय से जुड़े रहे हैं। शिया नेताओं का कहना है कि मक्का, मदीना, इराक और ईरान जैसे धार्मिक स्थलों से उनका जुड़ाव उनकी आस्था का हिस्सा है। लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि उनकी देशभक्ति कम है। उन्होंने साफ कहा कि धार्मिक संबंधों को देशभक्ति से जोड़कर देखना गलत है।

पाकिस्तान में विरोध प्रदर्शनों से मुनीर नाराज: शिया धर्मगुरुओं का कहना है कि मुनीर के बयान से ऐसा लगा कि वे ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्लाह खामेनेई की मौत के बाद पाकिस्तान में हुए विरोध प्रदर्शनों के लिए शिया समुदाय को जिम्मेदार ठहरा रहे हैं। बैठक में मौजूद शिया नेताओं ने कहा कि मुनीर ने गिलगित-बाल्टिस्तान में हुई अशांति को सीधे शिया लीडरशिप से जोड़ दिया और पूरे समुदाय को जिम्मेदार ठहराया।

शिया धर्मगुरु मोहम्मद शिफा नजफी ने कहा कि उन्होंने वहीं पर मुनीर की बात का विरोध किया। उन्होंने कहा कि सभी शियाओं को इन घटनाओं के लिए जिम्मेदार ठहराना सही नहीं है। सभी को एक ही नजर से नहीं देखा जाना चाहिए। नजफी ने यह भी बताया कि पाकिस्तान की सेना में भी शिया मौजूद हैं और देश के संस्थापक मोहम्मद अली जिन्ना भी शिया थे। उनके मुताबिक, जब उन्होंने यह बात उठाई तो मुनीर के रवैये में थोड़ा बदलाव आया, लेकिन फिर भी उन्होंने कहा कि "अगर आप ईरान से इतना प्यार करते हैं, तो वहां चले जाएं, दरवाजे खुले हैं।"

मणिपुर के उखरुल-कांगपोकपी जिला के सीमावर्ती क्षेत्र में फायरिंग

एजेंसी, इंफाल

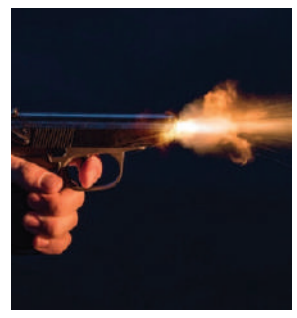

मणिपुर के उखरुल-कांगपोकपी जिला के सीमावर्ती इलाके में फायरिंग की दो अलग-अलग घटनाओं में एक महिला समेत दो आम नागरिक गंभीर रूप से घायल हो गए।

इहांग-बुंगपी वर्किंग कमेटी और कुकी सिविल सोसाइटी ऑर्गेनाइजेशन (सीएसओ) वर्किंग कमेटी (उखरुल) ने एक बयान जारी कर आरोप लगाया है कि संदिग्ध तांगखुल उग्रवादियों ने आज सुबह (शनिवार) दो बार फायरिंग की। पहली घटना सुबह-सुबह शांगखाई गांव में और दूसरी लेप्लेन-टिंगपिबुंग रोड पर हुई।

सबसे गंभीर घटना सुबह करीब 9:30 बजे हुई। उस समय, टिंगपिबुंग से लेप्लेन जा रहे एक ऑटो-रिक्शा सनाकेथेल दिशा से ऑटोमैटिक हथियारों से फायरिंग की चपेट में आ गया। इससे ऑटो-रिक्शा गोलियों की चपेट में आ गई और दो लोग घायल हो गए। घायलों में एक महिला है जिसे कमर में गोली लगी है। दोनों की हालत गंभीर बताई जा रही है।

इससे पहले, सुबह करीब 5:15 बजे, संदिग्ध उग्रवादियों ने शांगखाई गांव की तरफ 3 से 4 राउंड फायरिंग की। इससे इलाके में दहशत फैल गई। हालांकि, इस घटना में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है।

इहांग-बुंगपी वर्किंग कमेटी ने सुबह 9:30 बजे हुई इस घटना को बिना हथियार वाले आम लोगों पर प्लान किया गया हमला बताया। दूसरी ओर, कुकी सीएसओ वर्किंग कमेटी (उखरुल) ने इन घटनाओं की कड़ी निंदा की। उन्होंने कहा कि यह घटना ऐसे समय में हुई जब थेंगखिंग बाइटे और थांगबोइमांग लुंगकिम की मौत का दुख अभी कम नहीं हुआ था। कमेटी ने कहा कि उन्होंने प्रशासन के भरोसे पर 20 मार्च को बंद वापस लेकर सहयोग किया था। उन्होंने अधिकारियों से दोषियों की पहचान करने और उन्हें सज़ा दिलाने की मांग की ताकि भविष्य में ऐसी घटनाएं न हों।

एलपीजी संकट-राज्यों को 20% ज्यादा गैस मिलेगी, 23 मार्च से नई व्यवस्था लागू होगी

एजेंसी, नई दिल्ली

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने देश में जारी गैस संकट के बीच राज्यों को बड़ी राहत दी है। मंत्रालय के सचिव डॉ. नीरज मित्तल ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य सचिवों को पत्र लिखकर LPG सप्लाई बढ़ाने का निर्देश दिया है। 23 मार्च 2026 से राज्यों को अब पहले के मुकाबले 20% ज्यादा गैस दी जाएगी। इसके बाद राज्यों को मिलने वाली कुल सप्लाई संकट (प्री-क्राइसिस लेवल) से पहले के स्तर के 50% तक पहुंच जाएगी।

क्या है 'प्री-क्राइसिस लेवल'?: 'प्री-क्राइसिस लेवल' का मतलब उस समय से है जब देश में गैस संकट शुरू नहीं हुआ था। फिलहाल राज्यों को बहुत कम सप्लाई मिल रही थी, जिसे अब बढ़ाकर पुरानी डिमांड का आधा (50%) किया गया है। अमेरिका-इजराइल और ईरान जंग मिडिल ईस्ट से कच्चे तेल और गैस सप्लाई लगभग रुक गई है।

ढाबों, होटलों और इंडस्ट्रियल कैंटीन को मिलेगी प्राथमिकता: यह जो अतिरिक्त 20% गैस दी जाएगी, उसका इस्तेमाल चुनिंदा सेक्टरों के लिए प्राथमिकता के आधार पर किया जाएगा। डॉ. नीरज मित्तल के पत्र के अनुसार, यह सप्लाई मुख्य रूप से रेस्टोरेंट, ढाबों, होटलों और इंडस्ट्रियल कैंटीन को दी जाएगी। इसके पीछे सरकार का मकसद यह सुनिश्चित करना है कि खान-पान की सेवाओं और फूड इंडस्ट्री पर संकट का असर कम से कम हो। गैस की अतिरिक्त

खेप का फायदा फूड प्रोसेसिंग यूनिट्स और डेयरी सेक्टर को भी मिलेगा। इसके अलावा राज्य सरकारों या स्थानीय निकायों द्वारा चलाई जा रही सब्सिडी वाली कैंटीन और आउटलेट्स को भी इसमें शामिल किया गया है। सामुदायिक रसोई को भी प्राथमिकता सूची में रखा गया है ताकि आम लोगों तक भोजन की पहुंच बनी रहे। मंत्रालय ने प्रवासी मजदूरों की जरूरतों का भी ख्याल रखा है।

पेट्रोलियम मंत्रालय ने कहा- ढाबों और होटलों को प्राथमिकता दें

पत्र में कहा गया है कि 5 किलो वाले फ्री ट्रेड एलपीजी (FTL) सिलेंडर प्रवासी मजदूरों को उपलब्ध कराया जाए। सचिव ने राज्यों को सख्त निर्देश दिए हैं कि इस अतिरिक्त आवंटन की कालाबाजारी या डायवर्जन (गलत इस्तेमाल) न हो, इसके लिए ठोस कदम उठाए जाएं। यह नई आवंटन व्यवस्था 23 मार्च से शुरू होकर अगले नोटिफिकेशन तक लागू रहेगी। फिलहाल देश एलपीजी की कमी से जूझ रहा है, ऐसे में 50% तक की बहाली को एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। सरकार स्थिति की लगातार निगरानी कर रही है ताकि आने वाले समय में इसे संकट से पहले वाले सामान्य स्तर (100%) तक ले जाया जा सके।

क्यों बने ऐसे हालात?: ईरान पर अमेरिका और इजराइल ने संयुक्त रूप से 28 फरवरी 2026 को हमला कर दिया था । दोनों देशों ने मिलकर ईरान के कई सैन्य ठिकानों, मिसाइल साइटों, परमाणु सुविधाओं और नेतृत्व पर सैकड़ों हवाई हमले किए। इन हमलों में ईरान के सुप्रीम लीडर अली खामेनी समेत कई उच्च अधिकारी मारे गए। अमेरिका ने इसे ऑपरेशन एपिक फ्यूरी नाम दिया। इस युद्ध के कारण स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में तनाव और आपूर्ति बाधित हुई। यहां से भारत का 80-85% LPG आयात होता है।

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159

बीसीसीआई ने चयन समिति को अगले एकदिवसीय विश्वकप की तैयारियों में लगाया

एजेंसी, मुम्बई

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने अभी से अगले एकदिवसीय विश्वकप के लिए टीम की तैयारियों पर नजर रखना शुरु कर दिया है। इसी के तहत ही इस बार अजित अगरकर की अध्यक्षता वाली चयन समिति को आईपीएल में खेल रहे उन खिलाड़ियों पर नजर रखने को कहा है जो एकदिवसीय विश्वकप के लिए संभावितों में शामिल हैं। इससे साफ है कि विराट कोहली और रोहित शर्मा के प्रदर्शन पर भी नजरें रहेंगी। ये दोनो ने ही एकदिवसीय विश्वकप खेलने की इच्छा जतायी है। पांच राष्ट्रीय चयनकर्ता इन खिलाड़ियों के प्रदर्शन को देखेंगे। चयनसमिति में एस.एस दास, आर.पी सिंह, अजय रात्रा और प्रज्ञान ओझा शामिल हैं। एकदिवसीय विश्वप अक्टूबर और नवंबर 2027 में दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया में खेला जाने वाला है। इसी के लिए चयनकर्ता अपने-अपने क्षेत्रों में मैच देखेंगे। अगरकर मुंबई में रहते हैं, दास कोलकाता में जबकि आरआर सिंह और रात्रा एनसीआर में, और ओझा बेंगलुरु और हैदराबाद में आईपीएल मैच देखेंगे। बोर्ड चाहता है कि हर चयनकर्ता सप्ताह में कम से कम एक मैच देखे, वहीं बेच हुए मैच टीवी पर देखे जा सकते हैं। इस दौरान चयनकर्ता किसी नए आईपीएल स्टार को एकदिवीसय कप के लिए नहीं देखेंगे। वे केवल उन विशेष खिलाड़ियों पर नजर रखेंगे जो एकदिवसीय विश्वकप के लिए टीम में रखे जाने है। तेज गेंदबाज हर्षित राणा अभी तक फिट नहीं होने के कारण आईपीएल से बाहर हैं ऐसे में बचे हुए चार तेज गेंदबाजों जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, अर्शदीप सिंह और ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या पर सबकी नजरें रहेंगी। चयन पैनल बीसीसीआई की उपसमिति और चयनकर्ताओं का अनुबंध इस साल सितंबर तक है। अगरकर का अनुबंध सितंबर में समाप्त होना है। ऐसे में बीसीसीआई देखेगा कि अगरकर को आगे भी रखा जाये या किसी अन्य को ये जिम्मेदारी दी जाये। नियमों के अनुसार एक वरिष्ठ चयनकर्ता चार साल तक रह सकता है और उसे करार आगे बढ़ाने के लिए अनुरोध करने की जरूरत नहीं होती है। अगरकर जुलाई 2023 में चयनसमित के अध्यक्ष बने थे ऐसे में अगले साल सितबंर में उनके चार साल हो जाएंगे।

एएफसी महिला एशियन कप 2026: जापान ने ऑस्ट्रेलिया को 1-0 से हराकर तीसरी बार जीता खिताब

एजेंसी, सिडनी

जापान की महिला फुटबॉल टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए शनिवार को ऑस्ट्रेलियाई महिला टीम को 1-0 से हराकर एएफसी महिला एशियन कप 2026 का खिताब अपने नाम कर लिया। यह जापान का तीसरा एशियन कप खिताब है। फाइनल मुकाबला सिडनी के स्टेडियम ऑस्ट्रेलिया में खेला गया, जहां रिकॉर्ड 74,357 दर्शक मौजूद रहे। जापान की जीत की नायिका माइका हमानो रहीं, जिन्होंने 17वें मिनट में शानदार लंबी दूरी का गोल दागकर मैच का एकमात्र गोल किया। टॉटनहैम क्लब से खेलने वाली हमानो का यह गोल ऑस्ट्रेलिया के लिए हार का कारण बना। जापान ने इससे पहले 2014 और 2018 में भी खिताब जीता था और दोनों बार फाइनल में ऑस्ट्रेलिया को ही 1-0 से हराया था। यह टूर्नामेंट दर्शकों की भारी मौजूदगी के कारण भी ऐतिहासिक रहा। पूरे टूर्नामेंट में 3.5 लाख से अधिक दर्शक स्टेडियम पहुंचे, जो 2010 (चीन) के पिछले रिकॉर्ड से करीब छह गुना ज्यादा है। यह एशियन कप अगले साल ब्राजील में होने वाले महिला विश्व कप के क्वालीफायर के रूप में भी अहम रहा। इस टूर्नामेंट से जापान, ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण कोरिया, चीन, उत्तर कोरिया और फिलीपींस ने विश्व कप के लिए क्वालीफाई किया। मैच की शुरुआत में ऑस्ट्रेलिया ने आक्रामक खेल दिखाया और 11वें मिनट में कैटलिन फोर्ड के पास गोल करने का सुनहरा मौका था, लेकिन उनका शॉट जापान की गोलकीपर अयाका यामाशिता ने आसानी से रोक लिया। इसके बाद जापान ने 17वें मिनट में बढ़त बना ली, जिसे अंत तक कायम रखा। दूसरे हाफ में ऑस्ट्रेलिया ने बराबरी के लिए लगातार प्रयास किए, लेकिन जापान की मजबूत डिफेंस के आगे सफल नहीं हो सका। मैच के अंतिम क्षणों में अलाना कैनेडी ने बराबरी का शानदार मौका बनाया, लेकिन वह भी गोल में तब्दील नहीं हो सका। जापान ने पूरे टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन किया, जहां उसने छह मैचों में 29 गोल किए और सिर्फ एक गोल खाया, जिससे उसने एशिया की नंबर-1 टीम होने का दम फिर साबित किया।

वैभव को मीडिया से दूर रहते हुए खेल पर ही ध्यान देना चाहिये : रियान

» दबाव में न आते हए निडर होकर खेलें

एजेंसी, जयपुर

राजस्थान रॉयल्स के नये कप्तान रियान पराग ने कहा है कि टीम के उभरते हुए बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को इस माह के अंत में शुरु हो रहे आईपीएल सत्र में मीडिया से दूरी बनाये रखते हुए अपनी बल्लेबाजी पर ही ध्यान देना चाहिये। रायल्य की टीम 30 मार्च को अपने आईपीएल अभियान की शुरुआत चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के खिलाफ मुकाबले से करेगी। आईपीएल में पिछले सत्र में वैभव ने जबरदस्त प्रदर्शन किया था और रियान को उम्मीद है कि वह इस बार भी ऐसा ही प्रदर्शन करेंगे। पराग के अनुसार वैभव पर सभी की नजरें रहेंगी। ऐसे में उन्हें दबाव से बचना होगा। उन्होंने कहा, "इस साल स्वाभाविक रूप से इस उभरते खिलाड़ी पर दबाव रहेगा पर मेरा मानना है कि उसे किसी भी बात पर ध्यान दिये बिना निडर होकर खेलना चाहिये। उसे किसी बात की चिंता नहीं करते हुए अपना स्वाभाविक खेल खेलना है। कप्तान के तौर पर मैं उसे कहूंगा कि वह मीडिया से दूर रहकर खेल पर ही ध्यान दें।" उन्होंने पिछले आईपीएल सत्र में पहली ही गेंद पर छक्का लगाया था। इसके बाद गुजरात टाइटंस के खिलाफ 35 गेंद में शतक लगाया था। इसके अलावा अंडर-19 विश्व कप में भी बेहतर प्रदर्शन किया था। वैभव के लिए ये सत्र आसान नहीं रहेगा। इसका कारण है कि विरोधी टीमों के निशाने पर वह रहेंगे। उनकी कमजोरियों पर इन टीमों के गेंदबाज प्रहार करेंगे। पूर्व क्रिकेटर लक्ष्मीपति बालाजी ने कहा, "दूसरा सत्र किसी भी बल्लेबाजी के लिए हमेशा कठिन होता है। वहीं वैभव का लक्ष्य इस बार सबसे अधिक स्कोर का क्रिस गेल का रिकार्ड तोड़ना रहेगा।

टी20 विश्वकप में शुभमन ने मजाक में कही बात से बढ़ाया था अभिषेक का हौंसला

एजेंसी, नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट टीम के युवा सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा के लिए आईसीसी टी20 विश्व कप की शुरुआत अच्छी नहीं रही और वह लगातार तीन मैचों में अपना खाता नहीं खोल पाने की कड़वी यादें भूल नहीं पा रहे थे तभी उनके साथ क्रिकेट शुभमन गिल ने मजाकिया अंदाज में एक ऐसी बात कही थी जिससे अभिषेक का हौंसला तो बढ़ा ही साथ ही उनके अंदर उत्साह भी जाग गया। ये खुलासा बीसीसीआई के नमन अवॉर्ड्स समारोह में अभिषेक ने किया। इसमें जब शुभमन से पूछा गया कि उन्होंने टूर्नामेंट से पहले अभिषेक को कोई सलाह दी थी तो शुभमन ने हंसते हुए कहा कि नंबर एक टी20 बल्लेबाज को कौन सलाह दे सकता है भला। तभी अभिषेक ने कहा कि जब उन्होंने टूर्नामेंट की शुरुआत में लगातार तीन बार शून्य बनाया तो उन्होंने शुभमन को मैसेज किया था कि मुझे कोई बल्ला दे दे, इससे पहले कि कोई और रिकॉर्ड बन जाए। तक शुभमन ने बोला था, तू कर लेगा। हंसी मजाक में कही इस छोटी सी बात से अभिषेक का मनोबल बढ़ गया था। शुभमन ने तब अभिषेक की खराब फॉर्म को कोई समस्या नहीं मानते हुए उन्हें ऐसा खिलाड़ी माना जो स्वयं ही खराब दौर से बाहर आ जाएगा। इसके बाद जब अभिषेक से पूछा गया कि उन्हें किसका बल्ला सबसे ज्यादा पसंद है। तब . उन्होंने कहा कि शुभमन का। इसके बाद जब शुभमन से पूछा किया कि तो उन्होंने कहा कि ये हमेशा मेरा बल्ला मांगकर ही खेलता है। शुभमन और अभिषेक घरेल क्रिकेट में लंबे समय से एकसाथ खेले हैं। ऐसे में इनमें गहरी दोस्ती भी है। अभिषेक को हालांकि भारतीय टीम में जगह बनाने में काफी समय लग गया

आईपीएल में खिलाड़ियों के प्रदर्शन पर रहेंगी चयन समिति की नजरें

एजेंसी, नई दिल्ली

इस माह के अंत में शुरु होने वाले इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) पर चयन समिति की भी नजरें बनी रहेंगी। चयन समिति अगले साल होने वाले एकदिवसीय विश्वकप को देखते हुए इसमें से प्रतिभाशाली खिलाड़ियों पर नजर रख सकती है। समिति का लक्ष्य कम से कम 20 संभावित खिलाड़ियों की तलाश रहेगी। अगला विश्व कप दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया में 2027 अक्टूबर नवंबर खेला जाएगा। चयन समिति के सदस्य अपने क्षेत्रों में मैचों के दौरान उपस्थित रहेंगे। लीग के पहले मैच में गत विजेता रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू का सामना सनराइजर्स हैदराबाद से होगा। मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर मुंबई में रहते हैं जबकि दास कोलकाता के रहने वाले हैं। आर पी और रात्रा राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में रहते हैं जबकि ओझा अपने हिस्से के आईपीएल मैच बेंगलुरू और हैदराबाद में देखेंगे। एक बोर्ड अधिकारी ने कहा, बीसीसीआई चाहता है कि हर चयनकर्ता कम से कम हर सप्ताह एक मैच देखे जिससे पांच मैच प्रति सप्ताह हो जाएंगे। इसके अलावा टीवी पर मैच देख सकते हैं। टी20 विश्व कप 2028 और उसी साल ओलंपिक को देखते हुए इस साल आईपीएल में उन 20 खिलाड़ियों को तलाशने पर नजर होगी जो 50 ओवरों का विश्व कप खेलेंगे। चयन समिति इसके अलावा 6ह से 10 जून तक अफगानिस्तान के खिलाफ एकमात्र टेस्ट के लिए भी सर्वश्रेष्ठ टीम उतरने पर विचार कर रही है।

संक्षिप्त

पथिराना के आईपीएल खेलने की संभावना से केकेआर को मिली राहत

कोलंबो। श्रीलंकाई तेज गेंदबाज मथीशा पथिराना की इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में खेलने की संभावनाएं बढ़ गयी हैं। पाथिराना को श्रीलंकाई क्रिकेट बोर्ड ने फिट घोषित कर दिया है। बोर्ड के सचिव बंदुला दिसानायके ने कहा है कि पथिराना फिट हो गये है और उसे आईपीएल में खेलने के लिए एनओसी भी दे दी गयी है। पथिराना के फिट होने से उनकी आईपीएल फ्रैंचाइजी कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) को भी राहत मिली है। वह टी20 विश्वकप के दौरान पिंडली की चोट से परेशान थे। इससे केकेार की भी परेशानी बढ़ गयी थी। वहीं अब उनका फिट होने से टीम का गेंदबाजी आक्रामक बेहतर होगा। केकेआर का गेंदबाजी आक्रमक पहेल ही हर्षित राणा के बाहर होने से कमजोर हुआ था। इसके अलावा टीम से बांग्लादेशी गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान को पहले ही बाहर कर दिया गया था। ऐसे में उसके लिए पथिराना की वापसी जरुरी हो गयी थी। टीम ने हालांकि विकल्प के तौर पर जिम्बाब्वे के तेज़ गेंदबाज़ ब्लेसिंग मुजरबानी को शामिल किया है,। इसके अलावा आकाश मधवाल और नवदीप सैनी को भी रखा है पर पथिराना जैसा गेंदबाज उसके पास नहीं था। पथिराना अपने अजीब एक्शन और यॉर्कर के कारण किसी भी मुकाबले में अंतर पैदा कर देते हैं। कठिन हालातों में विकेट निकालने की उनकी क्षमताएं उन्हें एक अलग तरह का गेंदबाज बनाती है। ऐमें में उनके आने से केकेआर की गेंदबाज बेहतर होगी।

विश्व एथलेटिक्स इंडोर चैंपियनशिप कुजावी-पोमोर्जे 2026: पहले दिन अमेरिका का दबदबा

एजेंसी, कुजावी-पोमोर्जे

विश्व एथलेटिक्स इंडोर चैंपियनशिप कुजावी-पोमोर्जे 2026 के पहले दिन (शुक्रवार) चार रोमांचक फाइनल मुकाबलों में खिताबों का फैसला हुआ। उद्घाटन दिवस पर खिलाड़ियों ने बेहतरीन प्रदर्शन कर प्रतियोगिता को शानदार शुरुआत दी।

60 मीटर दौड़ में जॉर्डन एंथनी का स्वर्ण- अमेरिका के 21 वर्षीय धावक जॉर्डन एंथनी ने अपने पहले अंतरराष्ट्रीय चैंपियनशिप में ही शानदार प्रदर्शन करते हुए पुरुषों की 60 मीटर दौड़ 6.41 सेकंड में पूरी कर स्वर्ण पदक जीता। उन्होंने अनुभवी खिलाड़ियों को पीछे छोड़ते हुए यह उपलब्धि हासिल की।

गोला फेंक में चेस जैक्सन बनीं विजेता- अमेरिका की चेस जैक्सन ने गोला फेंक स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतकर देश को दिन का दूसरा स्वर्ण दिलाया। बाहरी प्रतियोगिताओं की दो बार की विश्व विजेता जैक्सन का यह पहला इंडोर वैश्विक खिताब है।

ऊंची कूद में यारोस्लावा महुचिख का दबदबा कायम- ओलंपिक चैंपियन यारोस्लावा महुचिख ने 2.01 मीटर की छलांग लगाकर ऊंची कूद का खिताब अपने नाम किया। इस स्पर्धा में तीन खिलाड़ियों ने संयुक्त रूप से रजत पदक जीता।

तिहरी कूद में एंडी डियाज ने खिताब बरकरार रखा- तिहरी कूद में एंडी डियाज ने 17.47 मीटर की शानदार छलांग लगाकर अपना खिताब बचाया। वह 2004 के बाद लगातार दो बार यह खिताब जीतने वाले पहले खिलाड़ी बने। पहले दिन के मुकाबलों ने यह स्पष्ट कर दिया कि इस प्रतियोगिता में आगे भी कड़े और रोमांचक मुकाबले देखने को मिलेंगे।

आईपीएल 2026: विराट कोहली ने आरसीबी खिलाड़ियों को दी चेतावनी, कहा-चुनौतियां और ज्यादा कठिन

एजेंसी, बेंगलुरु

इंडियन प्रीमियर लीग 2026 की शुरुआत से पहले डिफेंडिंग चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने अपनी तैयारियां तेज कर दी हैं। टीम के पूर्व कप्तान विराट कोहली ने साथियों को आगाह किया है कि इस सीजन में टीम के सामने चुनौतियां और ज्यादा कठिन होने वाली हैं। आरसीबी, जिसने 2025 में अपना पहला आईपीएल खिताब जीता था, 28 मार्च को बेंगलुरु के एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ मुकाबले से अपने अभियान की शुरुआत करेगी। इसके बाद टीम 5 अप्रैल को पांच बार की चैंपियन चेन्नई सुपर किंग्स से घरेलू मैदान पर भिड़ेगी। शनिवार को आरसीबी ने चिन्नास्वामी स्टेडियम में अपना पहला अभ्यास सत्र किया। इस दौरान कोहली ने खिलाड़ियों के एक छोटे समूह से बातचीत करते हुए कहा कि पिछले दो-तीन सीजन की कड़ी मेहनत के बाद टीम ने जो हासिल किया, उसे बनाए रखना अब और कठिन होगा क्योंकि बाकी टीमें उन्हें हराने के लिए पूरी ताकत लगाएंगी। कोहली ने खिलाड़ियों से अपील की कि वे शुरुआत से ही पूरी गंभीरता दिखाएं। उन्होंने कहा, "हम इन दिनों को बेकार नहीं जाने दे सकते। हमें हर सत्र में अपना 120 प्रतिशत देना होगा और एक भी मिनट की बर्बादी नहीं करनी चाहिए।" टीम के नए खिलाड़ियों का स्वागत हेड कोच एंडी फ्लावर ने किया, जिसके बाद कोहली ने सभी को प्रेरित किया। नीलामी में आरसीबी ने वेंकटेश अय्यर, मेंगेश यादव, जॉर्डन कॉक्स, विक्की ओस्टवाल और सात्विक देसवाल जैसे खिलाड़ियों को शामिल कर टीम को और मजबूत किया है। कोच फ्लावर ने टीम संयोजन पर संतोष जताते हुए कहा कि इस बार स्क्वाड पहले से ज्यादा संतुलित है। उन्होंने कहा, "हमारे पास अब जर्सी पर स्टार है, जो गर्व की बात है, लेकिन पिछला सीजन खत्म हो चुका है। अब हमारे सामने नई चुनौती है और हम इसे जीतने के इरादे से मैदान में उतरेंगे।"

अर्जेंटीना फीफा विश्व कप 2026 से पहले 31 मार्च को ज़ाम्बिया से खेलेगा फ्रेंडली मैच

एजेंसी, ब्यूनस आयर्स

अर्जेंटीना फीफा विश्व कप 2026 की तैयारियों के तहत मैत्री मैच खेलेगा। अर्जेंटीना फुटबॉल संघ ने शुक्रवार को घोषणा करते हुए बताया कि टीम जाम्बिया से भिड़ेगी, जबकि पहले यह मैच ग्वाटेमाला के खिलाफ प्रस्तावित था। पहले अर्जेंटीना को इस महीने कतर में स्पेन के खिलाफ 'फाइनलिसिमा' और मेजबान टीम के खिलाफ मुकाबला खेलना था। ये दोनों मुकाबले कतर फुटबॉल उत्सव का हिस्सा थे और फाइनलिसिमा मैच लुसैल स्टेडियम में आयोजित होना था, जहां लियोनेल मेसी ने पिछला विश्व कप जीता था। हालांकि, पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के कारण इस टूर्नामेंट को रद्द कर दिया गया, जिसके बाद अर्जेंटीना को अपनी योजना में बदलाव करना पड़ा। इसके बाद विश्व चैंपियन टीम ने तय किया कि वह अपने दोनों मैत्री मुकाबले घरेलू मैदान पर ही खेलेगी। ये मुकाबले 27 और 31 मार्च को ब्यूनस आयर्स में आयोजित होंगे। फीफा के नियमों के अनुसार, कोई भी टीम एक ही अंतरराष्ट्रीय अवधि में दो अलग-अलग महाद्वीपों में मुकाबले नहीं खेल सकती। इसी वजह से ग्वाटेमाला की जगह अब जाम्बिया को शामिल किया गया है। अर्जेंटीना फुटबॉल संघ के अनुसार, मुख्य कोच लियोनेल स्कालोनी के मार्गदर्शन में टीम 31 मार्च को रात 8:15 बजे ला बोम्बोनेरा स्टेडियम में जाम्बिया के खिलाफ मैदान में उतरेगी। साथ ही संघ ने ग्वाटेमाला फुटबॉल महासंघ का आभार व्यक्त किया, जिसने नियमों की बाधाओं के बावजूद सहयोग की इच्छा जताई।

इरफान पठान की पसंदीदा सीएसके टीम में धोनी को नहीं मिली जगह, सरफराज शामिल

एजेंसी, नई दिल्ली

पूर्व क्रिकेटर इरफान पठान ने आईपीएल के 19 वें सत्र के लिए चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की अपनी पसंदीदा अंतिम ग्यारह चुनी है। हैरानी की बात है कि इरफान ने इस टीम में पांच बार टीम को खिताब जिताने वाले कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी को शामिल नहीं किया है। इरफान ने इसमें धोनी की जगह पर सरफराज खान को रखा है। रुतुराज गायकवाड़ को कप्तान बनाया है पर जिस प्रकार से उन्होंने टीम में धोनी को जगह नहीं दी है उससे सभी हैरान हैं।सीएसके टूर्नामेंट के अपने पहले मैच में राजस्थान रॉयल्स से खेलेगी। इरफान का कहना है कि नंबर-6 पर बल्लेबाजी के लिए सरफराज सही विकल्प हैं। साथ ही कहा कि धोनी अगर बल्लेबाजी में कोई बड़ी जिम्मेदारी उठाने को तैयार हैं तो ठीक है नहीं तो सरफराज को नंबर-6 पर अवसर मिलना चाहिए। उन्होंने कहा, 'अगर धोनी कहते हैं कि वो नियमित खेलेंगे तो बात अगल है पर अगर उनका खेलना तय नहीं है तो विकल्प जरुरी है। सवाल उठता है कि क्या वो हर मैच खेलेंगे या नहीं? मैं काफी समय से कह रहा हूं कि उनका केवल दो ओवर के लिए मैदान में आना उनके प्रशंसकों को तो अच्छा लगता है, लेकिन टीम को इसका ज्यादा लाभ नहीं मिलता। अगर धोनी को खेलना है, तो उन्हें चार ओवर खेलने चाहिए, तभी टीम को लाभ होगा। अगर वो नहीं खेलते हैं, तो वह भी ऐसी टीम चाहेंगे जिसमें बल्लेबाजों को पूरा अवसर मिले?'

इरफान पठान की पसंदीदा टीम- आयुष म्हात्रे, रुतुराज गायकवाड़ (कप्तान), संजू सैमसन (विकेटकीपर), शिवम दुबे, डेवाल्ड ब्रेविस, सरफराज खान, कार्तिक शर्मा, प्रशांत वीर, अकील हुसैन, मैट हेनरी, नूर अहमद, खलील अहमद (इम्पैक्ट प्लेयर)!

RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159

पुरानी धरोहरों, पेंटिंग्स को संरक्षित करता है आर्ट रेस्टोरर

आर्ट रेस्टोरर बनने के लिए सबसे अच्छा कोर्स नेशनल म्युजियम इंस्टीटयूट (डीम्ड युनिवर्सिटी) से किया जा सकता है। दिल्ली में स्थित यह मशहूर म्युजियम दो साल की मास्टर्स डिग्री यानी एमए इन कंजरवेशन साइंस देता है। इसके बाद आप एक आर्ट रेस्टोरर बन जाएंगे।

दिन बदलते हैं, सदियां गुजरती हैं, लोग चले जाते हैं, पर तब भी कई चीजें ऐसी होती हैं, जो पुरानी यादों और पुराने लोगों की याद ताजा कराती रहती हैं। ऐसे में आर्ट कंजरवेशन बहुत जरूरी भूमिका निभाता है। इसके तहत एक आर्ट रेस्टोरर पुरानी धरोहरों, पेंटिंग्स आदि को दोबारा उसी रूप में संरक्षित कर देता है, जैसी वे सदियों पूर्व हुआ करती थीं। उदाहरण के लिए आपके घर में कोई पेंटिंग है, जो 100 साल या फिर 50 साल या इससे भी अधिक पुरानी है। उस पर धूल जम गई है, उसकी चमक फीकी पड़ गई है। उसे देख कर ऐसा लगता है कि अब उसका कोई उपयोग नहीं रह गया। पर वह पेंटिंग आपके दिल के करीब है तो ऐसे में आप किसी आर्ट रेस्टोरर के पास जाकर उसे पुन- उसी रूप में ला सकते हैं, जैसे कि वह वर्षों पहले हुआ करती थी। लाल किला, कुतुब मीनार, ताजमहल जैसी ऐतिहासिक धरोहरों को सुरक्षित रखने के लिए आर्ट रेस्टोरर अहम भूमिका निभाते हैं।

आर्ट रेस्टोरर बनने के लिए सबसे अच्छा कोर्स नेशनल म्युजियम इंस्टीटयूट (डीम्ड युनिवर्सिटी) से किया जा सकता है। दिल्ली में स्थित यह मशहूर म्युजियम दो साल की मास्टर्स डिग्री यानी एमए इन कंजरवेशन साइंस देता है। इसके बाद आप एक आर्ट रेस्टोरर बन जाएंगे। कुछ प्राइवेट संस्थानों ने भी यह कोर्स शुरू किया है, पर नेशनल म्युजियम के आगे वे कहीं भी नहीं टिकते। इस कोर्स के दौरान आपको पेंटिंग रेस्टोरेशन, मेटल वर्क, टेक्सटाइल, पेपर वर्क और मैन्यू स्क्रिप्ट आदि के बारे में ऐसी जानकारी दी जाएगी कि आप इन विषयों के डॉक्टर बन जाएंगे। यह कला से जुड़ा काम है, इसलिए मेहनत इसकी पूंजी है। लकड़ी के फ्रेम तैयार करना या फिर किसी मॉन्यूमेंट की दीवारों पर बांस की बल्ली के सहारे जाकर काम करना, ये सब इसमें शामिल है।

इस कोर्स को करने के बाद आपको आर्ट गैलरी, म्युजियम सहित कई जगहों पर काम मिल जाएगा। शुरू में आपको अनुभव के लिए किसी अच्छे आर्ट रेस्टोरर के साथ काम करना पड़ेगा। अनुभव होने के बाद आप अपना प्राइवेट स्टूडियो शुरू करने के साथ-साथ विदेशों में भी काम कर सकते हैं। स्कूलों और कॉलेजों की लाइब्रेरी भी आपको मौका दे सकती है। हां अब कई बड़ी कंपनियां आर्ट रेस्टोरर को बतौर कर्मचारी भी नियुक्त कर रही हैं। आर्ट रेस्टोरर बन कर आप लाखों रुपये महीने तक कमा सकते हैं। कला के शौकीनों के लिए अहम भूमिका निभाने वाले आर्ट कंजरवेटरों की कमी होने के कारण बहुत से लोग इनसे समय लेकर इंतजार करते हैं।

ऑफिस में परफॉर्मेंस सुधारने काम करते हैं इमोशंस

खुशी, दुख, चिंता, गुस्साऱे हर इमोशन आपके किसी न किसी तरह के काम में आपकी परफॉर्मेंस के लिए अच्छे होते हैं। आइए जानते हैं इन इमोशंस का अधिक प्रभावी ढ़ंग से किस तरह उपयोग किया जाए। हालांकि हमने इस बारे में नहीं सोचा होगा कि जो कि काम हम करते हैं, भले ही वह कलिग के ई-मेल का जवाब देना हो या सप्लायर के साथ निगोशिएशन करना हो, हम कई तरह के इमोशंस जैसे खुशी, दुख, चिंता, गुस्सा, गर्व, उत्साह अपने अंदर पाते हैं। कई बार यह इमोशंस हमें हमारी परफॉर्मेंस सुधारने काम करते हैं।

चिंता : प्रेजेंटेशन के लिए तैयार

हमें चिंता भले ही निगेटिव इमोशन लगे लेकिन यह एक हाई अलर्ट है और हम अपने राह में आने वाले सभी चीजों के लिए तैयार रहते हैं। अब भले ही वह हमारा प्रेजेंटेशन हो या सेल्स कॉल। आप भले ही इस चिंता के भाव से दूर जाना चाहते हों लेकिन एक बार आप इसके फायदें जान लेंगे तो इसके लिए आभारी रहेंगे। अगले बार जब भी आप नर्वस या चिंता महसूस करें तो यह छुपा हुआ रिएक्शन देखें 'नहीं, मैं नर्वस नहीं हूं। मैं अलर्ट हूं और प्रतिक्रिया के लिए तैयार हूं।'

अच्छा महसूस होना : क्रिएटिविटी में फायदा

एक पॉजिटिव मूड नई बातें सीखने, क्रिएटिव होने और कम क्रिटकिल होने में उपयोगी साबित होता है। पॉजिटिव इमोशन से क्रिएटिविट झलकती है। अगर आप कम महत्वपूर्ण चीजों को आसानी से करना चाहते हैं तो पॉजिटवि मूड मदद कर सकता है। आपने नोटिस किया होगा कि जब आप कोई फैसला लेने वाले होते हैं तो अच्छे मूड में ही होते हैं। अपनी आंखे बंद कीजिए और उन चीजों को याद करें जो आपको आमतौर पर खुशी देती है जैसे कोई पसंदीदा टीवी शो, दोस्त के साथ बातचीत, किताब पढ़ते हुए रिलेक्सेशन, एक अच्छा जोक।

गुस्सा : एक्शन में तब्दील

पागलपन और गुस्सा आना भले ही निगेटिव इमोशन है लेकिन यह किसी व्यक्ति, वस्तु या आइडिया पर एक्शन लेने के लिए प्रेरित करता है। मान लीजिए एक स्टोर का मालिक लाभ के सामान की कीमतें बढ़ा देता है। लेकिन ऐसा करके वह अपना विश्वास चोटिल कर देता है जो कि उसने अपने ग्राहकों के दिमाग में बनाया था। वह डरता है कि बढ़ती कीमत की वजह से ग्राहकों की नाराजगी बढ़ेगी जो कि वह अवॉइड करना चाहता है। डर की बजाए गुस्से को सोर्स मानना उसकी मदद कर सकता है।

दुख : आलोचनात्मक सोच

इस इमोशन के कई सरप्राइजिंग इफेक्ट्स है। जब हम दुखी होते हैं तो हम डिसीजन मेकिंग में पूर्वाग्रह में रहते हैं। दुख हमें ज्यादा अच्छी सोच और आलोचनात्मक सोच प्रदान करता है। यानी दुख भी एक वास्तविक स्त्रोत हो सकता है।

हॉस्पिटल मैनेजमेंट की फील्ड में होगी लाखों की कमाई

हॉस्पिटल मैनेजमेंट को हेल्थकेयर एडमिनिस्ट्रेशन और हेल्थ एडमिनिस्ट्रेशन के तौर पर भी जाना जाता है। इसका काम हॉस्पिटल में सभी व्यवस्थाओं को सुचारु रूप से चलवाना है। इस कोर्स को करने के लिए स्टूडेंट का 12वीं कक्षा साइंस स्ट्रीम के साथ पास होना जरूरी है। कोरोना महामारी के बाद हेल्थ सेक्टर में कई बड़े बदलाव हुए हैं। साथ ही कॅरियर के तौर पर भी कई ऑप्शन सामने आए हैं। बता दें कि पहले नर्सिंग और एमबीबीएस कर मेडिकल सेक्टर में कॅरियर बनाया जा सकता था। लेकिन अब इस सेक्टर में मेडिकल की डिग्री के बिना भी आप अपना कॅरियर बना सकते हैं। इन्हीं में से एक कॅरियर ऑप्शन हॉस्पिटल मैनेजमेंट का है।

हॉस्पिटल मैनेजमेंट को हेल्थकेयर एडमिनिस्ट्रेशन और हेल्थ एडमिनिस्ट्रेशन के तौर पर भी जाना जाता है। इस सेक्टर से जुड़े लोगों के अनुसार, स्वास्थ्य संबंधित सेवाओं के विस्तार के अलावा हॉस्पिटल मैनेजमेंट के क्षेत्र में भी काम बढ़ रहा है। आइए जानते हैं आप कैसे इस सेक्टर में अपना कॅरियर शुरू कर सकते हैं।

जानिए क्या है हॉस्पिटल मैनेजमेंट

बता दें कि हॉस्पिटल मैनेजमेंट हेल्थ केयर एडमिनिस्ट्रेशन डिपार्टमेंट के क्षेत्र में आता है। इसका काम हॉस्पिटल में सभी व्यवस्थाओं को सुचारु रूप से चलवाना है। इसके अलावा इसका काम यह सुनिश्चित करना है कि हॉस्पिटल आने वाले मरीजों और वहां काम करने वाले कर्मचारियों को किसी तरह की कोई समस्या ना हो। हॉस्पिटल मैनेजमेंट टीम इन व्यवस्थाओं को सुनियोजित करने का काम भी करती है।

यहां से करें हॉस्पिटल मैनेजमेंट कोर्स

- अपोलो इंस्टिट्यूट ऑफ हॉस्पिटल एडमिनिस्ट्रेशन, हैदराबाद
- इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ सोशल वेलफेयर एंड मैनेजमेंट, कोलकाता
- आर्म्ड फोर्सेज मेडिकल कॉलेज, पुणे
- देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इंदौर
- एम्स, नई दिल्ली

अहम है यह फील्ड

हॉस्पिटल मैनेजमेंट के तहत हॉस्पिटल में चलने वाली कैंटीन से लेकर लिफ्ट तक का कार्यभार ही आता है। किसी भी संचालन में कमी और अस्पताल में होने वाले हादसों की जिम्मेदारी भी हॉस्पिटल मैनेजमेंट की होती है। एक सर्वे के मुताबिक भारत में साल 2025 तक 10 लाख से ज्यादा हॉस्पिटल मैनेजर्स की जरूरत होगी।

हॉस्पिटल मैनेजमेंट कोर्स

कई संस्थान हॉस्पिटल मैनेजमेंट में बैचलर की डिग्री देते हैं। यह कोर्स 3 साल का होता है। इसके अलावा आप इसमें प्रोफेशनल कोर्स में मास्टर्स डिग्री भी प्राप्त कर सकते हैं। वर्तमान समय में हॉस्पिटल मैनेजमेंट के कोर्स में एमबीए वालों को प्राथमिकता दी जा रही है। वहीं प्राइवेट संस्थान हॉस्पिटल मैनेजमेंट कोर्स डिप्लोमा सर्टिफिकेट भी देते हैं।

क्वालिफिकेशन

हॉस्पिटल मैनेजमेंट कोर्स करने के लिए स्टूडेंट का 12वीं कक्षा साइंस स्ट्रीम के साथ पास होना आवश्यक होता है। यह कोर्स करने के लिए छात्र के 12वीं में बायोलॉजी में न्यूनतम 50% अंक होने जरूरी है। कुछ शैक्षणिक संस्थान इंटरव्यू और टेस्ट के आधार पर भी इस कोर्स में दाखिला देते हैं।

सैलरी

हॉस्पिटल मैनेजमेंट कोर्स करने के बाद उम्मीदवार 40 से 50 हजार रुपये प्रतिमाह कमाने का मौका मिलता है। इसके अलावा सरकारी संस्थान में एक से डेढ़ लाख रूपए महीने की सैलरी उठा सकते हैं। समय और अनुभव बढ़ने के साथ ही सैलरी में भी बढ़ोतरी होती जाएगी।

सकारात्मक के लिए करें ये काम

कई बार हम सकारात्मक सोचने का निर्णय लेते हैं, लेकिन कुछ ही समय में हमारा व्यवहार पहले जैसा हो जाता है। आइए जानें ऐसी पांच बातें, जिनसे हमें हमेशा सकारात्मक रहने में मदद मिलेगी।

जो पाना है, उस पर फोकस

हमारी एक गलती से नकारात्मकता हमारी विचार प्रक्रिया में शामिल हो जाती है और वह है एक ही बात के बारे में बार-बार सोचना। किसी भी चीज का परिणाम क्या होगा, यह सोचकर अपना समय बर्बाद करने से अच्छा है कि हम इस बात पर फोकस करें कि हमें क्या अचीव करना है। इससे हमारा काम बेहतर होगा।

समस्या के साथ सीख

हर समस्या में हमारे लिए एक सीख छिपी होती है और हमें उस सीख को समझकर हमेशा के लिए उसे गांठ बांध लेना चाहिए। हम समस्या से घबराकर नकारात्मक सोचना शुरू कर देते हैं और उल्टे-सीधे कयास लगाते हैं, जिससे समस्या वास्तविकता से ज्यादा बड़ी लगने लगती है। अगर हम सीख को याद रखकर आगे उस पर अमल करें, तो यह हमारे अनुभव को समृद्ध करने का काम करेगा।

खुद की सराहना

दूसरों के अच्छे काम की तारीफ तो हम सब करते हैं, लेकिन अपने किए हुए अच्छे काम पर शायद ही हम खुद को शाबाशी देते हों। छोटी-से-छोटी चीजों को भी अचीव करने पर हमें खुद की सराहना करनी चाहिए। इससे हमारी विचार प्रक्रिया पर काफी सकारात्मक असर पड़ता है।

अपनी क्षमताओं पर विश्वास

खुद की क्षमता पर हमेशा भरोसा रखें। खुद पर से आपका विश्वास जितना डगमगाएगा, आपके जीवन में नकारात्मकता भी उतनी ही बढ़ती जाएगी। इसलिए कभी यह मत सोचिए कि कोई काम आप नहीं कर सकते। हमेशा इस पर फोकस करें कि वह काम आप तय समय में कैसे करेंगे।

अपने रवैये का विश्लेषण

अगर आपको खुद की कोई आदत अच्छी नहीं लगती और न चाहते हुए भी आप बार-बार उसे दोहरते हैं, तो उसे नियंत्रित करने की कोशिश करें। ऐसे व्यवहार से न सिर्फ हमारे अंदर, बल्कि हमारे आसपास भी नकारात्मकता बढ़ती है और लोग हमसे दूर भागते हैं।

RNI : JHAHIN/2014/54374
Rashtria Mukhyadhara
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159
हिन्दी दैनिक
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/

रीमेक की बेड़ियों से आजाद होगी दृश्यम 3

इंडियन सिनेमा में सस्पेंस और थ्रिलर की परिभाषा बदलने वाली फ्रेंचाइज 'दृश्यम' अपने तीसरे और सबसे घातक चैप्टर की ओर बढ़ चुकी है। विजय सलगांवकर की शातिर चालाकी और कानून के फौलादी शिकंजे के बीच अब एक ऐसी बिसात बिछने वाली है, जहां से किसी एक का बचना नामुमकिन है। मेकर्स ने इस शेड्यूल के लिए बेहद गोपनीय और पुख्ता रणनीति तैयार की है। निर्देशक अभिषेक पाठक ने इस बार साहस दिखाते हुए फिल्म को रीमेक की बेड़ियों से आजाद कर दिया है। 'दृश्यम 3' अब मोहनलाल के मलयालम वर्जन को फॉलो नहीं करेगी। इसे पूरी तरह नॉर्थ इंडियन कल्चर और अपनी मौलिक स्क्रिप्ट के आधार पर ढाला गया है। मेकर्स का मानना है कि 'दृश्यम' अब एक ग्लोबल बांड है और सलगांवकर का अंत अब उसकी अपनी शर्तों पर होगा।

पुलिस की वर्दी में नहीं दिखेगा जयदीप अहलावत का किरदार

इस बार सबसे बड़ा मास्टरस्ट्रोक कास्टिंग में दिखता है। अक्षय खन्ना के बाहर होने के बाद' पाताल लोक' फेम जयदीप क्राइम एसपी की भूमिका में नजर आएंगे। वह वर्दी या पारंपरिक पुलिसिया रौब में नहीं, बल्कि सिविल ड्रेस में सलगांवकर के घर पहुंचेंगे। जयदीप और अजय के बीच संवादों का तीखा दंगल दिखेगा। जयदीप उन दफन राजों का जिक्र करेंगे, जिन्हें विजय सलगांवकर ने छिपाया था।

आदित्य धर के साथ काम करना चाहती हैं भूमि पेडनेकर

धुरंधर को दर्शकों ने खूब पसंद किया था और सिर्फ फैंस ही नहीं, कई सेलेब्स ने भी इस स्पाई-एक्शन थ्रिलर की तारीफ की। अब इस लिस्ट में एक्ट्रेस भूमि पेडनेकर का नाम भी जुड़ गया है।

हाल ही में द राइट एंगल विद सोनल कालरा के एपिसोड में भूमि ने माना कि 'धुरंधर' देखने के बाद वह आदित्य धर और रणवीर सिंह के साथ काम करना चाहती हैं। इंटरव्यू के दौरान सोनल कालरा ने उनसे पूछा, 'भूमि, आपने कई शानदार लोगों के साथ काम किया है, लेकिन ऐसा कौन-सा एक डायरेक्टर और एक एक्टर है जो अभी भी आपकी बकेट लिस्ट में है?' इस पर भूमि पेडनेकर ने जवाब दिया, 'एक डायरेक्टर चुनना मेरे लिए मुश्किल है, क्योंकि कई लोग हैं जिनके साथ मैं काम करना चाहती हूं। मैं जरूर संजय लीला भंसाली के साथ काम करना चाहती हूं। किसी भी तरह से उनके साथ काम करना मेरा सपना है। मुझे उम्मीद है कि मुझे उनके साथ काम करने का मौका मिलेगा, क्योंकि वह एक जीनियस हैं। इसके अलावा राजकुमार हिरानी के साथ भी काम करना चाहती हूं। और अब मैं आदित्य धर के साथ भी काम करना चाहती हूं, क्योंकि मुझे 'धुरंधर' का पहला पार्ट बहुत पसंद आया।'

भूमि ने आगे कहा, 'मैं आमतौर पर बहुत ज्यादा मस्कुलिन फिल्मों की ऑडियंस नहीं हूं। ऐसी फिल्मों में मुझे नींद आने लगती है और मैं उनसे कनेक्ट नहीं कर पाती। लेकिन 'धुरंधर' मुझे बहुत पसंद आई। अगर एक्टर्स की बात करूं तो मैं रणवीर सिंह की बहुत बड़ी फैन हूं। उनके साथ काम करने का मौका जरूर चाहूंगी। मुझे नहीं लगता कि उनकी कोई भी परफॉर्मेंस ऐसा रहा हो जिससे मैं, एक फैन के तौर पर, निराश हुई हूं। 'रॉकी और रानी की प्रेम कहानी' में तो मैं उन्हें देखकर पूरी तरह ऑब्सेस्ड हो गई थी।' वर्कफ्रंट की बात करें तो भूमि पेडनेकर जल्द ही इमरान खान की कमबैक फिल्म में उनके साथ नजर आने वाली हैं।

एक्शन फिल्म 'किंग' के बाद बड़े बजट के क्लासिक ड्रामा फिल्म करना चाहते हैं शाहरुख

शाहरुख खान इन दिनों अपनी एक्शन फिल्म 'किंग' को लेकर लगातार सुर्खियों में बने हुए हैं। लेकिन क्या आपको पता है कि 'किंग' में जबरदस्त एक्शन के बाद शाहरुख किस तरह की फिल्म करना चाहता हैं। शाहरुख इन दिनों सिद्धार्थ आनंद के साथ अपनी फिल्म 'किंग' की शूटिंग पूरी करने वाले हैं। पिंकविला की एक खबर के अनुसार, कई एक्शन फिल्मों के बाद, शाहरुख रोमांस की ओर लौटना चाहते हैं। शाहरुख खान अब अपनी अगली फिल्मों की प्लानिंग कर रहे हैं। उनकी फिल्म 'किंग' दिसंबर 2026 में रिलीज होगी। 'किंग' की शूटिंग जल्द खत्म होने वाली है।

कैसी होगी शाहरुख की अगली फिल्म

शाहरुख खान रोमांस वाली फिल्मों के लिए बहुत मशहूर हैं। उन्हें एक बड़े बजट की, पुराने स्टाइल की, मैच्योर रोमांटिक ड्रामा फिल्म का ऑफर मिला है। वह इस स्क्रिप्ट पर गंभीरता से सोच रहे हैं। यह फिल्म उनकी पुरानी रोमांटिक भूमिकाओं की कॉपी नहीं होगी, बल्कि अलग कहानी होगी। इसमें बहुत सारी भावनाएं और ड्रामा होगा। इससे वह फिर से 'रोमांस के बादशाह' की तरह नजर आएंगे।

फराह के साथ काम कर सकते हैं शाहरुख

कथित तौर पर इस फिल्म के अलावा शाहरुख निर्देशक फराह खान के साथ फिर से काम कर सकते हैं। यह फिल्म 'मैं हूं ना 2' हो सकती है। इसमें शाहरुख डबल रोल में नजर आ सकते हैं। अभी इसकी स्क्रिप्ट तैयार हो रही है। शाहरुख दोनों प्रोजेक्ट्स को लेकर काफी उत्साहित हैं। वह जून 2026 तक अपनी अगली फिल्म का फैसला ले लेंगे। इसके लिए वह इंडस्ट्री के कई लोगों से मिल भी रहे हैं।

कब रिलीज होगी 'किंग'?

'किंग' 24 दिसंबर 2026 को क्रिसमस के समय रिलीज हो सकती है। उसके बाद जनवरी या फरवरी 2027 में शाहरुख अपनी अगली फिल्म की शूटिंग शुरू कर सकते हैं। इस नई फिल्म के लिए एक बड़े नाम के डायरेक्टर से भी बात चल रही है।

सरकार 4 मेरे सारे पाप धो देगी

पॉपुलर पॉलिटिकल-क्राइम फिल्म सीरीज 'सरकार' के तीन पार्ट आ चुके हैं, जिसमें अमिताभ बच्चन, अभिषेक बच्चन, ऐश्वर्या राय बच्चन और मनोज बाजपेयी जैसे कलाकार नजर आ चुके हैं। अब फिल्ममेकर राम गोपाल वर्मा ने इस फिल्म को लेकर बड़ा ऐलान किया है।

फिल्ममेकर राम गोपाल वर्मा ने अपनी पॉपुलर पॉलिटिकल-क्राइम फिल्म सीरीज 'सरकार' की अगली फिल्म 'सरकार 4' का ऐलान कर दिया है। निर्देशक ने बताया कि इस फिल्म की शूटिंग अगले महीने से शुरू होने वाली है। उन्होंने कहा, 'मैं 'सरकार 4' बना रहा हूं। इसकी शूटिंग मैं अगले महीने से शुरू करने वाला हूं।' उन्होंने अपने एक और प्रोजेक्ट 'द सिंडिकेट' के बारे में भी बात की। इस पर मजाक करते हुए राम गोपाल वर्मा ने कहा कि यह फिल्म मेरे सारे पाप धो देगी। राम गोपाल वर्मा ने यह जानकारी रेड लॉरी फिल्म फेस्टिवल के उद्घाटन के दौरान दी। 'सरकार' सीरीज की शुरुआत साल 2005 में हुई थी, जिसमें अमिताभ बच्चन ने सुभाष नागरे का दमदार किरदार निभाया था। फिल्म में उनके साथ अभिषेक बच्चन भी नजर आए थे, जिन्होंने इस फिल्म में अमिताभ के बेटे 'शंकर' के किरदार निभाया था। इसके बाद इस फ्रेंचाइजी की दूसरी फिल्म 'सरकार राज' 2008 में रिलीज हुई, जिसमें ऐश्वर्या राय बच्चन भी अहम भूमिका में थीं। फिर 2017 में 'सरकार 3' आई, जिसमें अमिताभ और अभिषेक के अलावा यामी गौतम, मनोज बाजपेयी और अमित साध जैसे कलाकार दिखाई दिए थे। अब 'सरकार 4' की घोषणा के बाद फैंस में एक्साइटमेंट बढ़ गई है।

'मेस' में मुख्य भूमिका में नजर आएंगे ऋतिक रोशन

ऋतिक रोशन ने आज आगामी फिल्म 'मेस' की जानकारी देते हुए एक खास तस्वीर सोशल मीडिया हैंडल पर शेयर की है। इस तस्वीर में उनके साथ उनके चचेरे भाई ईशान रोशन भी नजर आ रहे हैं। जानिए किस पर आधारित है फिल्म 'मेस'।

फिल्म की कहानी कुछ चोरों की है, जो एक ऐसे व्यक्ति के घर में चोरी करने जाते हैं, जो ओसीडी से ग्रसित होता है। जैसे-जैसे रात बीतती है, चोरों को पता चलता है कि घर की हालत वैसी नहीं है जैसी उन्होंने सोची थी। अब शायद उन्हें ही मुश्किल में पड़ना पड़ेगा और रात भर जीवित बचना होगा। यह एक मजेदार और हल्की-फुल्की कॉमेडी होगी। ऋतिक रोशन 'मेस' में मुख्य भूमिका में नजर आएंगे।

फिल्म में ऋतिक के अलावा और कौन-कौन से कलाकार होंगे इसकी जानकारी जल्द आएंगी। इसके अलावा इसकी रिलीज डेट की तारीख भी जल्द ही सामने आएगी।

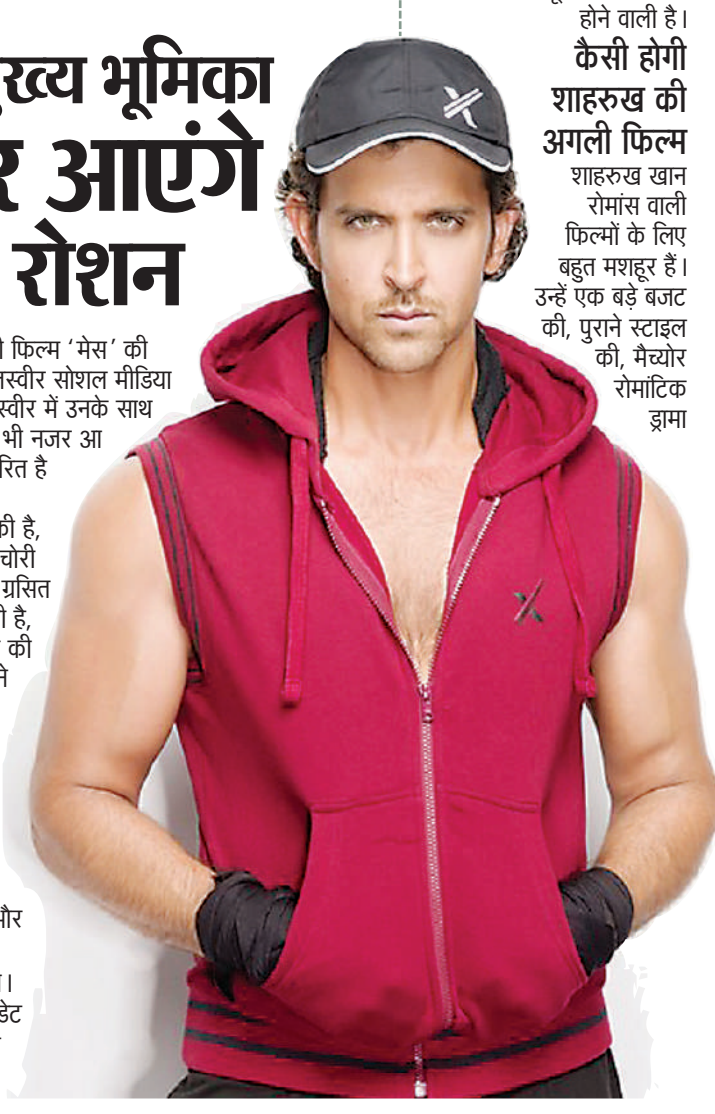

भारत में किसी अवॉर्ड फंक्शन के दौरान किसी भारतीय स्टार को रोस्ट नहीं कर सकते

अभिनेता और स्टैंड अप कॉमेडियन वीर दास अपनी बेबाकी के लिए भी जाने जाते हैं। हाल ही में ऑस्कर में अवॉर्ड फंक्शन के दौरान होस्ट कॉनन ओ ब्रायन द्वारा कई स्टार्स को रोस्ट करने किया गया। इसे देखने के बाद वीर दास का कहना है कि भारत में ऐसा नहीं किया जा सकता है। भारत में किसी अवॉर्ड फंक्शन के दौरान भी किसी भारतीय स्टार को रोस्ट नहीं कर सकते।

इसलिए कॉमेडियन को चुना जाता है होस्ट

वीर दास भारत में कुछ अवॉर्ड समारोहों को होस्ट कर चुके हैं। इसके अलावा वह 52वें इंटरनेशनल एमी अवॉर्ड्स को भी होस्ट कर चुके हैं। लेकिन वीर दास का मानना है कि भारत में रोस्टिंग स्टाइल में होस्टिंग नहीं की जा सकती। अपने एक्स अकाउंट पर इस बारे में लिखते हुए वीर दास ने कहा, 'भारत में गेर्विस या कॉनन की तरह किसी बड़े फिल्म पुरस्कार समारोह की मेजबानी क्यों नहीं की जाती? दरअसल, मैंने पांच साल तक कई भारतीय पुरस्कारों के लिए स्क्रिप्ट लिखी है। इसका कारण यह है: ऑस्कर या फिल्म अवॉर्ड्स की किसी कॉमेडियन द्वारा मेजबानी किए जाने का मकसद यह है कि एक रात के लिए, एक मसखरा दुनिया के सबसे खूबसूरत चुने हुए लोगों को मानवीय रूप दे सके। क्योंकि उन्हें पहले से ही सम्मानित किया जा रहा होता है। ऐसे में कोई भी मजाक जोरदार हो जाता है।'

बुरा मान जाते हैं भारतीय सितारे

हालांकि, वीर दास ने आगे बताया कि भारत में ऐसा क्यों नहीं हो सकता? उन्होंने आगे कहा, 'यहां, सितारों का अहंकार अपने स्तर से नीचे के किसी भी व्यक्ति के मजाक को बर्दाश्त नहीं करता। विडंबना यह है कि जितना बड़ा स्टार होस्ट करता है, मामला उतना ही पेचीदा हो जाता है। क्योंकि उस स्तर पर तो सिर्फ तीन ही लोग होते हैं। इसलिए एक बड़े स्टार का होस्ट करना वहां मौजूद लोगों के लिए तो ठीक रहता है, लेकिन देखने वालों के लिए हमेशा मजेदार नहीं होता। ऐसा इसलिए क्योंकि सत्ता का संतुलन बिगड़ जाता है।'

98वें ऑस्कर में कॉनन ओ ब्रायन ने किया रोस्ट

कॉनन ओ'ब्रायन ने लगातार दूसरे साल ऑस्कर की मेजबानी की। शो के दौरान उन्होंने पिछले कुछ महीनों से सामाजिक-सांस्कृतिक चर्चाओं में छाए कई मुद्दों पर बात की। इनमें ईरान, इस्राइल और अमेरिका के बीच मिडिल ईस्ट में चल रहे संघर्ष से लेकर एआई एआई के बढ़ते खतरे तक शामिल हैं। उन्होंने टिमोथी चालमेट की ओपेरा और बैले पर की गई टिप्पणियों पर भी तंज कसा, जो सोशल मीडिया पर वायरल हो गई थीं।

'हैप्पी पटेल: खतरनाक जासूस' में नजर आए थे वीर

वर्कफ्रंट की बात करें तो वीर दास को आखिरी बार 'हैप्पी पटेल: खतरनाक जासूस' में देखा गया था। इससे उन्होंने निर्देशन के क्षेत्र में कदम रखा। इस फिल्म में मोना सिंह भी हैं, साथ ही आमिर खान और इमरान खान की विशेष भूमिकाएं भी हैं। आमिर खान प्रोडक्शन हाउस द्वारा निर्मित यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कोई खास कमाल नहीं दिखा पाई।